सूर्योदय 5:35 सूर्यास्त 7:21

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	22.2 अधि
धर्मशाला	18.4 न्यू	27.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,059
निफ्टी	23,767

सोना 1,42,000 चांदी 2,19,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 26 जुलाई 2026 | 11 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 92, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मणिपुर में हैंड ग्रेनेड और डेटोनेटर-मैगजीन बरामद

एजेंसी, इम्फाल। मणिपुर के इम्फाल पश्चिम जिले के पटसोई थाना क्षेत्र स्थित संगाईथेल पार्क के निकट 24 जुलाई को चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सामग्री बरामद की। बरामद सामग्री में आठ पिस्तौल मैगजीन सहित, चार राइफलें, तीन हैंड ग्रेनेड, तीन डेटोनेटर, बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस और खाली खोखे, कई मैगजीन तथा बुलेटप्रूफ जैकेट, मैगजीन पाउच और वायरलेस संचार सेट सहित अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। यह बरामदगी क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान के दौरान की गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

इंडोनेशिया से डिपोर्ट गैंगस्टर बिल्ला लाया गया पंजाब

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने फरार गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन बिल्ला को इंडोनेशिया के जकार्ता से डिपोर्ट कर भारत लाने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई करीब छह महीने तक चले अभियान के बाद पूरी हुई। अमृतसर ग्रामीण निवासी जोबन बिल्ला बंबीहा गैंग का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास, नशा तस्करी, फिरौती और आर्म्स एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक वह चार हत्या मामलों में वांछित था।

पाक आतंकी नेटवर्क के 3 संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी, गुवाहाटी। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने धुबड़ी, चिरांग और बरपेटा जिलों में संयुक्त अभियान चलाकर पाकिस्तान आधारित संदिग्ध आतंकी-आपराधिक नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) से जुड़े तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में नेटवर्क पर भर्ती, कट्टरपंथ फैलाने, जासूसी, लॉजिस्टिक सहायता और स्लीपर सेल तैयार करने जैसी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। मामले की जांच जारी है और पूरे नेटवर्क के अन्य संभावित संपर्कों की भी तलाश की जा रही है।

तार चोरी के प्रयास में करंट लगने से दो युवकों की मौत

एजेंसी, बाड़मेर। राजस्थान के बालोतरा जिले के धोरीमन्ना थाना क्षेत्र के कोठाला गांव में हाईटेंशन बिजली लाइन से तार चोरी करने का प्रयास दो युवकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। करंट की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 23 वर्षीय खेताराम पुत्र चेनाराम और 23 वर्षीय गिरधारीराम पुत्र सोनाराम के रूप में हुई है। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और डिस्कॉम की तकनीकी टीम को भी बुलाया। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

नीट विवाद : धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से दिया इस्तीफा

जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के बीच लिया बड़ा फैसला, पीएम मोदी को भेजा त्यागपत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

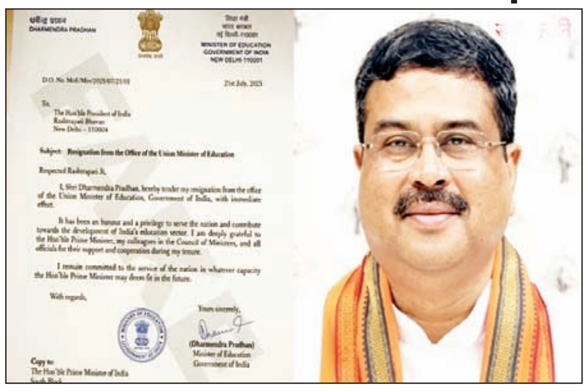

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्रों के प्रदर्शन के बीच बड़ी खबर सामने आ रही है। जिस शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर नीट छात्र धरना प्रदर्शन दे रहे थे, उन्होंने आखिरकर इस्तीफा दे दिया है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार प्रकट करता हूं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आगे लिखा कि 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ।

मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने आगे लिखा कि पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दु:खी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है। जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र (इस्तीफा) पीएम मोदी को भेज दिया है।

धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्टाचार के प्रतीक इस्तीफा देना ही था : राहुल गांधी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा- प्रधान को तो जाना ही था। अच्छा है चला गया। वो भ्रष्टाचार का सिंबल है। उसने देश के एजुकेशन सिस्टम खोखला कर दिया। मेरी तरफ से छात्रों को जो सपोर्ट चाहिए हम तैयार हैं। हम छात्रों और उनके भविष्य को बचाने के लिए खड़े हैं। राहुल ने कहा कि हमारा शिक्षा सिस्टम, जिसे कभी दुनिया भर में अच्छा माना जाता था, उस पर हमले हो रहे हैं, उस पर कब्जा किया जा रहा है। उसका निजीकरण किया जा रहा है। इसमें जितनी गलती पीएम की है। उतनी ही आरएसएस की है। राहुल ने कहा- छात्रों पर हुई हिंसा के लिए अमित शाह सीधे जिम्मेदार हैं। छात्रों पर चलाई गई पैलेट गन के लिए जिम्मेदार हैं। हम यह नहीं स्वीकार कर सकते कि पुलिस छात्रों पर इस तरह का एक्शन ले।

सोनम वांगचुक बोले-लोकतंत्र की हुई जीत

पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताया है। जंतर-मंतर पर चले छात्र आंदोलन में 26 दिन तक अनशरत रहे सोनम वांगचुक ने एक्स पोस्ट में कहा, यह लोकतंत्र की जीत है सीधा लोकतंत्र जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। उन्होंने सीजेपी और देश की 'जेन जी' के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप लोगों का संघर्ष रंग लाया। आखिरकार, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। यह पूरे लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार नीट के सिस्टम को ठीक करेगी, ताकि अगले साल अब से पेपर लीक होना बंद हो जाए। देश के अंदर, अब हमारे बच्चों को आत्महत्या न करनी पड़े।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन भी हुआ खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया।

सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। वहीं पुलिस की तरफ से कहा जा रहा है कि आपकी सभी मांगें मान ली गई हैं। मेट्रो स्टेशन खुल गए हैं। सभी प्रदर्शनकारी घर चले जाएं।

विदेश से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को राहत अब इंटर्नशिप अवधि होगी एक वर्ष: सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पात्र विदेशी चिकित्सा महाविद्यालयों से एमबीबीएस कर चुके और कोविड-19 महामारी में उत्पन्न अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्ययन करने वाले स्नातकों को एक वर्ष की इंटर्नशिप की अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित विद्यार्थियों की चिंताओं का समाधान निष्पक्ष, व्यावहारिक और छात्र हितैषी दृष्टिकोण के साथ करेगी। प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोविड-19 महामारी के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों के कारण प्रभावित योग्य विद्यार्थियों को किसी प्रकार की हानि न उठानी पड़े।

सुक्खू ने कहा कि विदेश से चिकित्सा स्नातक करने वाले विद्यार्थियों की इंटर्नशिप अवधि को लेकर अनिश्चितता उत्पन्न हो गई थी, क्योंकि एक ही शैक्षणिक बैच के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग अवधि निर्धारित की गई थी। कुछ विद्यार्थियों को एक वर्ष की इंटर्नशिप करने की अनुमति दी गई, जबकि समान परिस्थितियों में कोविड-19 के दौरान पढ़ाई करने वाले अन्य छात्रों को दो वर्ष की इंटर्नशिप करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने महामारी के दौरान ऑनलाइन माध्यम से पढ़ने वाले विदेशी चिकित्सा स्नातकों के लिए प्रतिपूरक प्रशिक्षण अवधि की उपयुक्तता का आकलन करने का अधिकार राज्य सरकारों को सौंपा है। एनएमसी के प्रावधानों तथा विद्यार्थियों द्वारा झेली गई वास्तविक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने पात्र अभ्यर्थियों के लिए इंटर्नशिप अवधि एक वर्ष निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

मेडिकल इंटर्नशिप में आ रही बाधाएं जल्द होंगी दूर

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर आवश्यक आदेश जल्द जारी किए जाएं, ताकि प्रभावित छात्र अविलंब अपनी इंटर्नशिप शुरू या पूरी कर सकें। इस निर्णय से प्रभावित चिकित्सा स्नातकों को बड़ी राहत मिलेगी और वे अनावश्यक बाधाओं के बिना अपने चिकित्सा करियर को आगे बढ़ा सकेंगे। इससे राज्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बनी रहेगी। बैठक में प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान आदि मौजूद रहे।

कॉमनवेल्थ गेम्स : झंडू कुमार ने भारत को दिलाया पहला पदक, पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

एजेंसी, ग्लासगो। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अपना पदक खाता खोल दिया है। भारतीय पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शुक्रवार देर रात पुरुषों के हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश को खेलों का पहला पदक दिलाया। ग्रुप-बी में प्रतिस्पर्धा करते हुए झंडू कुमार ने पहले प्रयास में 181 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 190 किलोग्राम वजन उठाकर अपनी स्थिति मजबूत की। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम वजन उठाने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके। 72.4 किलोग्राम शरीर भार वाले झंडू कुमार को उनके सर्वश्रेष्ठ सफल प्रयास के आधार पर 130.9 अंक मिले। वह ग्रुप-बी में पहले स्थान पर रहे। अंतिम परिणाम ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के खिलाड़ियों के अंकों को शरीर के वजन और सफल लिफ्ट के आधार पर मिलाकर तैयार किए गए, जिसमें झंडू तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 132.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 131.0 अंक हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। झंडू कुमार महज 0.1 अंक के अंतर से रजत पदक से चूक गए। भारतीय खिलाड़ी ने मलेशिया के निकोडेमस मंगोई मोसेस (120.3 अंक) को पीछे छोड़ते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

देश सदैव याद रखेगा कारगिल के वीरों का बलिदान : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदानियों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रहित में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों का बलिदान देश सदैव स्मरण रखेगा।

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में उत्तराखंड के वीर सपूतों ने अग्रिम मोर्चे पर साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। देश सदैव अपने वीर सैनिकों बलिदानों का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम से हमेशा देश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है। छोटे राज्य होने के बावजूद देश की रक्षा में उत्तराखंड का योगदान उल्लेखनीय रहा है। सैनिक परंपरा वाले इस राज्य में पीढ़ियों से लगभग हर परिवार से वीर और वीरांगनाएं देश की सेवा में अपना योगदान देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा उनके सम्मान और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने युवाओं सेबलिदानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

मध्यप्रदेश में डैम में गिरी कार, 5 दोस्तों की मौत

एजेंसी, राजगढ़

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में शनिवार को दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डैम में जा गिरी। हादसे में कार सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। खुजनेर थाना पुलिस के अनुसार, शाजापुर जिले के पड़ोसी गांवों अरंडिया खुर्द और अरंडिया के रहने वाले पांच दोस्त शनिवार सुबह करीब आठ बजे स्विफ्ट कार से राजस्थान स्थित खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए निकले थे। रास्ते में भीलखेड़ी जोड़ के पास दोपहर उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित डैम में जा गिरी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से पानी में पूरी तरह डूब चुकी कार को बाहर निकाला गया, जिसमें से पांचों दोस्तों के शव बरामद हुए। खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि कार से बरामद पांच लोगों के शव बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान गोविंद तिवारी (55 वर्ष) पुत्र उमाशंकर तिवारी, कमल किशोर तिवारी (57 वर्ष) पुत्र बृज किशोर तिवारी और शंकर नाथ (58 वर्ष) तीनों निवासी ग्राम अरंडिया खुर्द तथा अरविंद वर्मा (48 वर्ष) और रोहित पटेल (40 वर्ष) दोनों निवासी ग्राम अरंडिया के रूप में हुई है। मृतकों में गोविंद और कमल किशोर तिवारी चचेरे भाई थे। थाना प्रभारी ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया और पोस्टमार्टम के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में हादसे की वजह कार की तेज रफ्तार और अनियंत्रित होना माना जा रहा है। कार में अन्य किसी व्यक्ति के सवार होने की आशंका को देखते हुए तालाब में सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस कर रही युवाओं के नाम पर राजनीति : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर युवाओं के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पार्टी को अपने शासनकाल की कार्यशैली पर आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को युवाओं को गुमराह करने के बजाय अपने पुराने रिकॉर्ड को देखना चाहिए और यह बताना चाहिए कि उसके शासन के दौरान रोजगार व्यवस्था किस तरह संचालित हुई थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय भ्रष्टाचार और 'पर्ची-खर्ची' व्यवस्था हावी थी, जिसके कारण योग्य युवाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि कई भर्तियों में अनियमितताओं के चलते नियुक्तियां वर्षों तक अदालतों में अटकी रहीं और इसका सीधा नुकसान प्रदेश के युवाओं को उठाना पड़ा। सीएम सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने दावा किया कि योग्य उम्मीदवारों को बिना किसी भेदभाव के अवसर दिए जा रहे हैं और सरकारी नौकरियों में मेरिट के आधार पर चयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से अपील की कि वह युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय अपने कार्यकाल की नीतियों और फैसलों की समीक्षा करें।

सौगात फतेहपुर में 489 करोड़ की 125 विकास परियोजनाओं के किए लोकार्पण-शिलान्यास

सपा व कांग्रेस की देन नकल माफिया: सीएम योगी

एजेंसी, फतेहपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को फतेहपुर में 489 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नकल माफिया सपा और कांग्रेस की देन हैं तथा ऐसे लोगों की जगह जेल या जहन्नुम है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं और अब नकल माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कानून के तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों की गिरफ्तारी होगी, उनकी संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले फतेहपुर प्रदेश

कहा- अब नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे

के सबसे पिछड़े जिलों में गिना जाता था। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, औद्योगिक विकास और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में यह जिला काफी पीछे था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकारों के दौरान विकास के लिए आने वाला धन सैफई सिंडिकेट की भेंट चढ़ जाता था, जिसके कारण जिले में सड़क, बिजली, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक निवेश जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता का अभाव था और भर्ती प्रक्रियाएं विवादों में घिरी रहती थीं। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में पारदर्शी भर्ती व्यवस्था लागू की गई, जिसके परिणामस्वरूप पिछले नौ वर्षों में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब फतेहपुर के युवाओं को भी योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहा है और जिले में सड़क, बिजली, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज तथा अन्य विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री अजीत पाल, मंत्री कृष्णा पासवान, राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'वैवाहिक विवादों में बच्चों को मोहरा बनाना दुर्भाग्यपूर्ण'

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया झूठा पोक्सो केस, झूठे मुकदमों पर चिंता जताई

एजेंसी, नई दिल्ली

विवाह टूटने के बाद आपसी रंजिश निकालने के लिए किस हद तक जाया जा सकता है, इसका एक दर्दनाक और चिंताजनक मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया है। कोर्ट ने हाल ही में वैवाहिक विवादों के चलते झूठे मुकदमों में ससुराल पक्ष के लोगों को फंसाए जाने और इस प्रक्रिया में मासूम बच्चों को एक-दूसरे के खिलाफ मोहरा बनाए जाने पर गहरी चिंता और दुख व्यक्त किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के रुख पर नाराजगी जताते हुए एक नाबालिग बच्चे की बुआ के खिलाफ दर्ज पोक्सो मामले को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक विवादों में रिश्तेदारों को घसीटना और बच्चों का मोहरा बनना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पूरा मामला

एक कड़वे तलाक और बच्चों की कस्टडी की जंग से जुड़ा है। एक तलाकशुदा मां ने अपने ही नाबालिग बेटे की तरफ से उसकी बुआ (पिता की बहन) पर बेहद गंभीर और चौंकाने वाले यौन उत्पीड़न (पोक्सो मामले के तहत) के आरोप लगाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की गहराई से पड़ताल की और पाया कि यह एफआइआर किसी वास्तविक अपराध का परिणाम नहीं, बल्कि पिता द्वारा दर्ज कराई गई एक अन्य शिकायत के जवाब में केवल बदला लेने की नीयत से रचा गया षड्यंत्र थी। कोर्ट ने पाया कि जब सितंबर 2023 में आपसी सहमति से तलाक हुआ था, तब ऐसा कोई आरोप नहीं लगाया गया था। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए बच्चे के बयान में भी इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'बदला लेने के लिए मासूम बच्चों को हथियार बनाना समाज और कानून दोनों के लिए बेहद शर्मनाक है।' सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले की भी आलोचना की जिसमें बिना रिकॉर्ड की ठीक से समीक्षा किए मामले को खारिज करने से इन्कार कर दिया गया था। इसने स्पष्ट किया कि जब न्याय प्रक्रिया का इस तरह से निजी हित साधने के लिए दुरुपयोग किया जाने लगे, तो न्यायपालिका मूकदर्शक नहीं रह सकती। मामले की पैरवी कर रही वकील सना रईस खान ने कोर्ट को बताया कि यह मुकदमा कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है।

जुब्बल नगर पंचायत के समग्र विकास के लिए मिलकर करेंगे काम : रोहित

शिक्षा मंत्री ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनीता चौहान और सदस्यों को दी शुभकामनाएं

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने गृह क्षेत्र जुब्बल में नगर पंचायत जुब्बल की नवनिर्वाचित अध्यक्षा अनीता चौहान एवं अन्य सदस्यों द्वारा आयोजित जन आभार समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने अनिता चौहान एवं अन्य निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनायें दीं और भविष्य में जुब्बल नगर पंचायत के सम्यक और संतुलित विकास की उम्मीद भी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के पंचायती राज एवं शहरी निकाय के चुनाव में हमें आशा के अनुरूप परिणाम मिले हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि जुब्बल नावर कोटखाई की जनता ने सकारात्मक और विकास की राजनीति का समर्थन किया है। गौरतलब है कि हाल ही में सम्पन्न नगर पंचायत चुनावों में जुब्बल नगर पंचायत से कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 में से 6 सीटों पर विजय प्राप्त कर जनता का विश्वास अर्जित किया है और 15 सालो के बाद नगर पंचायत जुब्बल में कांग्रेस को जीत मिली है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि इन चुनावों में महिला शक्ति विशेष रूप से उभर कर सामने आई है। जहाँ तीनो जिला परिषद की सीटों पर महिला उम्मीदवार विजयी रही वही नगर पंचायत जुब्बल में भी अनीता चौहान अध्यक्षा बनी। कोटखाई से विजय राजटा को भी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली और वह खंड विकास समिति कोटखाई की प्रथम अध्यक्ष बनी और खंड विकास समिति जुब्बल की अध्यक्ष भी कमलेश झगटा बनी। इसके अतिरिक्त भी बहुत सारी पंचायतों में महिला प्रधान और उप-प्रधान के पदों पर निर्वाचित हुई। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण ही एक मजबूत और स्वस्थ समाज की नींव हैं।

इस अवसर पर रात्रि भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें हिमाचल प्रदेश के नामचीन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दीं जिनमे हिमाचल के सिरमौर से सम्बन्ध रखने वाले कपिल शर्मा ने अपनी नाटियों से समा बांधा और साथ ही रोहड़ू क्षेत्र के दिवान सिवान ने भी लोगों को झूमने पर विवश किया। साथ ही जुब्बल के विनोद शर्मा ने अपनी बांसुरी की धुन से दर्शकों को मन्त्रमुग्ध किया और उमेश जलटोली की प्रस्तुति को भी खूब सराहा गया।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंदर मेहता, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोती लाल देरटा, बढ़ाल वार्ड से जिला परिषद सदस्य मीनाक्षी माँजटा, सरवती वार्ड से जिला परिषद सदस्य नेहा मेहता, कलबोग वार्ड से जिला परिषद् सदस्य रेखा चौहान, पंचायत समिति ब्लॉक जुब्बल की अध्यक्षा कमलेश झगटा, नगर पंचायत जुब्बल की अध्यक्षा अनिता चौहान, उपाध्यक्ष राजेश तेजटा, नगर पंचायत जुब्बल के सभी नवनिर्वाचित सदस्य, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, स्थानीय पंचायतों के प्रधान एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ अगस्त से प्रदेशव्यापी जनआंदोलन शुरू करेगी भाजपा: राजीव बिंदल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रदेश मुख्यालय दीपकमल में आयोजित भाजपा की विशेष बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की जनविरोधी, वादाखिलाफी और भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अगस्त माह से मंडल स्तर पर प्रारंभ होगा और चरणबद्ध तरीके से विधानसभा, जिला तथा प्रदेश स्तर तक चलाया जाएगा।

डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज प्रदेश की जनता अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रही है। सरकार ने प्रदेशभर में स्कूलों, कॉलेजों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, कार्यालयों, पशु चिकित्सालयों और अन्य सरकारी संस्थानों पर ताले लगाने का काम किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों सहित आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा इन सभी जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सड़कें बदहाल हैं, बिजली और पानी के बिलों का बोझ लगातार बढ़ाया गया है, किसानों, बागवानों, महिलाओं, युवाओं और कर्मचारियों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। कांग्रेस ने चुनाव के समय 10 गारंटियों का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद 100 से अधिक झूठ बोलकर प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया है।

जयराम ठाकुर बोले- जनता ने बदलाव का दे दिया संदेश, भाजपा निभाएगी जिम्मेदारी

शिमला। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकाय चुनावों में स्पष्ट संदेश दे दिया है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को अब सत्ता से बाहर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के इस जनादेश को दबाने और कुचलने के प्रयास किए गए, लेकिन कांग्रेस सरकार अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया है और प्रदेश को इस निकम्मी सरकार से मुक्ति दिलाने की जिम्मेदारी भाजपा को सौंपी है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा की विशेष बैठक में निर्णय लिया गया है कि कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों और वादाखिलाफी को लेकर पूरे प्रदेश में चरणबद्ध जनआंदोलन चलाया जाएगा। यह आंदोलन मंडल स्तर से शुरू होकर विधानसभा, जिला और प्रदेश स्तर तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी और हर उस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी जिससे प्रदेश की जनता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। भाजपा सरकार के समय बजट प्रावधान के साथ शुरू किए गए अनेक विकास कार्यों को रोक दिया गया, स्कूलों, कॉलेजों, स्वास्थ्य संस्थानों, कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं पर ताले लगा दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार का काम विकास को गति देना होता है, लेकिन वर्तमान सरकार ने विकास को रोकने और प्रदेश को पीछे धकेलने का कार्य किया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों के दौरान जनता से अनेक गारंटियां और बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरा करने के बजाय जनता को निराश किया। युवाओं, महिलाओं, किसानों, बागवानों और कर्मचारियों के साथ धोखा हुआ है। भाजपा जनआंदोलन के माध्यम से इन झूठी गारंटियों और सरकार की वादाखिलाफी को जनता के सामने पूरी मजबूती से उजागर करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार ने सभी सीमाएं पार कर दी हैं।

नारकंडा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आज, नागरिक अधिकारों पर होगी चर्चा

◆ **पौधरोपण अभियान से पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश**

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्ययोजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, किन्नौर द्वारा 26 जुलाई 2026 को नारकंडा में विधिक जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय, नारकंडा के सम्मेलन कक्ष में होगा। इसका आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, किन्नौर के मार्गदर्शन तथा सचिव के निर्देशन में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडलों, युवक मंडलों और आम नागरिकों को कानूनी अधिकारों एवं विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ साइबर धोखाधड़ी से बचाव, बाल विवाह निषेध, सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों सहित संवैधानिक मूल्यों पर जागरूक करेंगे। इसके साथ ही 26 जुलाई को नारकंडा में वृहद पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान भी आयोजित होगा। निहारी वन क्षेत्र में दोपहर 12 बजे से पौधरोपण किया जाएगा। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जल स्रोतों की सुरक्षा, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों से कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है।

शिक्षकों व विद्यार्थियों से जानी समस्याएं

पंचायत प्रतिनिधियों ने किया राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेरी का निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बड़ूही (ऊना)। ग्राम पंचायत सेरी की प्रधान रंजू बाला एवं उप-प्रधान सरवन सिंह ने शुक्रवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेरी का निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा अध्यापकों और विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

प्रधान रंजू बाला ने बताया कि 23 जुलाई 2026 को आयोजित ग्राम पंचायत के आम इजलास में विद्यालय प्रबंधन की ओर से एक पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें विद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं का उल्लेख किया गया था। इसी के आधार पर पंचायत प्रतिनिधियों ने विद्यालय का दौरा कर मौके पर स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों ने विद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से पंचायत प्रतिनिधियों को अवगत कराया। प्रधान एवं उप-प्रधान ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों के समक्ष इन्हें प्राथमिकता से उठाया जाएगा और पंचायत स्तर पर जो भी संभव सहयोग होगा, वह उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधान रंजू बाला और उप-प्रधान सरवन सिंह ने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना पंचायत की प्राथमिकता है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि ग्राम पंचायत विद्यालय के समग्र विकास तथा विद्यार्थियों के हित में हरसंभव सहयोग करती रहेगी और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

आशा वर्कर्स ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात में फैलने वाले रोगों बारे लोगों को करें जागरूक : डॉ. मनोज वर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सिविल अस्पताल जुन्गा में शनिवार को आशा वर्करों की क्षेत्रीय स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोज वर्मा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आशा वर्कर भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुदृढ़ हो रही हैं।

डॉ. मनोज वर्मा ने आशा वर्करों को निर्देश दिए कि वह बरसात के मौसम में लोगों को गंदगी से फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने विशेष रूप से डायरिया, स्क्रब टाइफस, हैजा तथा अन्य संक्रामक रोगों के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को हमेशा उबला हुआ या स्वच्छ पानी पीने, कच्चे तथा अत्यधिक पके हुए फलों के सेवन से बचने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही पीलिया, मधुमेह, टीकाकरण, उच्च रक्तचाप तथा विशेष रूप से क्षयरोग (टीबी) उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाए।

डॉ. वर्मा ने आशा वर्करों से कहा कि वे लोगों को पानी की टंकियों की नियमित सफाई, पेयजल का क्लोरीनीकरण तथा समय-समय पर पानी में ब्लीचिंग पाउडर डालने के महत्व के बारे में भी जागरूक करें, ताकि जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ट्राई की चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा, डुब्लू स्वास्थ्य उपकेंद्र की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) रानी ठाकुर सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से आई आशा वर्करों ने भाग लिया।

एचआरटीसी बस में चेकिंग के दौरान 12 ग्राम चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशा तस्करी के खिलाफ शिमला पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्पेशल सेल शिमला को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने गश्त और चेकिंग अभियान के दौरान एक व्यक्ति को 12 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस थाना बालुगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार 24 जुलाई को शोघी पुलिस चौकी के नजदीक स्पेशल सेल शिमला की टीम एचआरटीसी बसों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को एक व्यक्ति पर संदेह हुआ। पुलिस ने जब उसके बैग की तलाशी ली तो बैग के अंदर रखी माचिस की डिब्बी से 12 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपी की पहचान अमित ठाकुर (32 वर्ष) निवासी ननखड़ी, जिला शिमला के रूप में की है। हेरोइन बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना बालुगंज में मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं।

शिमला पुलिस ने कहा है कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नशा तस्करी से जुड़े लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल में 2003 से पहले भर्ती कर्मियों को ओपीएस चुनने का फिर मिला मौका

◆ **31 अक्तूबर तक देना होगा विकल्प**

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने उन सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में शामिल होने का एक और अवसर दिया है, जिनकी भर्ती प्रक्रिया 15 मई 2003 से पहले विज्ञापित या अधिसूचित पदों के लिए शुरू हुई थी, लेकिन नियुक्ति बाद में होने के कारण वे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में आ गए थे। ऐसे पात्र कर्मचारी अब 31 अक्टूबर तक ओपीएस का विकल्प दे सकेंगे।

वित्त (पेंशन) विभाग ने 9 जुलाई 2026 को जारी कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इसके अनुसार पात्र कर्मचारियों को केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के तहत आने के लिए एक बार विकल्प दिया जाएगा। कर्मचारी द्वारा दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और बाद में इसमें बदलाव की अनुमति नहीं होगी। राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में 1 अप्रैल से पुरानी पेंशन योजना बहाल की थी। इसके बाद 15 मई 2003 से 31 मार्च 2023 के बीच नियुक्त कर्मचारियों को ओपीएस या एनपीएस में से किसी एक का चयन करने का मौका दिया गया था। हालांकि, कई कर्मचारी संगठनों ने मांग उठाई थी कि जिन पदों की भर्ती प्रक्रिया 15 मई 2003 से पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन नियुक्ति में देरी के कारण कर्मचारी एनपीएस में चले गए, उन्हें भी ओपीएस का लाभ दिया जाए। सरकार ने इन मांगों और भारत सरकार के 3 मार्च 2023 के दिशा-निर्देशों का अध्ययन करने के बाद यह निर्णय लिया है। नए आदेश के तहत संबंधित विभाग कर्मचारियों की पात्रता की जांच करेंगे। योग्य पाए जाने वाले कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2026 तक ओपीएस में शामिल करने के आदेश जारी किए जाएंगे। निर्धारित समय तक विकल्प नहीं देने वाले कर्मचारी पहले वाली पेंशन व्यवस्था में ही बने रहेंगे। ओपीएस में शामिल होने वाले कर्मचारियों के एनपीएस खाते 28 फरवरी 2027 तक बंद किए जाएंगे। साथ ही उन्हें सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की सदस्यता लेनी होगी। एनपीएस में जमा कर्मचारी अंशदान को ब्याज सहित जीपीएफ में स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि सरकार के अंशदान और निवेश लाभ का समायोजन नियमों के अनुसार किया जाएगा।

राज्य अनुसूचित जाति आयोग आज से 30 जुलाई तक रहेगा शिमला प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार धीमान के नेतृत्व में आयोग का प्रतिनिधिमंडल 26 से 30 जुलाई तक शिमला प्रवास पर रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में आयोग के सदस्य दिग्विजय मल्होत्रा, डॉ. विजय डोगरा और शैलजा जम्वाल शामिल रहेंगे। दौरे के दौरान आयोग अनुसूचित जाति समुदाय के कल्याण, अधिकारों के संरक्षण और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगा। आयोग 27 जुलाई को नगर निगम कार्यालय में सफाई कर्मचारियों, गैर-सरकारी संगठनों और अधिकारियों से बैठक करेगा। 28 जुलाई को विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया जाएगा। 29 जुलाई को बचत भवन में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अत्याचार निवारण अधिनियम, विकास योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी।

मोदी सरकार ने देश के युवाओं के साथ किया धोखा : विनय कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार ने देश के युवाओं,छात्रों के साथ जो धोखा किया है, उसके लिए युवा उन्हें कभी माफ नही करेंगे। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक हो या अन्य शैक्षणिक परीक्षाएं आज देश का इन परीक्षाओं से लोगों का भरोसा उठ गया है।

आज छात्र आंदोलन के पक्ष में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के केंडल मार्च का नेतृत्व करते हुए विनय कुमार ने कहा कि भाजपा के इस शासनकाल में पेपर लीक का एक ऐसा धंधा चल रहा है जिसे भाजपा का पूरा सरंक्षण है। नीट पेपर लीक हो या सीवीएसई की कोई परीक्षा इन सब की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में आ चुकी है। विनय कुमार ने कहा कि कांग्रेस देश के युवाओं,छात्रों के साथ खड़ी है और इनके साथ हुए अन्याय के खिलाफ,छात्रों पर पुलिस की बर्बता के खिलाफ आज पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों में केंडल मार्च का आयोजन किया जा रहा है।

विनय कुमार ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका बाड्रा और अन्य कांग्रेस सांसदों के साथ किये गए अमानवीय व्यवहार व आंदोलनरत युवाओं व छात्रों पर किये गए लाठीचार्ज के लिए भाजपा को माफी मांगनी चाहिए।कांग्रेस छात्रों की मांगों के साथ दृढता से खड़ी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के आज पद से दिए गए इस्तीफे को देर से उठाया गया कदम बताया है। उन्होंने कहा है उनके इस्तीफे से उन पर लगे नीट पेपर लीक के दाग धुले नही है। देश के लाखो छात्रों के भविष्य से खेलने वाले सभी गुनहगार जेल की सलाखों के पीछे किये जाने चाहिए।

क्योंथल कॉन्वेंट स्कूल जुन्गा में मनाया वन महोत्सव, विद्यार्थियों ने लगाए पौधे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्योंथल कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल जुन्गा में वन महोत्सव का आयोजन पूरे उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर के समीप खाली भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पचास से अधिक पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

स्कूल के प्रधानाचार्य एम.के. शर्मा ने बच्चों को वनों की उपयोगिता और उनके संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वन जहां पर्यावरण को शुद्ध करते हैं वही पर आपदा प्रबंधन में वन बाढ़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वन वन्य प्राणी जीवों का संरक्षण करने के साथ साथ उन्हें प्राकृतिक आश्रय प्रदान करते हैं। कहा कि वनों से हमें ईंधन के लिए लकड़ी और जीवनरक्षक जड़ी-बूटियां प्राप्त होती हैं जिनसे औषधियां बनाई जाती हैं। इस सफल आयोजन में इको क्लब की कोऑर्डिनेटर सुनीता ठाकुर और नीलम शर्मा ने भी विशेष सहयोग दिया और बच्चों का मार्गदर्शन किया।

विस अध्यक्ष ने सड़क दुर्घटना पर जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने गत दिन जिला लाहौल-स्पिति व पांगी की सीमा के नजदीक उदयपुर – किलाड़ सड़क मार्ग पर कड़ू नाले के समीप हुई भीषण तथा हृदयविदारक सड़क दुर्घटना पर अत्यन्त गहरा दुःख प्रकट किया है। गौरतलब है कि इस भीषण सड़क हादसे में टाटा सूमो पर चट्टाने गिरने से 13 लोगों की आसमयिक मृत्यू हो गई थी। अपने शोक संदेश में पठानियां ने कहा कि यह दुर्घटना अत्यन्त विनाशकारी तथा बेहद दुःखद थी जिसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। पठानिया ने आमजन से आग्रह किया कि बरसात के इस मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें। उन्होंने कहा कि बादल फटने तथा सड़कों पर ल्हासे गिरने की घटनाएं आए दिन बढ़ती जा रही हैं इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपना बचाव स्वयं करें। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की है।

मौसम हिमाचल में फिर मूसलाधार बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने 28 से 30 जुलाई तक ओरेंज अलर्ट

बारिश से 121 सड़कें बंद, 63 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर तेज होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 28, 29 और 30 जुलाई के लिए राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे पहले 26 और 27 जुलाई के लिए भी कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से नदी-नालों से दूर रहने और भूस्खलन तथा फ्लैश फ्लड की आशंका वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है। उधर, शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश इलाकों में शनिवार को भी मौसम खराब बना हुआ है और कई स्थानों पर बादल छाए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 80.5 मिलीमीटर बारिश धर्मशाला में हुई। इसके अलावा पालमपुर में 62.0 मिमी, पच्छाद में 41.3 मिमी, गोहर में 40.0 मिमी, मंडी में 39.8 मिमी, बरठीं में 32.2 मिमी, स्लापर में 31.6 मिमी, कांगड़ा में 30.4 मिमी, सराहन में 28.7 मिमी, जोगिंद्रनगर में 23.0 मिमी, जट्टन बैराज में 20.4 मिमी, जोत में 18.6 मिमी और जुब्बड़हट्टी में 15.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस मंडी में दर्ज हुआ।

मौसम विभाग ने शनिवार के लिए चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में फ्लैश फ्लड का जोखिम भी जताया है। विभाग का कहना है कि लगातार बारिश के कारण संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक जलस्तर बढ़ सकता है और छोटे नालों में तेज बहाव आ सकता है।

26 जुलाई को कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 27 जुलाई को चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 28 जुलाई को हमीरपुर, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि ऊना, बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और शिमला जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 29 जुलाई को कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में फिर भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट रहेगा। इसके साथ ही ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू और सोलन जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। 30 जुलाई के लिए भी राज्य के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी है।

मौसम विभाग ने कहा है कि इस दौरान संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। फ्लैश फ्लड का खतरा बढ़ सकता है और नदियों, खड्डों तथा नालों का जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका है। निचले इलाकों में जलभराव, फिसलन के कारण सड़क हादसों का जोखिम, यातायात प्रभावित होने और बागवानी तथा खेती को नुकसान पहुंचने की भी संभावना जताई गई है।

इस बीच राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन और बारिश के कारण 121 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 63 बिजली ट्रांसफार्मर और 179 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं।

उत्तराखंड में प्लास्टिक कचरे पर हाई कोर्ट सख्त, उल्लंघन करने वालों पर लगेगा जुर्माना

श्रद्धालुओं और पर्वतारोहियों द्वारा फैलाए जा रहे प्लास्टिक कचरे पर हाई कोर्ट नाराज

भारतेंदु सवांददाता, नैनीताल। उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों, बुग्यालों और ग्लेशियरों में बढ़ते प्लास्टिक कचरे से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान को लेकर नैनीताल हाई कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। हाई कोर्ट ने सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल और उसके कारण प्राकृतिक क्षेत्रों को हो रहे नुकसान पर सुनवाई करते हुए कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर जुर्माना लगाने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए।

यह मामला एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें प्रदेश के संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में श्रद्धालुओं, पर्यटकों और पर्वतारोहियों द्वारा ले जाए जा रहे प्लास्टिक सामान से होने वाले प्रदूषण का मुद्दा उठाया गया था। याचिका में कहा गया कि धार्मिक यात्राओं और पर्यटन गतिविधियों के दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हिमालयी क्षेत्रों में जमा हो रहा है, जिससे प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अपनी मांगों पर लिखित मुख्य सचिव के समक्ष प्रत्यावेदन देने को कहा है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को भी इन मांगों पर विचार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इस जनहित याचिका को इससे जुड़े अन्य मामलों के साथ सुनवाई के लिए जोड़ दिया गया है।

> इस समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने जरूरी हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्र केवल पर्यटन और धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं हैं, बल्कि यह प्रदेश और देश की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर भी हैं। -नैनीताल हाई कोर्ट

हिमालयी क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। बुग्याल, ग्लेशियर और ऊंचाई वाले धार्मिक स्थल न केवल प्राकृतिक धरोहर हैं, बल्कि लाखों लोगों की आस्था और पर्यटन का केंद्र भी हैं। ऐसे क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का बढ़ना वन्यजीवों, जल स्रोतों और स्थानीय पारिस्थितिकी के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का निस्तारण आसान नहीं होता, जिससे लंबे समय तक इसका प्रभाव बना रहता है। ऐसे में यात्रियों और पर्यटकों की जिम्मेदारी के साथ यात्रा करने और प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने की जरूरत है। हाई कोर्ट के इस रुख के बाद उम्मीद है कि उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रशासन की ओर से ठोस कदम उठाए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए, जागरूकता, निगरानी और सख्त नियमों का पालन जरूरी बताया जा रहा है।

हाईकोर्ट सख्त

नैनीताल हाई कोर्ट के इस रुख को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि प्राकृतिक संसाधनों और हिमालयी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। अब मुख्य सचिव स्तर पर होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजर रहेगी, जिससे यह तय होगा कि उत्तराखंड के संवेदनशील क्षेत्रों को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने के लिए कौन-से ठोस उपाय लागू किए जाते हैं। यात्रियों को प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करने और अपने साथ लाए गए कचरे को उचित स्थान पर निस्तारित करने की आदत अपनानी होगी।

प्रमोद नौटियाल की जमानत याचिका हुई खारिज

भारतेंदु सवांददाता, गोपेश्वर (चमोली)। बदरीनाथ धाम में चढ़ावा हेराफेरी मामले में मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को जिला एवं सत्र न्यायालय से राहत नहीं मिली है। अदालत ने शनिवार को उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही आरोपी की पुलिस कस्टडी रिमांड की मांग को भी न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया। मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत अब 6 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। पुलिस और एसआईटी इस प्रकरण की जांच कर रही हैं। जांच एजेंसियां आरोपियों से जुड़े वित्तीय लेन-देन, संपत्तियों और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं। बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई थी। एसआईटी मामले से जुड़े सभी दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। अदालत के फैसले के बाद मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वहीं, जांच एजेंसियां मामले में आगे की कार्रवाई के लिए जुटी हुई हैं।

गर्म होगा उत्तराखंड, कम होगा जल भंडार

आईआईटी रुड़की की चेतावनी: उत्तराखंड में गहराएगा जल संकट, बढ़ेगा तापमान

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले की कोसी नदी बेसिन के लिए चिंताजनक संकेत सामने आए हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की और जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के शोधकर्ताओं के संयुक्त अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि आने वाले वर्षों में क्षेत्र में जल संकट की स्थिति गंभीर हो सकती है। बढ़ते तापमान, भूजल पुनर्भरण में कमी और सूखे की बढ़ती घटनाएं हिमालयी क्षेत्र की जल सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं।

शोध के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव कृषि, पेयजल आपूर्ति और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ सकता है। कुमाऊं क्षेत्र में रहने वाली बड़ी आबादी प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर है। ऐसे में जल स्रोतों में कमी आने से लोगों की दैनिक जरूरतों और खेती-किसानी पर सीधा असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

आईआईटी रुड़की के डॉ. बी. दास और डॉ. एस. सेन तथा जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के डॉ. संदीपन मुखर्जी ने संयुक्त रूप से यह अध्ययन किया है। शोधकर्ताओं ने पांच प्रमुख वैश्विक जलवायु मॉडल के पूर्वानुमानों को मृदा एवं जल मूल्यांकन उपकरण मॉडल के साथ जोड़कर भविष्य की जलवायु परिस्थितियों और कोसी नदी बेसिन के जल व्यवहार का अध्ययन किया।

अध्ययन में संकेत मिले हैं कि तापमान में वृद्धि के कारण क्षेत्र में वाष्पीकरण बढ़ सकता है, जिससे जल उपलब्धता पर दबाव बढ़ेगा। साथ ही बारिश के पैटर्न में बदलाव और लंबे समय तक सूखे की स्थिति जल संकट को और गहरा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और टिकाऊ जल प्रबंधन की दिशा में कदम उठाना जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होगी जल सुरक्षा

शोध के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव कृषि, पेयजल आपूर्ति और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ सकता है। कुमाऊं क्षेत्र में रहने वाली बड़ी आबादी प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर है। ऐसे में जल स्रोतों में कमी आने से लोगों की दैनिक जरूरतों और खेती-किसानी पर सीधा असर पड़ने की आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और टिकाऊ जल प्रबंधन की दिशा में कदम उठाना जरूरी है।

यूटीयू पेपर लीक मामला : गणेश गोदियाल के नेतृत्व में सड़कों पर उतरी प्रदेश कांग्रेस

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के सेमेस्टर परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को देहरादून में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के झाझरा परिसर के मुख्य द्वार पर पहुंचकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मामले की निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा इंतजाम किए थे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रहे प्रश्नपत्र लीक के मामलों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं के साथ-साथ शैक्षणिक परीक्षाओं में भी ऐसी घटनाएं होना शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

लखपति दीदी योजना से पौड़ी की 33 हजार से अधिक महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

भारतेंदु सवांददाता, पौड़ी गढ़वाल। पहाड़ की महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में लखपति दीदी योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। जिले में अब तक 33 हजार 7 सौ से अधिक महिलाएं इस योजना से जुड़कर स्वरोजगार अपना चुकी हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं बेकरी, डेयरी, कैफे, किराना, बकरी पालन, कुक्कुट पालन और कृषि जैसे कार्यों से अच्छी आय अर्जित कर रही हैं।

दुग्ध व्यवसाय से जुड़ी आरती रावत की सफलता इस योजना की सबसे बड़ी मिसाल बनकर सामने आई है। उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से 'लखपति दीदी' के रूप में सम्मानित किया।

देव सुमन बलिदान दिवस पर पर्यावरण जागरूकता और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। श्री देव सुमन के बलिदान दिवस के अवसर पर संरक्षण सामाजिक कल्याण समिति द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज नालापानी में पर्यावरण जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की अध्यक्ष लक्ष्मी मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को कचरा प्रबंधन, सूखा-गीला और हानिकारक कचरे के सही निस्तारण तथा (3,आर) के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने स्वच्छ पर्यावरण के लाभ और गंदगी से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह से आईटी सचिव नितेश झा की मुलाकात, डिजिटल गवर्नेंस पर हुई चर्चा

राज्यपाल ने डिजिटल सेवाओं को और सुलभ बनाने पर की चर्चा

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह से लोक भवन में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव नितेश कुमार झा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में डिजिटल नवाचार, प्रशासनिक कार्यों में तकनीक के उपयोग और नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सरल बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी प्रशासन को अधिक पारदर्शी, तेज और जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल से सरकारी सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक आसानी से पहुंचाई जा सकती है और इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भी सुधार आता है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के विस्तार से नागरिकों को समय पर और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। राज्यपाल ने प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने, नए तकनीकी प्रयोगों को बढ़ावा देने और कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक को अपनाने पर विशेष बल दिया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल सरकारी कामकाज को आसान बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आम जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी महत्वपूर्ण साधन है।

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल ने वीर बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य, अदम्य साहस और अटूट राष्ट्रनिष्ठा का स्वर्णिम अध्याय है। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि कारगिल युद्ध ने विश्व के सामने भारतीय सेना की वीरता, रणनीतिक क्षमता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सैनिकों ने असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए मातृभूमि की रक्षा की और दुश्मन के मंसूबों को विफल किया। यह विजय भारतीय सैनिकों के पराक्रम और राष्ट्र के सामूहिक संकल्प की ऐतिहासिक मिसाल है।

देहरादून मिलिट्री हॉस्पिटल में 'धरित्री' मेडिकल कैंप शुरू

महिलाओं के लिए ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग समेत कई सुविधाएं उपलब्ध

अस्पताल निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। 27वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर देहरादून के मिलिट्री हॉस्पिटल में 3 दिन का मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप आज शुरू हुआ। इस कैंप का औपचारिक उद्घाटन आज लेफ्टिनेंट जनरल ए. के. सिंह (रिटायर्ड), पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम ने किया। इस मौके पर मेजर जनरल एम.पी.एस. गिल, वीएसएम, जीओसी उत्तराखंड सब एरिया, ब्रिगेडियर प्रफुल्ल मोहन, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल, देहरादून, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर, पूर्व सैनिक और खास मेहमान भी मौजूद थे।

'धरित्री' नाम से एक खास पहल - 'नारीत्व का जश्न - आज जांच कराएं, कल मुस्कुराएं' - डॉ. सूरज प्रकाश जीवन दास मेमोरियल सोसाइटी और वेलमेड हॉस्पिटल के सहयोग से चलाई जा रही है। महिलाओं पर केंद्रित इस व्यापक मेटाबोलिक और कैंसर स्क्रीनिंग कैंप में मेटाबोलिक विकारों की जांच के लिए ब्लड टेस्ट और एंथ्रोपोमेट्रिक जांच शामिल है। ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग स्मीयर, सोनो मैमोग्राफी और ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए मैमोग्राफी के लिए मोबाइल यूनिट के जरिए की जा रही है।

मुख्य अतिथि ने प्रयासों को सराहा

वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने इस पहल की सराहना की और हेल्थ स्क्रीनिंग, शुरुआती दौर में बीमारी का पता लगाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समुदाय के करीब, एक ही जगह पर बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए, उत्तराखंड सब एरिया और मिलिट्री हॉस्पिटल, देहरादून के प्रयासों की भी तारीफ की।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उत्तराखंड में जश्न, बारिश में भी सड़कों पर उतरे युवा

भारतेंदु सवांददाता, अल्मोड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उत्तराखंड के कई हिस्सों में छात्रों और युवाओं ने जश्न मनाया। अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट में विद्यार्थियों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर खुशी जाहिर की। इस दौरान बारिश भी युवाओं के उत्साह को कम नहीं कर पाई और उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपना समर्थन जताया।

बताया जा रहा है कि यह प्रदर्शन पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में किया गया था। छात्रों और युवाओं का कहना है कि लंबे समय से वे पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर आवाज उठा रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को उन्होंने अपने आंदोलन की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा।

शनिवार को द्वाराहाट में बड़ी संख्या में छात्र और एनएसयूआई कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के दौरान युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने बारिश के बीच भी सड़कों पर जश्न जारी रखा।

युवाओं का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में होने वाली अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाया जाए, ताकि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उचित अवसर मिल सके।

देहरादून : हाथियों के बाद अब गुलदार का आतंक, दहशत में शेरगढ़ के ग्रामीण

ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने की मांग की

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। देहरादून के डोईवाला क्षेत्र के शेरगढ़ गांव में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में डर का माहौल है। पहले जंगली हाथियों के आतंक से परेशान ग्रामीणों की मुश्किलें अब गुलदार की वजह से बढ़ गई हैं। पिछले कुछ दिनों से गुलदार लगातार आबादी वाले इलाकों में दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है।

हाल ही में गुलदार रात के समय गांव में पहुंच गया और एक घर के अंदर घुसकर कुत्ते को उठाकर ले गया। यह घटना सुखविंदर सिंह फौजी के घर की बताई जा रही है। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि गुलदार इससे पहले भी कई बार गांव और आसपास के क्षेत्रों में दिखाई दे चुका है।

ग्रामीणों ने बताया कि शाम होते ही लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवारों में चिंता बनी हुई है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले ही जंगली हाथियों के कारण किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा था और अब गुलदार की मौजूदगी ने नई परेशानी खड़ी कर दी है। शेरगढ़ गांव के ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उप प्रधान गुरजीत कौर ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाया जाए, नियमित गश्त बढ़ाई जाए और गुलदार को जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए।

मानसून की पहली परीक्षा में फेल हुआ नवनिर्मित दून-पांवटा फोरलेन

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। देहरादून को हिमाचल प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक और धार्मिक स्थल पांवटा साहिब से जोड़ने वाला नवनिर्मित बल्लूपुर-दून-पांवटा फोरलेन मार्ग पहली ही मानसूनी बारिश में सवालों के घेरे में आ गया है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई इस सड़क पर जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि जिस सड़क से बेहतर यातायात व्यवस्था और सुरक्षित सफर की उम्मीद थी, वह शुरुआती बरसात में ही कमजोर नजर आने लगी है। स्थिति यह है कि बारिश के मौसम के दौरान ही सड़क पर पैचवर्क का काम शुरू करना पड़ रहा है।

पहली बरसात नहीं झेल पाया बल्लूपुर-दून-पांवटा फोरलेन

नई सड़क पर इस तरह की मरम्मत ने निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली और गुणवत्ता नियंत्रण पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई होगी, तभी पहली बारिश में ही इसकी सतह खराब होने लगी है। फोरलेन पर बने कई कट भी वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। लोगों का कहना है कि इन स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। तेज रफ्तार वाहनों और अचानक आने वाले कटों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी सड़क की गुणवत्ता की जांच कराए और खराब हिस्सों की स्थायी मरम्मत सुनिश्चित करे। उनका कहना है कि केवल पैचवर्क करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि निर्माण में हुई कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना जरूरी है।

48 साल का सफर पूरा, यूकेडी ने विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में भरा जोश

भारतेंदु सवांददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के महानायक स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी सहित राज्य निर्माण आंदोलन के सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान नेताओं ने शहीदों के योगदान को याद करते हुए उनके सपनों के उत्तराखंड के निर्माण के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूकेडी के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल राज्य आंदोलन की मूल भावना और जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव राज्य के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी जिम्मेदारी और एकजुटता के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए यूकेडी चुनाव मैदान में पूरी तैयारी और मजबूती के साथ उतरेगा। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता लताफत हुसैन ने भी राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके संघर्ष और बलिदान से ही उत्तराखंड राज्य का निर्माण संभव हुआ।

कांवड़ मेला | हरिद्वार में कांवड़ मेले की तैयारियां तेज, गंगा घाटों को चमकाने के लिए स्क्रबर और ऑटोमैटिक सफाई मशीनों का होगा इस्तेमाल

कांवड़ मेले में चकाचक रहेंगे हरिद्वार के गंगा घाट, आधुनिक मशीनों से होगी सफाई

घाटों की सफाई के लिए नगर निगम ने शुरू की नई पहल

महापौर किरण जैसल।

भारतेंदु सवांददाता, हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और गंगा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर निगम ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार गंगा घाटों की सफाई व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से मजबूत किया जाएगा। घाटों की सफाई के लिए स्क्रबर और स्वचालित सफाई मशीनों का उपयोग किया जाएगा, जिससे कम समय में बेहतर सफाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

कोटक बैंक के सहयोग से उपलब्ध कराई गई इन आधुनिक मशीनों का मुख्य उद्देश्य हरिद्वार के प्रमुख घाटों और आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों पर भीड़ बढ़ने के साथ-साथ गंदगी की समस्या भी सामने आती है। इस चुनौती से निपटने के लिए नगर निगम ने इस बार सफाई व्यवस्था में आधुनिक उपकरणों को शामिल किया है।

कब क्या होगा

प्रशासन का कहना है कि स्वच्छता केवल मेले के समय तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि गंगा घाटों की साफ-सफाई को नियमित रूप से जारी रखा जाएगा। आधुनिक मशीनों के आने से सफाई व्यवस्था को लंबे समय तक बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी। हरिद्वार में आयोजित होने वाला कांवड़ मेला धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। लाखों शिवभक्त गंगा जल लेने के लिए यहां पहुंचते हैं।

महापौर किरण जैसल ने किया अभियान का शुभारंभ

इस विशेष अभियान का शुभारंभ हरिद्वार की महापौर किरण जैसल ने किया। उन्होंने कहा कि हरिद्वार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और गंगा घाटों की स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कांवड़ मेले और आने वाले बड़े धार्मिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की ओर से लगातार तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए घाटों को साफ और सुंदर बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

सफाई कार्य में आएगी तेजी

नगर-निगम अधिकारियों के अनुसार, आधुनिक मशीनों के इस्तेमाल से सफाई कार्य में तेजी आएगी और कर्मचारियों को भी सुविधा मिलेगी। जहां पहले बड़े क्षेत्रों की सफाई में अधिक समय लगता था, वहीं अब इन मशीनों की मदद से कम समय में अधिक क्षेत्र को साफ किया जा सकेगा। इससे घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी। कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में हर की पैड़ी समेत अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में चंडीगढ़ के छात्रों ने बुलंद की लोकतांत्रिक आवाज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध की गूंज अब चंडीगढ़ तक पहुंच गई है। शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन सेक्टर-17 प्लाजा में ट्राईसिटी के विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ-साथ कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की और लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया।

प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी मांगों और समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार है। ऐसे में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बल प्रयोग किया जाना उचित नहीं है। छात्रों का कहना था कि असहमति की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए।

एक छात्र प्रतिनिधि ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई होगी तो इससे युवाओं में गलत संदेश जाएगा। उन्होंने मांग की कि जंतर-मंतर पर हुई घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि देशभर के लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के साथ परीक्षा की तैयारी की थी, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं ने उनकी मेहनत और भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पंजाब में 'नशे के खिलाफ युद्ध' की नायिका बनीं महिलाएं

नशे के खिलाफ अभियान में महिलाएं बनीं मजबूत स्तंभ, परिवारों को उपचार और बेहतर जीवन की ओर बढ़ने के लिए कर रहीं प्रेरित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार के 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' अभियान के तहत नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में महिलाएं अब बदलाव की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आ रही हैं। माताएं, पत्नियां, बहनें और परिवार की अन्य महिलाएं अपने प्रियजनों को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने, उपचार के लिए प्रेरित करने और सामान्य जीवन में लौटाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

मोगा में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में नशे के खिलाफ महिलाओं के संघर्ष और योगदान की कई प्रेरणादायक कहानियां सामने आईं। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। इसके कारण आर्थिक संकट, मानसिक तनाव और घरेलू परेशानियां बढ़ती हैं, जिसका सबसे अधिक असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है।

अब पंजाब में कई परिवार नशे को अपराध नहीं बल्कि एक बीमारी के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। परिवार अपने सदस्यों को इलाज के लिए नशा मुक्ति केंद्रों तक पहुंचा रहे हैं और उनके स्वस्थ होने की प्रक्रिया में लगातार सहयोग कर रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में महिलाएं प्रेरक, मार्गदर्शक और देखभाल करने वाली भूमिका निभा रही हैं।

जलालाबाद स्थित एसएफसी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम 'मादक पदार्थों का दुष्प्रभाव—महिलाओं पर पड़ने वाले बोझ को समझना' विषय पर चर्चा हुई। इसमें नशे से उबर चुके लोगों और उनके परिवारों की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके धैर्य, साहस और प्रयासों से परिवार के सदस्य नशे की अंधेरी दुनिया से बाहर निकलकर सम्मानजनक जीवन जीने लगे।

लुधियाना निवासी रागिनी कौर ने बताया कि उनके पति शादी से पहले ही नशे के आदी थे, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें शादी के बाद हुई। परिवार ने एक समय उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में इलाज से उनके पति पूरी तरह स्वस्थ हो गए। इसके बाद उन्होंने अपने मामा के बेटे को भी इलाज के लिए केंद्र भेजा, जो सफलतापूर्वक नशे से बाहर आ गया।

मोगा के गांव बुट्टर कलां निवासी बलविंदर कौर ने भी अपने पति की नशे से मुक्ति की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि नशे ने उनके परिवार को मानसिक और आर्थिक रूप से काफी नुकसान पहुंचाया था। काउंसलिंग के बाद उन्हें समझ आया कि नशा मुक्ति की प्रक्रिया में पूरे परिवार की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने पति को नशा मुक्ति केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार के बाद वह पूरी तरह नशामुक्त हो गए। इसके बाद पड़ोस के एक युवक को भी इलाज के लिए प्रेरित किया गया।

सरकार ने नशा मुक्ति अभियान में पारिवारिक काउंसलिंग को महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है। सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में मरीजों के उपचार के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को भी जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे मरीज को भावनात्मक सहयोग दे सकें।

लुधियाना के जिला नोडल मनोचिकित्सक डॉ. अरविंद गोयल ने कहा कि नशे से मुक्ति तभी अधिक प्रभावी होती है, जब उपचार के साथ परिवार का सहयोग मिले। परिवार मरीज को मानसिक मजबूती देता है और उसे दोबारा नशे की ओर जाने से रोकने में मदद करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि हर सफल नशा मुक्ति के पीछे परिवार, समाज और संवेदनशील सरकारी व्यवस्था की भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वस्थ और नशामुक्त पंजाब के निर्माण में बदलाव की मशालवाहक बन रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

छत के रास्ते घुसे चोर, 11 लाख लेकर फरार

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। फेज-9 स्थित गोल्डन प्लाईवुड हार्डवेयर शोरूम में शुक्रवार तड़के चोरों ने सुनियोजित ढंग से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश छत के रास्ते दुकान में घुसे और गल्ले में रखे करीब 11 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। वारदात से पहले उन्होंने बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की दिशा बदल दी ताकि उनकी पहचान न हो सके। सुबह करीब साढ़े नौ बजे शोरूम संचालक हरविंदर सिंह दुकान पहुंचे तो गल्ला टूटा मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपितों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

मोहाली में बनेंगे 40 डॉग फीडिंग प्वाइंट

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। नगर निगम मोहाली ने शहर में आवारा कुत्तों के लिए 40 डॉग फीडिंग प्वाइंट विकसित करने की योजना शुरू की है। चंडीगढ़ मॉडल पर आधारित इस पहल का उद्देश्य आवारा कुत्तों से जुड़ी शिकायतों को कम करना, डॉग फीडर्स और स्थानीय लोगों के बीच विवाद सुलझाना तथा पशु कल्याण सुनिश्चित करना है। निगम ने सर्वे के आधार पर विभिन्न सेक्टरों और फेजों में स्थान चिह्नित किए हैं। चिकित्सा अधिकारी संजीव कंबोज के अनुसार, अंतिम सूची जारी करने से पहले आरडब्ल्यूए, डॉग फीडर्स और आम नागरिकों से सुझाव व आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी, ताकि सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात संबंधी सभी पहलुओं का ध्यान रखा जा सके।

मोहाली के नए क्षेत्रों में आधुनिक सफाई व्यवस्था शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। नगर निगम ने शहर के विस्तारित क्षेत्रों में आधुनिक सफाई व्यवस्था लागू करने के लिए 33.86 करोड़ रुपये की योजना तैयार कर टेंडर जारी किए हैं। इसके तहत नए सेक्टरों और कॉलोनियों में घर-घर कूड़ा संग्रहण, परिवहन और वैज्ञानिक निस्तारण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। योजना में एक वर्ष के लिए 15.30 करोड़ रुपये ठोस कचरा प्रबंधन और दो वर्षों के लिए 18.55 करोड़ रुपये मैकेनिकल रोड स्वीपिंग पर खर्च होंगे। इससे सड़कों की नियमित मशीनों से सफाई, धूल प्रदूषण में कमी और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित होगा। निगम का लक्ष्य सभी नए क्षेत्रों को भी पुराने शहर जैसी सफाई सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

जीरकपुर में निवेश ठगी गिरोह का पर्दाफाश

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। जीरकपुर पुलिस ने रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने फर्जी कंपनी 'एमी गोज' चलाने वाले दो आरोपियों कुलबीर सिंह और बलविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फर्जी सॉफ्टवेयर के जरिए निवेशकों को बढ़ता मुनाफा दिखाकर विश्वास जीता। पुलिस रिमांड में ठगी की रकम और अन्य सहयोगियों की जांच जारी है।

मोहाली में फिल्मी अंदाज में बाइक चोरी की वारदात

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली के बलौंगी थाना क्षेत्र में चोर ने फिल्मी अंदाज में करीब तीन लाख रुपये की यामाहा एमटी-15 बाइक चोरी कर ली। आरोपी साइकिल से पहुंचा और किरायेदार के कमरे से बाइक की चाबी लेकर फरार हो गया। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें आरोपी का चेहरा साफ दिख रहा है। पुलिस फुटेज के आधार पर पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

ग्राहक बनकर गिफ्ट शॉप में चोरी, दंपती गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-35 स्थित गिफ्ट शॉप में ग्राहक बनकर 24 हजार रुपये और सामान चोरी करने वाले दंपती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोहाली निवासी हरप्रीत और तमन्ना ने बच्चे के साथ दुकान में पहुंचकर कर्मचारी को व्यस्त किया और कैश ड्रॉअर से नकदी व सामान चुरा लिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दोनों को पकड़ा। उनसे अन्य चोरी की वारदातों को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आर्थिक तंगी के कारण दंपती ने चोरी का रास्ता अपनाया। पुलिस अब चोरी किए गए सामान की बरामदगी और अन्य मामलों की जांच कर रही है।

30 हजार रुपए रिश्वत लेते प्रसार भारती का एक्सईएन सीबीआई के हाथों गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रसार भारती में तैनात एक्जीक्यूटिव इंजीनियर (एक्सईएन) राय सिंह को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अधिकारी एक ठेकेदार का लंबित बिल जारी करने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत की रकम लेते समय गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार, एक ठेकेदार ने सीबीआई से शिकायत की थी कि उसने प्रसार भारती के लिए निर्धारित कार्य पूरा कर दिया था, लेकिन उसका भुगतान लंबे समय से लंबित था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि संबंधित एक्सईएन बिल पास करने और भुगतान जारी करने के बदले 30 हजार रुपये की अवैध रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने पहले आरोपों का सत्यापन किया। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ट्रैप की योजना बनाई गई। सीबीआई अधिकारियों ने शिकायतकर्ता के सहयोग से पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। तय योजना के अनुसार जैसे ही आरोपी अधिकारी ने रिश्वत की राशि स्वीकार की, मौके पर मौजूद सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली गई। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मामले में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की भी भूमिका है या नहीं।

सीबीआई अब आरोपी के कार्यालय और उससे जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इसी प्रकार अन्य मामलों में भी अवैध वसूली तो नहीं की गई। अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

गिरफ्तार आरोपी को शनिवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी आगे की पूछताछ के लिए रिमांड की मांग कर सकती है। गौरतलब है कि चंडीगढ़ में महज दो दिनों के भीतर रिश्वतखोरी के खिलाफ सीबीआई की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है।

चुनाव में मनीष तिवारी के अनुभव का कांग्रेस को मिलेगा लाभ : बाजवा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर चल रही अंदरूनी चर्चाओं के बीच नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी के पक्ष में खुलकर बयान दिया है। बाजवा ने कहा कि मनीष तिवारी अनुभवी नेता हैं और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का पूरा लाभ उठाना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पार्टी हाईकमान प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न गुटों के बीच एकता स्थापित करने की कोशिशों में जुटा हुआ है।

प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मनीष तिवारी ने पंजाब का प्रतिनिधित्व सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में किया है। राज्य की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों की उन्हें गहरी समझ है। ऐसे नेताओं के अनुभव का उपयोग चुनावी रणनीति बनाने और संगठन को मजबूत करने में होना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि तिवारी की भावनाओं और सुझावों को पार्टी हाईकमान तक पहुंचाया जाएगा।

राजनीतिक हलकों में बाजवा के इस बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अब तक पंजाब कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से मनीष तिवारी की नाराजगी के समर्थन में सामने नहीं आया था। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का समर्थन करने वाले वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इस मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संगठन से जुड़े सभी निर्णय हाईकमान के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और वही अंतिम फैसला करेगा।

पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी इस विवाद पर खुलकर बोलने से बच रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के भीतर यह चर्चा जरूर है कि मनीष तिवारी भविष्य में पंजाब की सक्रिय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि लुधियाना सहित राज्य की राजनीति में उनकी रुचि लगातार बनी हुई है और वह पहले भी वहां से सांसद रह चुके हैं।

ईरान में फंसे तीन भारतीय अधिकारियों की रिहाई याचिका पर 27 जुलाई को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

विदेश मंत्रालय और डीजी शिपिंग को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देने की मांग, तीन अधिकारी अब भी ईरान में

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

ईरान में कथित ईंधन तस्करी के मामले में सजा भुगत रहे जहाज एमटी ग्लोबल चेरीलिन के तीन भारतीय अधिकारियों की रिहाई और भारत वापसी को लेकर दायर याचिका पर 27 जुलाई को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई होगी। इस मामले ने एक बार फिर विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनकी शीघ्र वापसी को लेकर सरकार की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया है।

याचिका में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (एमईए) और महानिदेशालय शिपिंग (डीजी शिपिंग) को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे तीनों अधिकारियों की सुरक्षित और जल्द भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और समयबद्ध कार्रवाई करें। याचिकाकर्ता का कहना है कि लंबे समय से प्रक्रिया अधूरी होने के कारण तीनों अधिकारियों को गंभीर मानसिक, कानूनी और मानवीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

यह मामला जहाज एमटी ग्लोबल चेरीलिन के कैप्टन अशोक कुमार, चीफ ऑफिसर विकास मलिक और सेकेंड ऑफिसर अरविंद कुमार बिंद से संबंधित है। ईरान की एक अदालत ने इन तीनों अधिकारियों को कथित ईंधन तस्करी के आरोप में दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, बाद में एक स्वतंत्र समुद्री विशेषज्ञ द्वारा की गई जांच में यह निष्कर्ष सामने आया कि संबंधित पोत कथित घटना के दौरान ईरान की समुद्री सीमा में प्रवेश ही नहीं किया था। इस निष्कर्ष के बाद मामले को लेकर कई सवाल खड़े हुए और भारतीय अधिकारियों की रिहाई की मांग तेज हो गई।

जानकारी के अनुसार, जहाज पर कुल 21 सदस्यीय चालक दल मौजूद था। भारत सरकार द्वारा किए गए राजनयिक प्रयासों के परिणामस्वरूप चालक दल के 18 सदस्यों को पहले ही रिहा कर भारत वापस लाया जा चुका है। हालांकि, जहाज के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को अब तक पूरी तरह राहत नहीं मिल सकी है। उन्हें नवंबर 2025 में सशर्त पैरोल पर रिहा किया गया था, लेकिन इसके बावजूद उनकी भारत वापसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है।

याचिका में कहा गया है कि भारत और ईरान के बीच लागू द्विपक्षीय कैदी हस्तांतरण समझौते के तहत इन अधिकारियों को भारत लाने की प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ी है। इस देरी के कारण तीनों अधिकारी अब भी कानूनी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

याचिकाकर्ता ने अदालत को यह भी बताया है कि ईरानी अधिकारी अब बकाया जुर्माने की राशि को अतिरिक्त कारावास में बदलने की प्रक्रिया पर विचार कर रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो तीनों अधिकारियों को निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ सकता है। इसे देखते हुए अदालत से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है।

फिल्मों में रोल का झांसा देकर मोहाली की युवती की राजस्थान में की तस्करी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली की एक युवती को फिल्मों में काम दिलाने का झांसा देकर राजस्थान ले जाने और वहां कथित तौर पर बेचने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद फेज-8 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पंजाब राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मोहाली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पुलिस युवती की तलाश के साथ-साथ पूरे गिरोह के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

महिला आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान
पुलिस से मांगी विस्तृत जांच की जल्द रिपोर्ट

सामाजिक कार्यकर्ता बलविंदर सिंह कुंभड़ा के अनुसार, पीड़ित युवती के राजस्थान में होने की आशंका है। आरोप है कि कुछ लोगों ने उसे फिल्मों में काम दिलाने का भरोसा देकर अपने साथ ले गए और बाद में उसका सौदा कर दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब उसी गिरोह के चंगुल से निकलकर एक अन्य युवती मोहाली पहुंची। उसने पीड़ित परिवार से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी।

शिकायत के अनुसार, गिरोह ने वापस लौटी युवती को छोड़ने के बदले उसके परिवार से डेढ़ लाख रुपये की मांग की। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने खेत और गहने गिरवी रखकर रकम जुटाई तथा आरोपितों द्वारा बताए गए बैंक खाते में ऑनलाइन स्थानांतरित कर दी।

15 अगस्त बाद राहुल की बस यात्रा से पंजाब में कांग्रेस दिखाएगी चुनावी ताकत

दिल्ली में लगातार बैठकों के बीच संगठन मजबूत करने, बस यात्रा और विधानसभा वार रणनीति पर मंथन जारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संगठन को मजबूत करने और चुनावी अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दिल्ली में लगातार बैठकों का दौर जारी है। इन बैठकों में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठनात्मक ढांचे, संभावित उम्मीदवारों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। पार्टी का लक्ष्य समय रहते संगठन को सक्रिय कर विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत माहौल तैयार करना है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस 15 अगस्त के बाद पंजाब में अपने चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए प्रदेश स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संसद का मौजूदा सत्र समाप्त होते ही पार्टी के वरिष्ठ नेता पंजाब का दौरा शुरू करेंगे और विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। अभियान की शुरुआत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में किए जाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है।

पार्टी की रणनीति के तहत पंजाब के प्रमुख शहरों और विधानसभा क्षेत्रों में बड़ी जनसभाएं, संगठनात्मक बैठकें और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पूरे राज्य में कांग्रेस की बस यात्रा निकालने की भी तैयारी है, जिसमें पार्टी के सभी प्रमुख नेता एक साथ शामिल होंगे। इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस सीधे जनता के बीच पहुंचकर अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को सामने रखेगी।

चुनावी अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कांग्रेस ने विस्तृत रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संगठन को सक्रिय करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने और युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों तथा अन्य वर्गों तक पहुंच बनाने की रणनीति बनाई जा रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि समय रहते चुनावी अभियान शुरू करने से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और संगठन को मजबूती मिलेगी।

दिल्ली में आयोजित बैठकों में प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, विपक्षी दलों की रणनीति और चुनाव के प्रमुख मुद्दों पर भी विस्तार से मंथन किया जा रहा है। हाल ही में भूपेश बघेल और केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण बैठकें हो चुकी हैं, जिनमें पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लेकर अपने सुझाव दिए।

कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां कीं तेज

इसके साथ ही कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि चुनावी सफलता के लिए जमीनी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। इसी उद्देश्य से जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित कर कार्यकर्ताओं को चुनावी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। पार्टी विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों, व्यापारियों और कर्मचारियों के बीच संपर्क अभियान भी तेज करेगी। इसके अलावा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी कांग्रेस अपनी मौजूदगी मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है, ताकि युवाओं तक पार्टी की नीतियां और कार्यक्रम प्रभावी ढंग से पहुंच सकें। सूत्रों के अनुसार आगामी दिनों में वरिष्ठ नेताओं के पंजाब दौरे का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी किया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक संसदीय क्षेत्र और विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग बैठकें कर स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। पार्टी स्थानीय नेताओं से क्षेत्रवार रिपोर्ट लेकर उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को भी गति दे सकती है।

फ्लैट कब्जे में देरी पर बिल्डर दोषी खरीदार को मुआवजा देने का आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

न्यू चंडीगढ़ स्थित द एड्रेस हाउसिंग परियोजना में निर्धारित समय पर फ्लैट का कब्जा न देने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (उपभोक्ता फोरम) ने खरीदार के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने परियोजना विकसित करने वाली एड्रेस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए शिकायतकर्ता को 3 लाख रुपये मुआवजा देने और जमा राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अदा करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कंपनी को अनुबंध के अनुसार सभी औपचारिकताएं पूरी कर फ्लैट का कब्जा सौंपने का निर्देश भी दिया गया है।

शिकायतकर्ता अरविंदर अरोड़ा, जो न्यू चंडीगढ़ के निवासी हैं, ने वर्ष 2022 में परियोजना में तीन बेडरूम वाला फ्लैट बुक कराया था। बिक्री समझौते के अनुसार मार्च 2023 तक निर्माण कार्य पूरा कर फ्लैट का कब्जा दिया जाना था। फ्लैट की कुल कीमत 40.40 लाख रुपये तय की गई थी, जिसमें से शिकायतकर्ता ने 32 लाख रुपये का भुगतान पहले ही कर दिया था। इसके बावजूद तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी फ्लैट तैयार नहीं हुआ और कब्जा नहीं दिया गया।

फोरम में दायर शिकायत में अरविंदर अरोड़ा ने बताया कि बिल्डर बार-बार कब्जा देने का आश्वासन देता रहा, लेकिन हर बार नई समय सीमा बताकर मामले को टालता रहा। निर्माण में लगातार हो रही देरी के कारण उन्हें कई महीनों तक अपने खर्च पर वैकल्पिक आवास में रहना पड़ा। बाद में कंपनी ने अस्थायी आवास उपलब्ध तो कराया, लेकिन बिजली, रखरखाव और अन्य आवश्यक खर्चों का भुगतान नहीं किया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी ने अनुबंध में तय शर्तों से अधिक बकाया राशि की मांग कर अनुचित दबाव बनाने का प्रयास किया। दूसरी ओर बिल्डर कंपनी ने आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि खरीदार ने निर्धारित भुगतान समय पर पूरा नहीं किया था, जिसके कारण फ्लैट का आवंटन रद्द किया गया। कंपनी ने यह भी दावा किया कि उसने खरीदार को अपने खर्च पर वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया था और किसी प्रकार की सेवा में कमी नहीं की गई। दोनों पक्षों की दलीलें, बिक्री समझौते की शर्तें और प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के बाद आयोग ने माना कि मार्च 2023 तक फ्लैट का कब्जा देना बिल्डर की स्पष्ट जिम्मेदारी थी, जिसका पालन नहीं किया गया।

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा विवाद में चीमा ने साधा निशाना

हरपाल चीमा ने पेपर लीक मामलों पर भाजपा को घेरा, छात्रों के आंदोलन को बताया बड़ी जीत और बदलाव की शुरुआत

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से पेपर लीक की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के बड़े आंदोलन के कारण धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि परीक्षा के प्रश्नपत्रों की बिक्री और पेपर लीक जैसी घटनाओं ने युवाओं में नाराजगी पैदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्याय हुआ है और उनके भविष्य पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं ने अपनी आवाज बुलंद की और अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर विभिन्न राज्यों की राजधानियों और सरकारी विभागों के कार्यालयों तक जाकर विरोध प्रदर्शन किए। इन आंदोलनों में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और अपनी मांगों को मजबूती से उठाया।

चीमा ने कहा कि भाजपा ने कई दिनों तक छात्रों के आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन देश के युवा एकजुट रहे। उन्होंने दावा किया कि आखिरकार सरकार को छात्रों की मांगों के सामने झुकना पड़ा और धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना पड़ा। उन्होंने इसे छात्रों और देश के भविष्य के लिए बड़ी जीत बताया।

उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत और संघर्ष ने यह साबित कर दिया है कि जब छात्र एकजुट होकर अपनी आवाज उठाते हैं तो बड़ा बदलाव संभव है। उन्होंने केंद्र सरकार पर युवाओं की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता जरूरी है।

वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि वह पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उनका विश्वास रहा है कि मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही मजबूत राष्ट्र की नींव होती है।

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संदेश में कहा कि वह देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और न्यायोचित अपेक्षाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को पूरा करना सभी के राजनीतिक और सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प होना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेवा करने का अवसर मिलने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सुधार और युवाओं के हितों के लिए काम करना उनके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रही है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रक्रिया और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्षी दल इसे छात्रों के संघर्ष की सफलता बता रहे हैं, जबकि सरकार की ओर से शिक्षा क्षेत्र में सुधारों और पारदर्शिता को लेकर किए गए प्रयासों पर चर्चा जारी है। इस मामले को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार और युवाओं के हितों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। वहीं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए तकनीकी उपायों, कड़ी निगरानी और पारदर्शी व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है।

छात्रों की मांगों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर आने वाले दिनों में भी राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी रहने की संभावना है।

लुधियाना में संवेदनशील गवाह केंद्र का हुआ उद्घाटन

महिलाओं और बच्चों को भयमुक्त गवाही की मिलेगी सुविधा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। न्याय व्यवस्था को अधिक मानवीय, सुरक्षित और पीड़ित-केंद्रित बनाने की दिशा में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अमरिंदर सिंह ग्रेवाल ने शुक्रवार को लुधियाना न्यायिक परिसर में अत्याधुनिक 'संवेदनशील गवाह बयान केंद्र' का उद्घाटन किया। यह केंद्र विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और अन्य संवेदनशील गवाहों को सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण में गवाही देने की सुविधा प्रदान करेगा।

समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरप्रीत कौर रंधावा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डेजी बांगर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिमांशु अरोड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवलीन सिंह, न्यायिक अधिकारी, पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा तथा जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन सग्गड़ और सचिव हिमांशु वालिया सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

इस केंद्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि संवेदनशील गवाहों को आरोपी के सामने खड़े

गवाहों को सुरक्षित माहौल में मिलेगी निर्भय गवाही की सुविधा

होकर बयान देने की आवश्यकता नहीं होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाहों के बयान सुरक्षित तरीके से दर्ज किए जाएंगे। इससे गवाहों पर पड़ने वाला मानसिक दबाव कम होगा और वे बिना डर के अदालत के सामने अपनी बात रख सकेंगे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरप्रीत कौर रंधावा और सीजेएम-सह-सचिव हिमांशु अरोड़ा ने बताया कि केंद्र में गवाहों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां अलग प्रवेश और निकास मार्ग, अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए विशेष बाल-अनुकूल कक्ष तैयार किया गया है। इस कक्ष में पढ़ाई और खेल-कूद की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे बच्चे सहज और तनावमुक्त वातावरण में अपनी गवाही दे सकें। इसका उद्देश्य बच्चों और अन्य संवेदनशील गवाहों के मन से अदालत संबंधी भय को कम करना है। इस अवसर पर जस्टिस अमरिंदर सिंह ग्रेवाल ने न्यायिक अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि न्याय केवल होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़ित और गवाह को यह महसूस होना चाहिए कि न्याय व्यवस्था उनकी सुरक्षा, सम्मान और गरिमा के प्रति संवेदनशील है।

एफएसएल देरी पर हाई कोर्ट सख्त एसएसपी को दिए कार्रवाई के निर्देश

डेढ़ साल बाद एफएसएल भेजी केस प्रॉपर्टी, अदालत ने जताई नाराजगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हत्या के प्रयास के एक मामले में फॉरेंसिक जांच में हुई देरी को गंभीर लापरवाही मानते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने पाया कि घटना के डेढ़ वर्ष से अधिक समय बाद केस प्रॉपर्टी को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजा गया, जबकि मुकदमे की सुनवाई अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी। इसके बावजूद एफएसएल जांच पूरी नहीं हो पाई थी।

मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के जस्टिस सूर्य प्रताप सिंह ने लुधियाना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को पूरे मामले की जांच करने और देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

यह मामला लुधियाना जिले के दाखा थाना में दर्ज हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से जुड़ा है। आरोपी शिंदा की ओर से दायर दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह आदेश जारी किया। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार घटना से संबंधित केस प्रॉपर्टी को 16 जून 2026 को एफएसएल भेजा गया, जबकि घटना को हुए डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीत चुका था। अदालत ने कहा कि ट्रायल अंतिम चरण में पहुंचने के बावजूद एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि इस तरह की देरी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अदालत ने निर्देश दिया कि एसएसपी मामले की जांच कर यह पता लगाएं कि देरी के लिए कौन-कौन अधिकारी जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए।अभियोजन पक्ष के अनुसार, 15 नवंबर 2024 की शाम करीब सात बजे शिकायतकर्ता अपनी किराना दुकान पर मौजूद था। आरोप है कि आरोपी वहां पहुंचा और शिकायतकर्ता व उसकी पत्नी के साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपनी कमर से रिवॉल्वर निकालकर दो गोलियां चला दीं।

100 नए क्लीनिकों से बढ़ी पंजाब की स्वास्थ्य सुविधा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से आम आदमी क्लीनिक योजना का विस्तार किया है। आज से प्रदेश के लोगों को 100 नए आम आदमी क्लीनिक की सुविधा मिलने लगेगी। इन नए क्लीनिकों के शुरू होने के बाद राज्य में आम आदमी क्लीनिकों की कुल संख्या बढ़कर 1,090 हो जाएगी। नए क्लीनिकों का उद्घाटन 27 जुलाई तक तीन दिनों के दौरान किया जाएगा। इस मौके पर पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर क्लीनिकों का शुभारंभ करेंगे। इनमें 73 क्लीनिक शहरी क्षेत्रों में और 27 क्लीनिक ग्रामीण इलाकों में खोले जा रहे हैं। आम आदमी क्लीनिकों में लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक क्लीनिक में मरीजों को 107 जरूरी दवाइयां और 47 प्रकार के डायग्नोस्टिक टेस्ट पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं।

पंजाब की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े लाखों लाभार्थी

सरकार ने योजनाओं की सफलता के समर्थन में जारी किए नए आंकड़े

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार की ओर से महिलाओं और आम लोगों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को लेकर अब आंकड़े सामने आने लगे हैं। आम आदमी पार्टी ने इन आंकड़ों के आधार पर दावा किया है कि जिन योजनाओं को लेकर शुरुआत में विपक्ष की ओर से सवाल उठाए गए थे, उन्हें लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में लाभार्थी इनसे जुड़ रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के मीडिया सलाहकार बलतेज पन्नू ने प्रेस वार्ता के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़े आंकड़े साझा किए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं में महिलाओं और परिवारों की बढ़ती भागीदारी मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाती है।

उन्होंने मां-धीयां सत्कार योजना का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष ने शुरुआत में इस योजना को लेकर कई सवाल उठाए थे। विपक्ष का कहना था कि योजना शुरू नहीं हो

मां-धीयां सत्कार योजना में 72 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण

पाएगी और पंजीकरण प्रक्रिया भी सफल नहीं होगी। लेकिन अब तक इस योजना के तहत 72 लाख 56 हजार 686 पंजीकरण हो चुके हैं।

पंजीकरण के मामले में पटियाला जिला सबसे आगे है, जहां 5 लाख 50 हजार 53 महिलाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। अमृतसर में 5 लाख 39 हजार 285 और जालंधर में 5 लाख 9 हजार 707 महिलाओं ने पंजीकरण करवाया है। पन्नू ने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाओं का जुड़ना योजना की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र महिलाओं के खातों में अभी तक पहली किस्त की राशि नहीं पहुंची है, उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। सभी पात्र लाभार्थियों को राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा बाद में पंजीकरण कराने वाली पात्र महिलाओं को भी तीन महीने की राशि उनके खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने योजना को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों को गलत बताया।

बलतेज पन्नू ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा दी जा रही है।

पटियाला में दूषित पानी का कहर सप्लाई में मिले कीड़े, लोगों में रोष

भारतेंदु संवाददाता पटियाला। पटियाला जिले की बैंक कॉलोनी में पीने के पानी में कीड़े मिलने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में रोष और चिंता का माहौल है। घरों में सप्लाई हो रहे पानी में छोटे-छोटे कीड़े रेंगते हुए दिखाई दिए, जिसके बाद लोगों ने नगर निगम और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

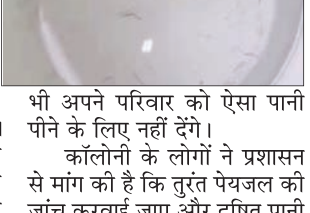

लोगों के अनुसार, घरों में आने वाला पानी इतना दूषित है कि इसे पीना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर लोगों ने चिंता जताई है।

निवासियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय स्तर पर केवल औपचारिक कार्रवाई की जाती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। लोगों का कहना है कि यदि यही पानी अधिकारियों के घरों में पहुंचे तो वे भी अपने परिवार को ऐसा पानी पीने के लिए नहीं देंगे।

कॉलोनी के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत पेयजल की जांच करवाई जाए और दूषित पानी की सप्लाई रोककर साफ एवं सुरक्षित पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही पानी की पाइपलाइन और सप्लाई व्यवस्था की भी जांच करने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा सामने न आए। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाने को मजबूर होंगे।

9 साल से जर्जर बिल्डिंग में बैठे हैं डॉक्टर, खस्ता हाल में है बिल्डिंग

मलोट सिविल अस्पताल में छत का मलबा गिरने से डॉक्टर और मरीज हुए घायल

भारतेंदु संवाददाता, मलोट (मुक्तसर)। मलोट सिविल अस्पताल की जर्जर इमारत में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। अस्पताल की ओपीडी कक्ष की कमजोर छत से अचानक मलबा गिरने से एक डॉक्टर और मरीज गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 12 बजे कमरा नंबर 107 में हुआ।

जानकारी के अनुसार सर्जन डॉ. विकास कुमार बांसल ओपीडी में मरीजों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान मलोट के पटेल नगर निवासी भगवान दास चेकअप करवाने के लिए कमरे में पहुंचे। डॉक्टर जब उनकी जांच कर दवा लिख रहे थे, तभी अचानक छत का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। मलबे का टुकड़ा सीधे भगवान दास के सिर पर जा लगा, जिससे उनका सिर फट गया और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें आईं। वहीं, छत से गिरा मलबा डॉक्टर बांसल के हाथ पर भी गिरा, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट पहुंची। हादसे के बाद दोनों का इलाज अस्पताल में किया गया। मरीज भगवान दास की हालत को देखते हुए उन्हें अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है।

डॉ. विकास बांसल ने बताया कि वह करीब नौ साल से मलोट सिविल अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं। जिस इमारत में ओपीडी संचालित हो रही है, उसकी हालत काफी समय से खराब है। इस संबंध में कई बार विभाग को शिकायत भी दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुधार नहीं किया गया।

पंजाब में मानसून सक्रिय, 30 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शुरुआती दौर में धीमा रहने के बाद पंजाब में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। राज्य के कई जिलों में रुक-रुककर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 26 से 30 जुलाई तक पंजाब में बारिश का पूर्वानुमान जारी करते हुए कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार 26 जुलाई को पंजाब के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। वहीं 27 जुलाई से बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। 28 और 29 जुलाई के लिए राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई तक भी कई इलाकों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून ट्रफ और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पंजाब सहित आसपास के राज्यों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

बरनाला लाठीचार्ज मामले में डीएसपी निलंबित, सरकार ने जांच के दिए आदेश

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला। बरनाला में सफाई कर्मचारियों पर हुए लाठीचार्ज मामले में पंजाब सरकार ने कार्रवाई करते हुए डीएसपी सतवीर सिंह बैंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों के बाद की गई। इसकी जानकारी संगरूर से सांसद और आम आदमी पार्टी नेता गुरमीत सिंह मीत हेयर ने अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से दी।

मीत हेयर ने घटना को बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से विस्तार से चर्चा की गई। बातचीत के दौरान पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की गई और इसके बाद संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का फैसला लिया गया।

उन्होंने बताया कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि मामले में जो भी

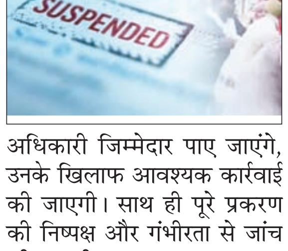

अधिकारी जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गंभीरता से जांच की जाएगी।

गौरतलब है कि बरनाला में सफाई कर्मचारी स्थायी नौकरी और वेतन वृद्धि सहित अपनी मांगों को लेकर आठ जुलाई से लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसी दौरान 22 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर पुलिस लाठीचार्ज का मामला सामने आया था, जिसके बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया।

जालंधर कॉलेज में दाखिले के विवाद पर अभिभावकों का धरना-प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर के एक महाविद्यालय में शनिवार को दाखिले को लेकर विवाद खड़ा हो गया। एक विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए उसके अभिभावकों ने कॉलेज के बाहर धरना शुरू कर दिया। मामला बढ़ने पर प्रदर्शनकारियों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर खुद ताला लगा दिया और सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों का आरोप है कि उनके बच्चे को बिना कोई उचित कारण बताए दाखिला देने से मना कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार कॉलेज प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद उन्हें मजबूरी में धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने उनकी समस्या पर गंभीरता नहीं दिखाई और मुख्य द्वार भी नहीं खोला गया। इसके विरोध में उन्होंने सड़क पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दोनों ओर जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामले की जानकारी मिलने के बाद विद्यार्थी के समर्थन में कॉलेज के छात्र संगठन के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने अभिभावकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया और विद्यार्थी को दाखिला देने की मांग उठाई। छात्र संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि पात्र विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि कॉलेज प्रबंधन पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट करे और विद्यार्थी को नियमों के अनुसार प्रवेश दिया जाए। अभिभावकों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पर उचित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

फिलहाल मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शन जारी था और कॉलेज प्रबंधन की ओर से मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था।

घुसपैठ | अमेरिकी नागरिक समेत आरोपियों पर अवैध प्रवेश और फर्जी दस्तावेजों का मामला दर्ज

अवैध एंट्री पर वारिस पंजाब दे' के वांछितों सहित 5 को यूपी कोर्ट ने भेजा जेल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के मामले में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक, पंजाब के संगठन वारिस पंजाब दे से जुड़े दो कथित सदस्यों और तीन स्थानीय ट्रैवल एजेंटों को उत्तर प्रदेश के बहराइच की अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत के आदेश के बाद सभी आरोपियों को छह अगस्त तक जिला जेल भेज दिया गया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट (पंचम) संगीता गौर की अदालत ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए पांचों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। आरोपियों में वारिस पंजाब दे के कथित सदस्य विक्रमजीत सिंह, अमेरिकी नागरिक मनवीर सिंह ढिल्लों और तीन ट्रैवल एजेंट राहुल कुमार, सुरेश पाठक तथा दिलीप पाठक शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, तीनों ट्रैवल एजेंटों ने नेपाल सीमा के रास्ते दोनों आरोपियों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराने में मदद की थी। जांच में सामने आया कि रूपईदेहा सीमा क्षेत्र में चोर गली के नाम से पहचाने जाने वाले रास्ते का इस्तेमाल कर दोनों को भारत लाया गया। इसके बाद उन्हें कार के जरिए पीलीभीत ले जाने की योजना थी।

बहराइच के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि विक्रमजीत सिंह पंजाब के नवांशहर जिले के बलाचौर का रहने वाला है और वह वर्ष 2023 में अजनाला थाने में दर्ज दो

अवैध प्रवेश कराने वाले ट्रैवल एजेंटों समेत पांच आरोपी न्यायिक हिरासत में

आपराधिक मामलों में वांछित था। पुलिस के अनुसार, वह लंबे समय से काठमांडू में छिपकर रह रहा था।

वहीं अमेरिकी नागरिक मनवीर सिंह ढिल्लों मूल रूप से पंजाब के मोगा जिले का रहने वाला है और वर्तमान में अमेरिका के लॉस एंजिल्स में रहता है। पुलिस के मुताबिक, वह मोगा के बाघापुराना थाने में दर्ज वर्ष 2023 के एक मामले में वांछित है। जांच एजेंसियों से बचने के लिए उसने बिना वीजा नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश किया था।

तलाशी के दौरान मनवीर सिंह ढिल्लों के पास से अमेरिकी पासपोर्ट, मोबाइल फोन, बैंक कार्ड, 900 अमेरिकी डॉलर और नेपाली मुद्रा बरामद की गई। वहीं विक्रमजीत सिंह के पास से कथित फर्जी पहचान दस्तावेज, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस मिलने की बात पुलिस ने कही है। पुलिस ने आरोपियों के इस्तेमाल में लाई गई कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। हालांकि मनवीर सिंह ढिल्लों की पत्नी और बेटी के पास वैध यात्रा दस्तावेज होने के कारण उन्हें नियमों के अनुसार भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई।

रविवार केवल अवकाश का दिन नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और आत्मचिंतन का अवसर है

सुखदेव सिंह
नूरपुर, जिला कांगड़ा

सप्ताह के सात दिनों में रविवार का विशेष महत्व माना जाता है। यह केवल सप्ताह का अंतिम दिन ही नहीं बल्कि नई ऊर्जा नई प्रेरणा और नए उत्साह के साथ आने वाले सप्ताह की तैयारी का अवसर भी है। अधिकांश लोगों के लिए रविवार अवकाश का दिन होता है इसलिए इसका इंतजार पूरे सप्ताह किया जाता है। विद्यार्थी हों कर्मचारी हों व्यापारी हों या गृहिणी हर किसी के लिए रविवार का अपना अलग महत्व है। यह दिन जीवन की भागदौड़ से कुछ समय निकालकर स्वयं के लिए परिवार के लिए और समाज के लिए समय समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

रविवार का नाम सूर्य देव से जुड़ा हुआ है। भारतीय परंपरा में सूर्य को जीवन ऊर्जा प्रकाश और शक्ति का प्रतीक माना गया है। प्राचीन काल से ही सूर्य की उपासना का विशेष महत्व रहा है। रविवार के दिन अनेक लोग प्रात:काल सूर्य को अर्घ्य देकर अपने दिन की शुरुआत करते हैं। ऐसा माना जाता है कि सूर्य की उपासना से आत्मविश्वास बढ़ता है स्वास्थ्य अच्छा रहता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए धार्मिक दृष्टि से भी रविवार का दिन अत्यंत शुभ माना जाता है।

आधुनिक जीवन में काम का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। लंबे समय तक लगातार काम करने से शरीर और मन दोनों थक जाते हैं। ऐसे में रविवार विश्राम का अवसर देता है। इस दिन लोग देर तक सोते हैं अपनी पसंद का भोजन बनाते हैं घूमने जाते हैं या अपने अधूरे कार्य पूरे करते हैं। कुछ लोग पुस्तकें पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ संगीत सुनते हैं। कई लोग योग ध्यान और व्यायाम करके अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार रविवार शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रविवार परिवार के साथ समय बिताने का सबसे अच्छा दिन माना जाता है। सप्ताह के अन्य दिनों में काम और पढ़ाई के कारण परिवार के सभी सदस्य एक साथ अधिक समय नहीं बिता पाते। लेकिन रविवार को पूरा परिवार एक साथ बैठकर भोजन करता है बातचीत करता है और खुशियां साझा करता है। माता पिता बच्चों के साथ खेलते हैं उनकी पढ़ाई के बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें जीवन के अच्छे संस्कार सिखाते हैं। परिवार के साथ बिताया गया यह समय रिश्तों को मजबूत बनाता है और आपसी प्रेम तथा विश्वास को बढ़ाता है।

विद्यार्थियों के लिए भी रविवार अत्यंत उपयोगी होता है। यह दिन केवल आराम करने का नहीं बल्कि पूरे सप्ताह की पढ़ाई की समीक्षा करने का भी अवसर होता है। विद्यार्थी इस दिन अपने कठिन विषयों का अभ्यास कर सकते हैं नई पुस्तकों का अध्ययन कर सकते हैं और आने वाली परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। यदि समय का सही उपयोग किया जाए तो रविवार शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का मजबूत आधार बन सकता है।

रविवार सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। अनेक सामाजिक संगठन इस दिन स्वच्छता अभियान रक्तदान शिविर वृक्षारोपण स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। लोग अपनी सुविधा के अनुसार इन कार्यक्रमों में भाग लेकर समाज सेवा का कार्य करते हैं। इससे समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और सामूहिक सहयोग की संस्कृति मजबूत होती है।

आज के समय में डिजिटल दुनिया का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। रविवार को अनेक लोग पूरा दिन मोबाइल फोन टेलीविजन या इंटरनेट पर बिताते हैं। मनोरंजन आवश्यक है लेकिन यदि पूरा दिन केवल स्क्रीन के सामने बीत जाए तो उसका नकारात्मक प्रभाव स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन पर पड़ सकता है। इसलिए रविवार का कुछ समय प्रकृति के बीच बिताना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सड़क से स्कूल तक: भिक्षावृत्ति में फंसे बच्चों के जीवन में बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती

डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

भिक्षावृत्ति में शामिल प्रत्येक बच्चा केवल एक जरूरतमंद नहीं, बल्कि खोते हुए भविष्य का प्रतीक है। जब तक समाज भीख देने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के बजाय इन बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करने का संकल्प नहीं लेगा, तब तक यह सामाजिक अभिशाप समाप्त नहीं हो सकेगा। भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों को इस दलदल से बाहर निकालकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

इन बच्चों के पीछे अक्सर संगठित भिक्षावृत्ति गिरोह, मानव तस्करी, पारिवारिक गरीबी या अन्य सामाजिक मजबूरियाँ होती हैं। इसलिए समाज, प्रशासन और परिवार—सभी की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(क) (21) के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक बच्चे को भीख नहीं, बल्कि शिक्षा, संरक्षण और बेहतर भविष्य का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वह एक सशक्त नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके।

भिक्षावृत्ति में शामिल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। लंबे समय तक सड़कों पर रहने, शोषण, उपेक्षा और असुरक्षित वातावरण के कारण उनकी मानसिक और सामाजिक स्थिति सामान्य बच्चों से अलग होती है। इसलिए उन्हें सीधे विद्यालय भेजना हमेशा संभव नहीं होता। सबसे पहले उनका विश्वास जीतना, परामर्श देना, पुनर्वास करना और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके बाद विशेष प्रशिक्षण और सहयोग के माध्यम से उन्हें शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। सबसे पहले बच्चों को उस स्थान और परिस्थिति से सुरक्षित निकालना जरूरी है, जहां वे भीख मांगने के लिए मजबूर हैं। उन्हें चिल्ड्रन होम, शेल्टर होम या सुरक्षित पुनर्वास केंद्रों में भेजा जाना चाहिए। प्रारंभिक स्तर पर उनकी मूलभूत आवश्यकताओं-भोजन, कपड़े, आवास और चिकित्सा की पूर्ति की जानी चाहिए। जब तक बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेगा, तब तक उसका पूर्ण विकास संभव नहीं है।

भिक्षावृत्ति करने वाले अधिकांश बच्चे भय, मानसिक आघात और असुरक्षा से गुजरते हैं। इसलिए प्रशिक्षित परामर्शदाताओं द्वारा उनका मनोवैज्ञानिक परामर्श किया जाना आवश्यक है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े और वे सामान्य जीवन में लौट सकें। साथ ही उनके माता-पिता या अभिभावकों का पता लगाकर उनकी स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए। यदि कोई अभिभावक जानबूझकर बच्चों से भीख मंगवाता है, तो उसे इसके कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। जब बच्चा मानसिक और शैक्षणिक रूप से तैयार हो जाता है, तब शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत उसका विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बच्चों को शिक्षा के लाभ, उनके अधिकारों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी देना आवश्यक है। बड़े बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षण भी जरूरी है। कंप्यूटर, सिलाई, हस्तशिल्प और अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण उन्हें आत्मनिर्भर बनने और सम्मानजनक रोजगार प्राप्त करने में सहायता कर सकते हैं।

कई भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चे कभी विद्यालय नहीं गए होते, इसलिए उन्हें सीधे नियमित कक्षा में शामिल करना कठिन होता है। ऐसे बच्चों के लिए शेल्टर होम और विशेष शिक्षा केंद्रों में ब्रिज कोर्स चलाए जाने चाहिए। इनके माध्यम से बच्चों को अक्षर ज्ञान, अनुशासन, स्वच्छता, सामाजिक व्यवहार और शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करने में सहायता मिलती है। भिक्षावृत्ति रोकने में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> कुल की प्रशंसा करने से क्या लाभ ? शील ही (मनुष्य की पहचान का) मुख्य कारण है। क्षुद्र मंदार आदि के वृक्ष भी उत्तम खेत में पड़ने से अधिक बढते-फैलते हैं। **-मृच्छकटिक**

संपादकीय

बदलते दौर में भारत की संतुलित कूटनीति

फिलीपींस की राजधानी मनीला में हाल ही में आयोजित बहुपक्षीय बैठकों के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की चीन और रूस के विदेश मंत्रियों के साथ हुई मुलाकातें वैश्विक कूटनीति के बदलते दौर में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। यह दौर ऐसा है, जब दुनिया कई स्तरों पर बदलाव से गुजर रही है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रूस और पश्चिमी देशों के बीच जारी तनाव, क्षेत्रीय संघर्षों की बढ़ती चुनौतियां और आर्थिक अस्थिरता ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नया रूप दिया है। ऐसे समय में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित और प्रभावी संबंध बनाए रखे।

भारत की विदेश नीति लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर आधारित रही है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक शक्ति समूह का हिस्सा बनने के बजाय अपने हितों के आधार पर फैसले लेता है। आज के बहुध्रुवीय विश्व में यह नीति भारत को अलग पहचान देती है। भारत एक ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है, वहीं दूसरी ओर रूस के साथ अपने पुराने रणनीतिक संबंधों को बनाए हुए है और चीन के साथ भी संवाद के रास्ते खुले रखता है। यह संतुलन आसान नहीं है, लेकिन भारत की कूटनीतिक क्षमता की यही सबसे बड़ी परीक्षा है।

चीन भारत का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है, लेकिन दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में लंबे समय से असंतुलन बना हुआ है। भारत और चीन के बीच व्यापार बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही भारत का व्यापार घाटा भी लगातार चिंता का विषय रहा है। बड़ी मात्रा में चीनी आयात भारतीय बाजार में मौजूद हैं, जबकि भारतीय कंपनियों को चीन के बाजार में समान अवसर हासिल करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर घरेलू उद्योग, रोजगार और आत्मनिर्भरता की कोशिशों पर भी पड़ता है। भारत अब केवल एक बड़े बाजार की भूमिका निभाने के बजाय एक समान और संतुलित आर्थिक साझेदार की भूमिका चाहता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा चीनी नेतृत्व के सामने व्यापार असंतुलन और निष्पक्ष आर्थिक संबंधों का मुद्दा उठाना इसी सोच को दर्शाता है।

भारत और चीन के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। सीमा विवाद, सुरक्षा चिंताएं और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों के लिए यह भी जरूरी है कि वे संवाद बनाए रखें, क्योंकि एशिया की स्थिरता काफी हद तक भारत-चीन संबंधों पर निर्भर करती है। प्रतिस्पर्धा और सहयोग के बीच संतुलन बनाना आने वाले समय में दोनों देशों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार रहा है। रक्षा क्षेत्र, ऊर्जा सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध रहे हैं। भारत की सैन्य जरूरतों में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और दोनों देशों ने कई वैश्विक मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन किया है।

हालांकि, किसी भी मजबूत साझेदारी का आधार केवल पुराने संबंध नहीं होते, बल्कि आपसी सम्मान, पारदर्शिता और जवाबदेही भी जरूरी होती है। यदि किसी भारतीय नागरिक, विशेष रूप से किसी नाविक की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होती है, तो भारत का दायित्व है कि वह मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग करे। मित्रता का मतलब यह नहीं है कि कठिन सवालों से बचा जाए। वास्तविक साझेदारी वही होती है, जिसमें संवेदनशील मुद्दों पर भी खुले तौर पर बातचीत की जा सके। भारत रूस के साथ अपने संबंधों को बनाए रखते हुए अपने नागरिकों के हितों और सुरक्षा को प्राथमिकता देता रहेगा। यही संतुलित कूटनीति की पहचान है।

आज की वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश पूरी तरह अकेले नहीं चल सकता। आर्थिक, सुरक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में देशों के बीच परस्पर निर्भरता बढ़ रही है। ऐसे में भारत ने अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व दिया है। भारत न तो किसी एक शक्ति के दबाव में आना चाहता है और न ही किसी गुटीय राजनीति का हिस्सा बनना चाहता है। यही कारण है कि भारत एक साथ कई मंचों पर सक्रिय है। क्वाड में भागीदारी के साथ भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भी भूमिका निभा रहा है। रूस के साथ उसके संबंध बने हुए हैं, जबकि अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ भी सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

यह नीति भारत को वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली बनाती है। हालांकि, बदलती परिस्थितियों में केवल संतुलन बनाए रखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अधिक स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण रुख अपनाना होगा। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका के लिए मजबूत अर्थव्यवस्था और सुरक्षित रणनीतिक वातावरण जरूरी है। विदेश नीति केवल राजनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसमें व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा और नागरिकों के हित भी शामिल होते हैं।

-शिवांश धाकड़

कविता

दोस्त याद आते हैं

डॉ. कौमार्या मनोज

पता नहीं ये जिंदगी, कब कहां ले जाएगी।
सोंचा नहीं था यार मेरे, शहर को मैं बस जाऊंगा।।
वो बचपन की अठखेलियां, दोस्तों से की शरारतें ।
सोच न पाया कभी, सब कुछ यूं ही भूल जाऊंगा।।
वो भूलते बिसरते पल, मुझको बड़ा सताते हैं।
वो पुरानी घर हवेली, और दोस्त याद आते हैं।।
पर जब कभी जाता हूं घर, मिलता ना सखा, सखी कोई।
सबके सब स्व घर बेचकर, शहर में घोंसला पाते हैं।।
बच्चें हुए बड़े सभी, सब सेटल अपनी जिंदगी।
पर वो सुकून कहां, जो दोस्तों में पाते हैं।।
थी वो निस्वार्थ जिंदगी, थी वो नि:स्वर्थ दोस्ती।
वेशक जमीं पर पढ़ते थे, फिर कल जाने को मचलते थे।।
अब घर घर क़ालीन है, सोफा बिसरा है यहां वहां।
मन जो है बेचैन है, न है अपनी वो खुशी।

हिमाचल में बढ़ते नशे का जाल : युवा पीढ़ी , समाज और पर्यटन की छवि के लिए गंभीर चुनौती

विशाल कल्याण, सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, सोलन

देवभूमि हिमाचल प्रदेश में कुछेक लोग सुबह चाय की दुकानों में दस रुपए का चाय का कप पीने के बजाय बीस रुपए का सोमरस का पैग पीना बेहतर समझ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में कुछेक स्थानों पर पर्यटकों की पार्टियां सरेआम हो रही हैं, जिनमें नशे का सेवन किया जा रहा है। पर्यटन स्थल आजकल महंगी शराब, बियर की बोतलों, सिगरेट, तंबाकू, जर्दा और पान के कचरे से लबालब भरे पड़े हैं। धार्मिक आस्था की आड़ में कुछेक पर्यटक मौज-मस्ती करके प्रदेश की संस्कृति और मर्यादा को नुकसान पहुंचाकर चले जाते हैं।

उच्च न्यायालय ने भी इस प्रकार की गतिविधियों का कड़ा संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। कुछेक कूरियर कंपनियां ऑनलाइन प्रतिबंधित दवाएं बेचकर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही हैं। चिकित्सक की अनुमति के बिना ऐसी दवाओं की बिक्री गैरकानूनी है। इंटरनेट पर ऐसी दवाओं की ब्रांडिंग की जाती है और इसके बाद लोग ऑनलाइन ऑर्डर कर देते हैं। पुलिस द्वारा दवा दुकानों का रिकॉर्ड खंगालने का अभियान शुरू करना सराहनीय कदम है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट भी चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों में हिमाचली लोगों में शराब पीने की आदत अधिक बढ़ी है। नशा उस दीमक की तरह होता है, जो किसी पेड़ को अंदर से खोखला कर देता है। नशे की गर्त में डूबे व्यक्ति का मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास प्रभावित होता है। युवा पीढ़ी का नशे की ओर बढ़ता आकर्षण समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश में अपराधों का बढ़ना भी चिंता का विषय है। बलात्कार, अपहरण, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं में वृद्धि से जनता में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। कानून का भय समाज में बना रहना आवश्यक है। नशा अपराधों को बढ़ावा देने वाला प्रमुख कारण बन सकता है। समाज में जितने नशा मुक्ति अभियान चलाए जा रहे हैं, उनके साथ-साथ नशे की समस्या का बढ़ना गंभीर मंथन का विषय है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस आए दिन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर रही है और उनकी संपत्तियां जब्त की जा रही हैं, लेकिन ड्रग्स तस्करी में महिलाओं और युवतियों की संलिप्तता भी चिंता का विषय है। कई लोग महंगे शौक और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस अवैध धंधे में शामिल हो रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा नशे के खिलाफ उठाए जा रहे सख्त कदम सराहनीय हैं। नशे में संलिप्त सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय भी आवश्यक है, क्योंकि सरकारी कर्मचारी जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं।

देशभर में अपनी अलग पहचान रखने वाली हिमाचल प्रदेश पुलिस के कुछेक कर्मचारियों की गलत गतिविधियों से पूरे विभाग की छवि प्रभावित होती है। पुलिस का कार्य समाज को अपराध मुक्त और भयमुक्त बनाना है। यदि पुलिस कर्मचारी ही नशा तस्करी या नशे के सेवन में संलिप्त पाए जाएंगे तो समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। इसलिए सरकारी विभागों में तैनात कर्मचारियों का समय-समय पर रेंडम डोप टेस्ट होना आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रचनात्मक साहित्य से ही विकसित होती है सकारात्मक सामाजिक चेतना

धर्म देवा, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
गांव धारना, जिला चंबा

साहित्य समाज का दर्पण है तथा अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की वास्तविक तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। साहित्य सृजन लेखक को अपनी आंतरिक भावनाओं को प्रकट करने का सबसे प्रभावशाली माध्यम है, लेकिन बदली परिस्थितियों में मनुष्य इतना व्यस्त हो गया है कि न तो किसी की पास अच्छे साहित्य को पढ़ने का समय है और न ही लेखक किन्ही विषयों को शोधपरक लिखने के लिए संबंधित संदर्भ ग्रंथ ढूंढने की जहमत उठा रहे हैं।

इसलिए जो उन्हें अच्छा लग रहा है उसे ही पाठकों को परोसने की कोशिश कर रहे हैं। पाठक रोचक, सौंदर्यबोध जानकारीपूर्ण साहित्य पढ़ना चाहता है, लेकिन ऐसा उसे नहीं मिल रहा है। दिन-प्रतिदिन साहित्य एवं लेखन का स्तर गिर रहा है तथा आम पाठक पठन-पाठन से दूर होता जा रहा है। विभिन्न विधाओं की असंख्य पुस्तकें धड़ाधड़ प्रकाशित हो रही हैं, लेकिन उनकी सामग्री प्रभाव शैली एवं रुचिकर न होने के कारण पाठकों के हाथ में होने के बजाए अलमारियों की शोभा बढ़ा रही है।

सफल लेखक की वास्तविक पहचान ही उसके स्तरीय लेखन से होती है। वह अपने लेखन के माध्यम से पाठकों को प्रभावित करता है। उसकी रचनाएं पाठक के मन-मस्तिष्क में व्यापक प्रभाव छोड़ती है।

नए लेखक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या उसने अपने लेख में सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश करते हुए पाठकों की निरंतर रुचि पर ध्यान केंद्रित किया है ? क्या उसने अपनी रचनाओं के माध्यम से पाठक का ज्ञानवर्धन किया है तथा क्या नए लेखक का साहित्य समाज को सकारात्मक दिशा दे रहा है ? उसके लेखन भाषा, विचार और प्रस्तुति से ही पाठकों के मन-मस्तिक में व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए प्रत्येक लेखक को सदैव गुणवत्तापूर्ण, प्रभावशाली और जिम्मेदार लेखन का प्रयास करना चाहिए। तभी आज का साहित्यकार समाज को जागरूक करने, नई सोच विकसित करने और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएगा। अच्छा साहित्यकार केवल वर्तमान का चित्रण नहीं करता, बल्कि भविष्य के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान करता है।

यदि लेखन का उद्देश्य रुचिपूर्ण एवं स्पष्ट नहीं है तो उससे पाठकों पर उसका प्रभाव नहीं होगा। कुछ लेखकों ने जो लिखा है वह न तो विश्वसनीय है और न ही गुणवत्तापूर्ण। इसलिए समाज के लिए भी उपयोगी नहीं। तभी पाठक की उसे पढ़ने की रुचि नहीं बन रही है। अन्यथा दो-चार पेज पढ़ने के बाद पाठक का मन उचाट नहीं हो जाता।

इसलिए आज का साहित्य समाज को न जागरूक करने में अपनी भूमिका निभा रहा है और न ही नई सोच को विकसित कर रहा है। परिणामस्वरूप आज का साहित्कार सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण लेखन नहीं कर रहा है। नए साहित्यकार क्या लिख रहे हैं। उनकी रचनाओं की समीक्षा होनी चाहिए। इससे उन्हें अपनी कमी का एहसास होगा तथा भविष्य में उसमें सुधार करेंगे।

उनके लिए कार्यशाला लगाई जानी चाहिए तथा विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाना चाहिए ताकि उनके लेखन में निखार आ सके। तभी हम समाज को साहित्य के माध्यम से नई दिशा प्रदान कर सकेंगे। अन्यथा चटुकुले पढ़ने वाले भी अपने को बड़ा साहित्यकार मान रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों के सम्मान का राष्ट्रीय पर्व

रामलाल पाठक
निहारखन बासला, ब्रह्मपुखर
बिलासपुर (हि.प्र.)

कारगिल विजय दिवस प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरे भारत में गर्व और सम्मान के साथ मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक विजय की याद दिलाता है। यह केवल एक सैन्य जीत का उत्सव नहीं है बल्कि उन वीर सैनिकों के अदम्य साहस सर्वोच्च बलिदान और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण को नमन करने का अवसर भी है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए देशभक्ति प्रेरणा और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस दिन देशभर में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है और उनके परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है।

साल 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल क्षेत्र में युद्ध हुआ। यह युद्ध जम्मू कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में स्थित कारगिल द्रास बटालिक और टोलोलिंग की दुर्गम पहाड़ियों पर लड़ा गया। सर्दियों के दौरान भारतीय सेना द्वारा खाली की गई कुछ ऊंची चौकियों पर पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों और पाकिस्तानी सैनिकों ने गुप्त रूप से कब्जा कर लिया था। उनका उद्देश्य श्रीनगर और लेह को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर नियंत्रण स्थापित करना तथा भारत की सामरिक स्थिति को कमजोर करना था। जब भारतीय सेना को इस घुसपैठ की जानकारी मिली तब उसने अपने क्षेत्र को मुक्त कराने के लिए व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया जिसे **ऑपरेशन विजय** नाम दिया गया।

ऑपरेशन विजय भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे कठिन अभियानों में से एक माना जाता है। भारतीय सैनिकों को लगभग सोलह से अठारह हजार फीट की ऊंचाई पर अत्यंत कठिन मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में लड़ाई लड़नी पड़ी। दुश्मन ऊंची चोटियों पर पहले से मौजूद था जिससे भारतीय सेना के सामने बड़ी चुनौती थी। इसके बावजूद भारतीय जवानों ने अद्वितीय साहस धैर्य और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए एक के बाद एक सभी महत्वपूर्ण चोटियों पर पुन: कब्जा कर लिया। अंतत: 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त की और देश का प्रत्येक इंच क्षेत्र घुसपैठियों से मुक्त करा लिया। इसी ऐतिहासिक जीत की स्मृति में हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

इस युद्ध में भारतीय सेना के लगभग **527 वीर सैनिकों** ने सर्वोच्च बलिदान दिया जबकि एक हजार से अधिक सैनिक घायल हुए। इन सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा की। उनके त्याग और वीरता के कारण ही भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सका। कारगिल विजय दिवस उन सभी शहीदों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

कारगिल युद्ध के अनेक वीर सैनिक आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। **कैप्टन विक्रम बत्रा** का नाम इस युद्ध के सबसे प्रसिद्ध नायकों में लिया जाता है। उन्होंने दुश्मन के कई ठिकानों पर कब्जा किया और अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की। उनका प्रसिद्ध उद्घोष **'ये दिल मांगे मोर'** आज भी युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्हें मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार **लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय** ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया और उन्हें भी परम वीर चक्र प्रदान किया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

हर दिल की पसंद दीपिका

दीपिका सिंह
जन्म : 26 जुलाई 1988

दीपिका सिंह भारतीय टेलीविजन जगत की जानी मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट अभिनय और सशक्त व्यक्तित्व के दम पर लाखों दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। उनका जन्म **26 जुलाई 1988** को दिल्ली में हुआ। बचपन से ही उन्हें अभिनय और रचनात्मक गतिविधियों में रुचि थी। अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और लगन के बल पर उन्होंने मनोरंजन जगत में एक सफल पहचान बनाई।

दीपिका सिंह को सबसे अधिक लोकप्रियता स्टार प्लस के प्रसिद्ध धारावाहिक दिया और बाती हम से मिली। इस धारावाहिक में उन्होंने संध्या राठी का किरदार निभाया, जो एक साहसी, ईमानदार और महत्वाकांक्षी युवती होती है। संध्या का सपना भारतीय पुलिस सेवा में अधिकारी बनने का होता है और वह अनेक सामाजिक तथा पारिवारिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करती है। इस प्रेरणादायक भूमिका ने दीपिका सिंह को देशभर में घर घर तक पहचान दिलाई और वे टेलीविजन की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

दीपिका सिंह ने अपने अभिनय के माध्यम से यह साबित किया कि मजबूत महिला किरदार दर्शकों को गहराई से प्रभावित कर सकते हैं। उनकी स्वाभाविक अभिनय शैली, भावनाओं की प्रभावशाली अभिव्यक्ति और स्क्रीन पर आत्मविश्वास से भरपूर उपस्थिति को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें अपने शानदार अभिनय के लिए कई पुरस्कारों और सम्मान से भी नवाजा गया।

अभिनय के अलावा दीपिका सिंह शास्त्रीय नृत्य में भी रुचि रखती हैं और समय समय पर अपने नृत्य प्रदर्शन तथा फिटनेस से जुड़े वीडियो साझा करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी लोकप्रियता है, जहां वे अपने प्रशंसकों के साथ अपने जीवन, परिवार और पेशेवर अनुभवों की झलक साझा करती हैं। वे सकारात्मक सोच, अनुशासित जीवनशैली और परिवार के प्रति अपने समर्पण के लिए भी जानी जाती हैं।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

उप्र के प्रयागराज समेत कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना

एजेंसी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में शनिवार को आसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने प्रयागराज समेत कई जिलों में अगले कुछ घंटों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र के अनुसार प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, चित्रकूट, बांदा, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर और कानपुर नगर में मौसम तेजी से बदल सकता है। लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि मानसूनी गतिविधियां सक्रिय हैं और वातावरण में नमी के कारण गरज-चमक वाले बादल बन रहे हैं। किसानों को मौसम की जानकारी लेकर खेतों में काम करने की सलाह दी गई है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार : एसडीएम

एजेंसी, वाराणसी। सावन माह में काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने नया वैकल्पिक मार्ग तैयार किया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के एसडीएम शंभू शरण ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के गेट नंबर-4 से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रवेश करते हैं। अब श्रद्धालुओं को मणिकर्णिका गली से भी एक वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराया गया है, जिससे वे आसानी से

अहिल्याबाई चौक तक पहुंच सकेंगे। एसडीएम ने बताया कि गंगा द्वार से भी श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहेगा। नए मार्ग से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही इस वैकल्पिक रास्ते से मोबाइल लेकर आने-जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा।

भारतीय संस्कृति मजबूत करने में संस्कृत भाषा की अहम भूमिकाः गौरांग साहू

एजेंसी, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ की ओर से शिव सुंदरी मोंटेसरी स्कूल, कुमार कुंज जीएमडी रोड में आयोजित 12 दिवसीय 'गृहे गृहे संस्कृतम्' प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल निदेशक गौरांग साहू ने कहा कि भारतीय संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए संस्कृत भाषा का प्रयोग जरूरी है। उन्होंने संस्कृत को दैनिक व्यवहार में शामिल करने पर जोर दिया। शिविर में प्रशिक्षिका आचार्या राधा रानी ने प्रतिभागियों को संस्कृत भाषा का ज्ञान दिया। प्रधानाचार्य अर्चना साहू ने कहा कि संस्कृत हमारे लिए उपयोगी भाषा है और सभी को इसका अध्ययन करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रबंधक सुशील कुमार सहित शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और संस्कृत प्रेमी विद्वान मौजूद रहे।

आचार्य परशुराम के जीवन का ध्येय थी संत साहित्य की साधना : कुलपति

एजेंसी, वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के हिन्दी विभाग में शनिवार को हिन्दी साहित्यकार, आलोचक और संत साहित्य के अध्येता आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर 'संत साहित्य के अध्ययन की परंपरा और आचार्य परशुराम चतुर्वेदी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आचार्य चतुर्वेदी के जीवन में साधना का विशेष महत्व था। वकालत उनकी आजीविका का माध्यम थी, लेकिन संत साहित्य का अध्ययन, शोध और लेखन उनके

जीवन का मुख्य उद्देश्य रहा। उन्होंने कहा कि उनकी साहित्यिक विरासत भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। प्रो. सुषमा घिल्डियाल ने संत साहित्य को भारतीय समाज की समावेशी चेतना का प्रतिनिधि बताया। वक्ताओं ने आचार्य चतुर्वेदी के साहित्यिक योगदान और संत परंपरा पर विस्तार से विचार रखे।

रविदास का समरसता मंत्र बनेगा 2027 का महामंत्र हिंदू एकजुटता की सबसे बड़ी बिसात बिछा रही भाजपा

अभियान के जरिए 4.13 करोड़ मतदाताओं तक पहुंच की रणनीति, 66 उपजातियों पर रहेगा विशेष फोकस

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी गुरु रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को आधार बनाकर अनुसूचित जाति समाज के बीच व्यापक संपर्क अभियान चलाने जा रही है। इस अभियान के माध्यम से भाजपा प्रदेश की 66 अनुसूचित जाति उपजातियों तक पहुंच बनाने का प्रयास करेगी।

राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा की बड़ी सामाजिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का मानना है कि उत्तर प्रदेश में 4.13 करोड़ से अधिक अनुसूचित जाति मतदाता चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इन वर्गों के बीच स्थायी सामाजिक संवाद स्थापित करना 2027 की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के अनुसार, यह अभियान गुरु रविदास जयंती से शुरू होकर उनके

650वें प्रकाश पर्व तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा।

इसके तहत प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल और बूथ स्तर पर सम्मेलन, संगोष्ठियां, सामाजिक संवाद, मंदिर संपर्क अभियान, घर-घर संपर्क और प्रबुद्ध वर्ग की बैठकें आयोजित की जाएंगी। भाजपा की योजना इस अभियान को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित रखने की नहीं है, बल्कि इसे सामाजिक और संगठनात्मक विस्तार से जोड़ने की है। पार्टी अनुसूचित जाति समाज के विभिन्न वर्गों के साथ लगातार संवाद स्थापित कर उन्हें व्यापक सामाजिक एकजुटता के अभियान से जोड़ने की कोशिश करेगी।

बसपा के पारंपरिक आधार पर भाजपा की नजर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित समाज लंबे समय से निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। चमार-जाटव, पासी, कोरी, धोबी, वाल्मीकि, खटीक, धनुक, मुसहर और दुसाध जैसी उपजातियां चुनावी समीकरणों को प्रभावित करती हैं। दशकों तक इन वर्गों का बड़ा हिस्सा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सामाजिक आधार से जुड़ा रहा है। अब भाजपा इन सभी वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में है। संगठन ने जिलों में रविदास मंदिरों, दलित छात्रावासों,

अभियान की प्रमुख बातें

गुरु रविदास के 650वें प्रकाश पर्व तक चलेगा अभियान। 66 अनुसूचित जाति उपजातियों तक पहुंच का लक्ष्य। बूथ स्तर तक सामाजिक संपर्क बढ़ाने की योजना। मंदिरों, छात्रावासों और सामाजिक संस्थानों को बनाया जाएगा संपर्क केंद्र। सामाजिक संवाद के जरिए संगठन को मजबूत करने की तैयारी।

कोचिंग संस्थानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, चिकित्सकों और अन्य प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की योजना बनाई है।

संगठन विस्तार से जुड़ेगा अभियान

भाजपा इस अभियान के जरिए बूथ स्तर तक सामाजिक नेटवर्क तैयार करने पर जोर दे रही है। पार्टी की कोशिश है कि सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों और स्थानीय सामाजिक नेतृत्व को जोड़कर मजबूत संपर्क तंत्र बनाया जाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा 2027 के चुनाव में सामाजिक समरसता के मुद्दे के साथ अपनी राजनीतिक पकड़ बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

वैश्विक शिक्षा सम्मेलन में शामिल होंगे बीएचयू के डॉ. लालता प्रसाद

एजेंसी, वाराणसी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शिक्षा संकाय के प्रोफेसर डॉ. लालता प्रसाद दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी कॉन्फ्रेंस ऑन एजुकेशन, रिसर्च, इनोवेशन एंड मैनेजमेंट का आयोजन 27 जुलाई से किया जाएगा।

शिक्षा, शोध और नवाचार पर होगा वैश्विक मंथन

इस दो दिवसीय सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न देशों से शिक्षाविद, शोधकर्ता, शिक्षा प्रशासक, नीति-निर्माता और प्रबंधन विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में शिक्षा, शोध, नवाचार और प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे बदलावों तथा नई संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। बीएचयू के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि प्रो. लालता प्रसाद सम्मेलन में प्रभावी नेतृत्व, शैक्षिक संस्थानों में सुशासन, गुणवत्ता सुधार, नवाचार और रणनीतिक योजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना व्याख्यान देंगे। वह संकाय विकास और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में नेतृत्व की भूमिका पर भी विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रो. प्रसाद नैतिक नेतृत्व, सहभागितापूर्ण निर्णय प्रक्रिया और बदलती वैश्विक शैक्षिक चुनौतियों के समाधान पर भी अपने विचार रखेंगे। उनका संबोधन आधुनिक शैक्षिक प्रशासन की नई अवधारणाओं और वैश्विक शिक्षा व्यवस्था के बदलते स्वरूप से प्रतिभागियों को परिचित कराएगा।

सम्मेलन में प्रो. लालता प्रसाद का व्याख्यान भविष्य की समावेशी, प्रभावी और नवाचार आधारित शिक्षा व्यवस्था के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के विशेषज्ञों के साथ संवाद के दौरान शिक्षा क्षेत्र में हो रहे वैश्विक बदलावों, नई तकनीकों और प्रभावी प्रबंधन प्रणाली पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

शिक्षा का मंदिर नहीं गिरने देंगे, जौहर विवि पहुंचे सपा नेता

एजेंसी, मुरादाबाद

जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी ने आंदोलन तेज कर दिया है। शनिवार को सपा सांसदों और पूर्व सांसदों का प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचा और विश्वविद्यालय गेट पर धरना दे रहे छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर समर्थन जताया।

आरडीए कार्रवाई के विरोध में सपा नेताओं ने छात्रों के साथ खड़े होने का किया ऐलान

अखिलेश यादव के निर्देश पर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में सांसद इकरा हसन, मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा और संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क सहित कई नेता शामिल रहे। सांसदों ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि पार्टी विश्वविद्यालय बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

रुचि वीरा ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी शिक्षा का मंदिर है और इसे गिरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने ध्वस्तीकरण आदेश को गलत बताते हुए जरूरत पड़ने पर न्यायालय जाने की बात कही।

करंट लगने से युवक की मौत पोस्टमार्टम से परिजनों का इनकार

एजेंसी, औरैया। औरैया जिले के बेला थाना क्षेत्र के ग्राम लुखरदौरा में रात करंट लगने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। शनिवार को पुलिस की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कन्नौज के मेहंदी घाट पर कर दिया। जानकारी के अनुसार, लुखरदौरा निवासी इशु शुक्रवार रात घर में चार्जिंग वाली टॉर्च को बिजली बोर्ड में लगा रहा था। इसी दौरान वह हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया। तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और अचेत हो गया। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इशु चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी अचानक मौत से परिवार में शोक का माहौल छा गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। बेला पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

रामनगर में जलभराव पर मंत्री सुरेश खन्ना सख्त, अधिकारियों को दिए सफाई के निर्देश

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने शनिवार सुबह रामनगर क्षेत्र का दौरा कर सेवा बस्तियों समेत विभिन्न इलाकों में नागरिक सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव, कीचड़ और सफाई व्यवस्था की जानकारी ली।

मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बारिश के बाद रामनगर के कई स्थानों पर जलभराव की समस्या सामने आई है। इसके समाधान के लिए नगर निगम अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करने और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नालियों की सफाई, कूड़ा निस्तारण और जल निकासी की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने नगर आयुक्त को विशेष रूप से रामनगर क्षेत्र की व्यवस्थाओं पर ध्यान देने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

टिकट चेकिंग के दौरान टीटीई लगाएंगे बॉडी कैमरा, हर गतिविधि होगी रिकॉर्ड

एजेंसी, प्रयागराज

यात्रियों की सुरक्षा और टिकट जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने नई पहल शुरू की है। अब टिकट चेकिंग कर्मचारी (टीटीई) ड्यूटी के दौरान बॉडी वॉर्न कैमरा पहनकर टिकट जांच करेंगे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इससे यात्रियों और कर्मचारियों दोनों की सुरक्षा मजबूत होगी।

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने शनिवार को बताया कि मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में 24 जुलाई से इस पायलट परियोजना की शुरुआत की गई है। पहले चरण में प्रयागराज एक्सप्रेस और श्रमशक्ति एक्सप्रेस में तैनात टिकट चेकिंग कर्मचारियों को बॉडी कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। योजना के सफल होने के बाद इसे अन्य ट्रेनों में भी लागू किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, इन कैमरों में टिकट जांच के दौरान होने वाली गतिविधियों की वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा होगी। कैमरों में एचडी रिकॉर्डिंग, नाइट विजन, लंबी बैटरी क्षमता और रिकॉर्डिंग से छेड़छाड़ रोकने जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि बॉडी कैमरा व्यवस्था लागू होने से यात्रियों और टीटीई के बीच होने वाले विवादों की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। इससे फर्जी शिकायतों पर भी रोक लगेगी और शिकायतों का निष्पक्ष व जल्द समाधान किया जा सकेगा। यदि किसी यात्री या रेलवे कर्मचारी के साथ अभद्रता, विवाद या मारपीट जैसी घटना होती है तो कैमरे की रिकॉर्डिंग महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में काम करेगी।

पशुमित्रों ने नियमित मानदेय न मिलने पर कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

एजेंसी, महोबा

महोबा में पशुमित्रों, मैत्री कार्यकर्ताओं और पैरावेट कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। शनिवार को पैरावेट संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को मांग पत्र सौंपा। कर्मचारियों ने नियमित मानदेय देने समेत अन्य मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। पैरावेट संघ के सदस्यों ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से पशुपालन विभाग में सेवाएं दे रहे हैं।

महोबा में पैरावेट कर्मचारियों ने नियमित मानदेय समेत मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

सर्दी, गर्मी और बरसात में भी वह टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशु गणना सहित अन्य कार्य पूरी जिम्मेदारी से करते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता है और मोबाइल खर्च भी खुद उठाना पड़ता है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गई तो वह एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और अन्य विभागीय कार्यों का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने बताया कि पशुपालन विभाग से जुड़े कार्यों में उनकी अहम भूमिका है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि समय पर भुगतान नहीं मिलने से परिवार चलाने में दिक्कतें आती हैं। पैरावेट संघ ने सरकार से मांग की है कि सभी कर्मचारियों के लिए नियमित मानदेय और बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को उठा रहे हैं और जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

सोनभद्र में मुठभेड़ के बाद दो लुटेरे गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

एजेंसी, सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के बभनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार तड़के शीशटोला जंगल में चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान एक लुटेरे के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे आरोपी को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी ने बताया कि पुलिस टीम जंगल क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हो गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से अवैध देशी तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस, लूट में इस्तेमाल बाइक और नकदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मध्य प्रदेश के सिंगरौली निवासी रमेश साकेत और मनोज साकेत के रूप में हुई है। घायल रमेश का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने 18 जुलाई को शीशटोला जंगल में कुलदीप कुमार निवासी ग्राम चपकी पर चाकू से हमला कर सोने-चांदी के आभूषण और 40 हजार रुपये से भरा बैग लूट लिया था। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। जांच में सामने आया कि मनोज साकेत पर पहले से 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि रमेश साकेत पर एक मामला दर्ज है। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

वृद्ध पेंशन लाभार्थियों को राहत की पहल, डीबीटी सक्रिय कराने की अपील

एजेंसी, उरई

जिला समाज कल्याण विभाग ने वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों के लिए जरूरी सूचना जारी की है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू यादव ने शनिवार को बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी किस्त के भुगतान के दौरान कई लाभार्थियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) सुविधा सक्रिय नहीं होने के कारण भुगतान प्रक्रिया असफल हो गई।

उन्होंने बताया कि डीबीटी सक्रिय न होने की वजह से कई पात्र पेंशनधारियों को निर्धारित पेंशन राशि प्राप्त नहीं हो सकी। विभाग ने सभी वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों से अपील की है कि वे अपने बैंक खातों में जल्द से जल्द डीबीटी सुविधा सक्रिय कराएं। जरूरत पड़ने पर इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खुलवाने की भी सलाह दी गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि डीबीटी सक्रिय होने के बाद भविष्य में पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में बिना किसी तकनीकी बाधा के पहुंच सकेगी। उन्होंने बताया कि सहायता के लिए लाभार्थी संबंधित विकास खंड कार्यालय, उपजिलाधिकारी कार्यालय या जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन से संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे अधिक से अधिक लाभार्थियों को डीबीटी सक्रिय कराने के लिए जागरूक करें, ताकि कोई भी पात्र बुजुर्ग पेंशन लाभ से वंचित न रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि डीबीटी सुविधा सक्रिय कराना सभी पेंशन लाभार्थियों के लिए आवश्यक है। इससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और राशि सीधे पात्र बुजुर्गों के खातों तक पहुंचेगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लाभार्थियों को सुविधा का लाभ दिलाएं।

बदलाव | 2027 चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने बदलाव का किया दावा

अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बताया छात्रों की जीत

एजेंसी, आजमगढ़

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने निजामाबाद के पूर्व विधायक आलम बदी के आवास पर पहुंचकर उनके परिवार से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, युवाओं की समस्याओं और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा युवाओं, छात्रों और किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी उनके साथ खड़ी रहेगी।

मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों के आंदोलन की पहली बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से छात्र पेपर लीक, भर्ती में देरी और अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। छात्रों के संघर्ष के कारण सरकार को कदम उठाने पड़े हैं। उन्होंने

इसे युवाओं की जीत बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जनता बदलाव के लिए तैयार है।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि वर्ष 2027 में प्रदेश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता मौजूदा सरकार की नीतियों से परेशान है और रोजगार, शिक्षा तथा पारदर्शी व्यवस्था चाहती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए काम करेगी और ऐसी व्यवस्था बनाएगी जिसमें प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ी के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर अभ्यर्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है। युवाओं ने मेहनत करके परीक्षाओं की तैयारी की, लेकिन पेपर लीक और अन्य समस्याओं के कारण उनका भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार को इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाना चाहिए। अखिलेश यादव ने 69 हजार शिक्षक भर्ती सहित कई मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी लगातार आवाज उठाती रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर कई भर्तियों को लंबित रखा, जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर बढ़ाना और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना उनकी पार्टी की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने आरक्षण के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा और कहा कि सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के युवाओं को समान अवसर मिलना जरूरी है। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल किया जाएगा।

समरसता संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों की कार्य योजना बैठक संपन्न

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी जनपद के सिगरा स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महानगर कार्यालय में शनिवार को समरसता संकल्प अभियान कार्यशाला एवं कार्य योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि की उपस्थिति में हुई, जिसमें संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले समरसता संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों ने विस्तार से चर्चा की।

131 कलशों में सीरगोवर्धनपुर की पवित्र मिट्टी पहुंचाएगी सामाजिक समरसता का संदेश

बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि आगामी 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देशभर में श्री गुरु रविदास महाराज समरसता दीप अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके तहत देश के

गुरु रविदास महाराज के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प

विभिन्न रविदास मंदिरों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

जिन स्थानों पर गुरु रविदास मंदिर उपलब्ध नहीं हैं, वहां स्थानीय प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि दीप अभियान के दौरान सामूहिक आरती, गुरु वाणी पाठ, भजन संध्या, समरसता संकल्प और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कार्यक्रमों में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि संत गुरु रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर की पवित्र मिट्टी से 131 कलशों का पूजन किया जाएगा।

इन कलशों को उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले प्रतिनिधियों को सौंपा जाएगा। इसके बाद यह पवित्र मिट्टी राज्यों की राजधानियों से होते हुए जिलों, मंडलों, गांवों और बस्तियों तक पहुंचाई जाएगी। जहां सामाजिक समरसता यात्राओं, पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान 29 जुलाई 2026 से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 को गुरु रविदास जयंती तक पांच चरणों में संचालित किया जाएगा।

कारगिल शहीद नवीन मेहता की पत्नी को बच्चों के खतों से मिली पुरानी यादों की सौगात

27 साल बाद कारगिल योद्धा की यादों से जुड़े खत बने परिवार की अनमोल पूंजी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

कारगिल युद्ध में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हवलदार नवीन मेहता की यादें एक बार फिर जीवंत हो उठीं। यमुनानगर स्थित उनके घर पर जब विद्यार्थियों द्वारा लिखी गई चिट्ठियां पहुंचीं तो उनकी पत्नी डोली मेहता भावुक हो गईं। इन पत्रों ने उन्हें उन दिनों की याद दिला दी, जब उनके पति ड्यूटी के दौरान परिवार का हाल जानने और अपने मन की बातें साझा करने के लिए खत लिखा करते थे।

मॉडल टाउन स्थित डोली मेहता के घर विद्यार्थियों की ओर से भेजे गए पत्रों का बंडल पहुंचा। उन्होंने जब एक-एक पत्र पढ़ा तो पुराने दिनों की यादें आंखों के सामने घूमने लगीं। उन्होंने बताया कि उनके पति हवलदार नवीन मेहता सेना में रहते हुए परिवार के लिए पत्र लिखा करते थे। उन खतों में घर-परिवार की चिंता, बच्चों के लिए प्यार और जल्द लौटने का भरोसा होता था।

विद्यार्थियों की चिट्ठियों ने कारगिल शहीद नवीन मेहता की यादें फिर ताजा कर दीं।

डोली मेहता ने बताया कि मार्च 1999 में आया उनके पति का आखिरी पत्र आज भी उन्होंने संभालकर रखा हुआ है। उस पत्र में नवीन मेहता ने जून में अंबाला आने का वादा किया था, लेकिन देश की रक्षा करते हुए वह कारगिल युद्ध में शहीद हो गए। पति की यादों से जुड़े ये खत उनके लिए किसी अनमोल धरोहर से कम नहीं हैं।

विद्यार्थियों द्वारा लिखे गए पत्रों ने डोली मेहता को एक बार फिर भावनात्मक जुड़ाव का एहसास कराया। बच्चों ने अपने पत्रों में शहीद जवान के प्रति सम्मान, देशभक्ति और उनके बलिदान को याद किया। इन चिट्ठियों में बच्चों की भावनाएं और शहीद परिवार के प्रति सम्मान साफ दिखाई दिया। डोली मेहता ने कहा कि विद्यार्थियों के ये पत्र भी अब उनके लिए बेहद खास हैं और वह इन्हें भी अपने पति की यादों की तरह सुरक्षित रखेंगी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी का शहीदों के प्रति सम्मान देखकर उन्हें गर्व महसूस होता है।

कारगिल युद्ध में देश के कई वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की रक्षा की थी। हवलदार नवीन मेहता जैसे सैनिकों का बलिदान आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। विद्यार्थियों की ओर से लिखी गई चिट्ठियां इस बात का प्रमाण हैं कि शहीदों की वीरता और उनकी कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच रही हैं। डोली मेहता के लिए ये पत्र केवल कागज के टुकड़े नहीं, बल्कि भावनाओं और सम्मान से जुड़े यादगार पल हैं।

झज्जर में भीषण सड़क हादसा, कार पिकअप की टक्कर में दो युवकों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

हरियाणा के झज्जर जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा झज्जर-बहादुरगढ़ मार्ग पर कार और पिकअप गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, गांव भदानी निवासी तीन युवक एक गाड़ी में सवार होकर झज्जर की ओर जा रहे थे।

जैसे ही उनकी गाड़ी बहादुरगढ़ मार्ग पर पहुंची, सामने से आ रही एक पिकअप गाड़ी से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल युवक का इलाज अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों का पता लगाना शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव भदानी में शोक का माहौल है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक ड्राइविंग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे से जुड़े सभी तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। दोनों वाहनों की तकनीकी जांच भी कराई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद हादसे की वास्तविक वजह सामने आएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

लोहे के गेट पर झूलना पड़ा भारी, आठ वर्षीय मासूम की मौके पर दर्दनाक मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत जिले के इसराना क्षेत्र की धौला कॉलोनी में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसा एक निर्माणाधीन मकान में हुआ, जहां लगा भारी लोहे का गेट अचानक गिर गया। जानकारी के अनुसार बच्चा गेट पर झूल रहा था। इसी दौरान गेट का कुंडा निकल गया और पूरा गेट उसके ऊपर आ गिरा। गंभीर चोट लगने से बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसा लापरवाही का परिणाम माना जा रहा है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

करनाल के एसडीएम की सरकारी स्कूल में अचानक रेड, लेट टीचरों पर सख्ती

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल में शनिवार को एसडीएम ने एक सरकारी स्कूल का औचक निरीक्षण किया, जिससे स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले शिक्षकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड जांचा और हाजिरी रजिस्टर का बारीकी से निरीक्षण किया। समय पर स्कूल नहीं पहुंचने वाले शिक्षकों पर उन्होंने नाराजगी जताई और समयपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम ने विभिन्न कक्षाओं का दौरा कर विद्यार्थियों से पढ़ाई से जुड़े सवाल पूछे। उन्होंने बच्चों से पाठ्यक्रम, सामान्य ज्ञान और स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान स्कूल की साफ-सफाई, अनुशासन और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। एसडीएम ने स्कूल प्रशासन को शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महावटी में सूने मकान का ताला तोड़ चोरों ने लाखों के जेवर और नकदी उड़ाई

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत के गांव महावटी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय मकान मालिक हरियाणा रोडवेज की ड्यूटी पर गया था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे रिश्तेदारी में गए हुए थे। घर खाली देखकर चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर रखी अलमारियों को खंगाला। चोर 80 हजार रुपये नकद, सोने की अंगूठियां, हार, मंगलसूत्र, टीका, झुमकी सहित चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह घर लौटने पर मालिक को चोरी का पता चला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

कुरुक्षेत्र में दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार ने दम तोड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक अंबाला से अपनी ड्यूटी के लिए जा रहा था। मृतक की पहचान के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। युवक के दो बच्चों का पिता था और वह रिटायर फौजी का भाई बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा में बारिश की वापसी, 28 जुलाई से भारी वर्षा की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है, जिससे प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदल गया है। शनिवार सुबह पानीपत और रोहतक में बारिश दर्ज की गई, जबकि झज्जर में हल्की बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद हिसार के सुलखनी गांव के आसपास तेज हवाओं के साथ अच्छी बारिश हुई। वहीं रेवाड़ी और सोनीपत में दिनभर बादल छाए रहे, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शनिवार को राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। यमुनानगर जिले के लिए भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, मानसून के दोबारा सक्रिय होने की मुख्य वजह मानसूनी ट्रफ का सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर खिसकना है।

हरियाणा में बरसे बादल मौसम ने ली फिर करवट

इसके साथ ही दक्षिण-पूर्व राजस्थान के ऊपर बने लो-प्रेशर एरिया से जम्मू तक एक ट्रफ लाइन बनी हुई है, जो हरियाणा में लगातार नमी पहुंचा रही है। इसी कारण प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। आईएमडी का अनुमान है कि 28 जुलाई से उत्तर, पूर्व और दक्षिण हरियाणा के बड़े हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नारनौल शहर के महता चौक के समीप राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान के पास शनिवार तड़के मालगाड़ी की चपेट में आने से करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सुबह राहगीरों ने रेलवे अंडरपास के पास ट्रैक और झाड़ियों में शव के टुकड़े देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद रेलवे राजकीय पुलिस (जीआरपी) को बुलाया। तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर से युवक के शरीर के हिस्से ट्रैक किनारे झाड़ियों और नाले तक जा गिरे थे। जीआरपी ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर शव के अवशेष नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए। शव के पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिलने से मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कर रही है।

बिजली इंजीनियरों को मिला मेडिकल बिल जांचने का जिम्मा, विभाग में बढ़ा असंतोष

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के नए आदेश ने विभाग के कार्यकारी अभियंताओं की जिम्मेदारियों में एक नया और विवादित बदलाव कर दिया है। अब कर्मचारियों के मेडिकल प्रतिपूर्ति बिलों की तकनीकी जांच का कार्य मेडिकल अधिकारियों के बजाय कार्यकारी अभियंताओं को सौंपा गया है। इस फैसले के बाद विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में असंतोष का माहौल है।

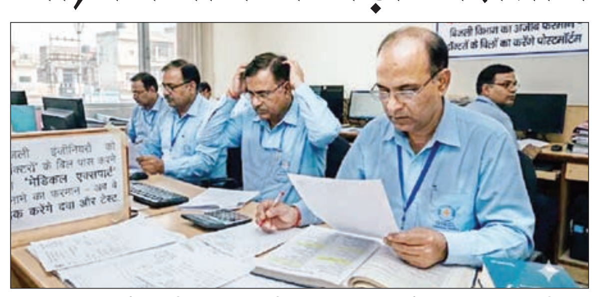

अभियंताओं का कहना है कि उन्हें चिकित्सा संबंधी मामलों का प्रशिक्षण नहीं है, ऐसे में दवाओं, जांचों और इलाज की आवश्यकता का आकलन करना उनके लिए कठिन होगा। अब तक व्यवस्था यह थी कि कर्मचारी अपने मेडिकल प्रतिपूर्ति बिल संबंधित कार्यकारी अभियंता कार्यालय में जमा कराते थे। वहां से फाइलें निगम की पंचकूला या रोहतक स्थित डिस्पेंसरी भेजी जाती थीं।

मेडिकल अधिकारी यह जांच करते थे कि बीमारी के अनुसार दी गई दवाएं उचित थीं या नहीं, कराए गए टेस्ट आवश्यक थे या नहीं, संबंधित अस्पताल निगम के पैनल में शामिल है या नहीं तथा नियमानुसार कितनी राशि का भुगतान किया जाना चाहिए। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह पूरा दायित्व कार्यकारी अभियंताओं पर आ गया है।

इससे अभियंताओं के सामने तकनीकी और प्रशासनिक दोनों तरह की चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। उनका कहना है कि बिना चिकित्सकीय ज्ञान के मेडिकल बिलों की जांच करना जोखिम भरा हो सकता है और इससे गलत निर्णय की संभावना भी बनी रहेगी। कर्मचारियों का भी मानना है कि नई व्यवस्था के कारण मेडिकल बिलों के निपटान में देरी हो सकती है।

मिर्जापुर सरकारी स्कूल में टूटी दीवार से गिरा छात्र, गर्दन पर लगे 12 टांके, गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा के हिसार जिले के मिर्जापुर गांव स्थित सरकारी मिडिल स्कूल में जर्जर दीवार और टूटी टाइल के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला 13 वर्षीय छात्र संदीप स्कूल परिसर में घायल हो गया। दीवार से गिरने के दौरान टूटी टाइल उसकी गर्दन में धंस गई, जिससे उसे गहरा कट लगा। गंभीर हालत में छात्र को तत्काल नागरिक अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गर्दन पर करीब 12 टांके लगाए। डॉक्टरों के अनुसार छात्र की हालत अब खतरे से बाहर है।

स्कूल प्राचार्य राजकुमार ने बताया कि घटना उस समय हुई जब संदीप शौचालय गया था। उसके साथ एक अन्य छात्र भी मौजूद था। इसी दौरान संदीप पैर फिसल गया और वह गिर पड़ा, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं, स्कूल के अन्य छात्रों का कहना है कि संदीप शौचालय के पास बनी टूटी हुई दीवार पर चढ़ा हुआ था। दीवार पर लगी टाइल पहले से क्षतिग्रस्त थी। संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर गया और टूटी टाइल उसकी गर्दन में लग गई।

पुरानी रंजिश की आशंका, दो नामजद समेत पांच आरोपियों पर केस दर्ज

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चोट इतनी गंभीर थी कि गर्दन पर गहरा घाव हो गया और अंदरूनी हिस्सा तक दिखाई देने लगा। स्कूल प्रशासन ने तुरंत परिजनों को सूचना दी और छात्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई। घटना के बाद स्कूल परिसर में सुरक्षा व्यवस्थाओं और जर्जर भवनों की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल की टूटी दीवारों, टाइलों और अन्य खतरनाक हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी स्कूलों में भवनों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

यदि समय रहते जर्जर संरचनाओं की मरम्मत नहीं कराई गई तो ऐसे हादसे बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। घटना ने स्कूलों में सुरक्षा मानकों की समीक्षा और नियमित निरीक्षण की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। घटना के बाद अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन से जर्जर दीवारों और टूटी टाइलों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

हरियाणा की खाप पंचायतों ने सभाओं में हुक्का रखने पर लगाया प्रतिबंध

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

हरियाणा के रोहतक जिले के महम स्थित चौबीसी चबूतरे पर आयोजित खाप पंचायत में समाज सुधार को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। पंचायत ने निर्णय लिया कि अब किसी भी सामाजिक या सार्वजनिक सभा में हुक्का नहीं रखा जाएगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता और गन कल्चर पर भी रोक लगाने की जरूरत पर जोर दिया गया। पंचायत का कहना था कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए ऐसे कदम जरूरी हैं।

बैठक में मौजूद विभिन्न खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि समाज में फैल रही नकारात्मक प्रवृत्तियों पर समय रहते नियंत्रण करना आवश्यक है। उनका मानना है कि सार्वजनिक आयोजनों में हुक्के की परंपरा समाप्त करने से युवाओं में नशे के प्रति आकर्षण कम होगा। साथ ही इंटरनेट और सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लील सामग्री तथा हथियारों के प्रदर्शन की संस्कृति पर भी चिंता जताई गई।

कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकारों ने भी पंचायत के फैसलों का समर्थन किया। गायक अजय हुड्डा ने कहा कि समाज में बदलाव की शुरुआत स्वयं से करनी होगी।

उन्होंने स्वीकार किया कि हर व्यक्ति से गलतियां होती हैं, लेकिन समाजहित में सकारात्मक परिवर्तन का समर्थन किया जाना चाहिए। अन्य कलाकारों ने भी युवाओं से सामाजिक मर्यादाओं का पालन करने और नशे व हिंसा से दूर रहने की अपील की। खाप पंचायत ने स्पष्ट किया कि इन निर्णयों का उद्देश्य किसी पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि समाज में अनुशासन, जागरूकता और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देना है। पंचायत ने सभी सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों से इन प्रस्तावों का पालन करने का आह्वान किया।

झूठा केस खत्म कराने के नाम पर पांच लाख मांगने वाले दंपती समेत तीन आरोपित गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले में झूठे मुकदमे को खत्म कराने का झांसा देकर ब्लैकमेलिंग और उगाही करने वाले एक दंपती समेत तीन लोगों को थाना सिविल लाइन पुलिस ने ट्रैप लगाकर रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से शिकायतकर्ता से लिए गए दो लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं। मामले में आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड और इस तरह की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गांव बाहिया निवासी मनोज कुमार ने शिकायत दी थी कि उसके भाई संजय कुमार के खिलाफ महिला थाना में दर्ज एक मुकदमे को रफा-दफा कराने का झांसा देकर गांव मिठ्ठी सुरेरां निवासी प्रियंका, उसके पति गजानंद और उनके एक अन्य साथी द्वारा लगातार पांच लाख रुपये की मांग की जा रही थी। आरोपित शिकायतकर्ता पर पैसे देने के लिए दबाव बना रहे थे और मुकदमा खत्म कराने का भरोसा देकर ब्लैकमेल कर रहे थे।

ब्लैकमेलिंग के मामले में दंपती समेत तीन आरोपित रंगे हाथ गिरफ्तार

शिकायत मिलने के बाद थाना सिविल लाइन पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की। आरोपों की पुष्टि होने पर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाया। तय स्थान पर जैसे ही आरोपित शिकायतकर्ता से दो लाख रुपये लेने पहुंचे, पुलिस टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए दो लाख रुपये भी मौके से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने पहले भी किसी व्यक्ति को इसी तरह ब्लैकमेल कर अवैध वसूली तो नहीं की। साथ ही उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति किसी मुकदमे को खत्म कराने या कानूनी कार्रवाई प्रभावित करने के नाम पर पैसे मांगता है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ऐसे मामलों में समय पर शिकायत करने से आरोपितों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकती है। सिरसा में झूठे मुकदमे को खत्म कराने का झांसा देकर पांच लाख रुपये मांगने वाले दंपती समेत तीन आरोपित पुलिस के ट्रैप में फंस गए। शिकायतकर्ता से दो लाख रुपये लेते समय पुलिस ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर नकदी भी बरामद कर ली। पुलिस अब आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है।

हर छठे मतदाता पर संकट, एसआईआर में 33.87 लाख वोटर अनकलेक्टेबल मिले

31 जुलाई से दावे-आपत्तियों का मौका, समय पर सत्यापन नहीं कराने पर कट सकता है नाम

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के दौरान मतदाता सूची में बड़ा बदलाव सामने आया है। राज्य के कुल 2.06 करोड़ मतदाताओं में से 33.87 लाख मतदाता 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में पाए गए हैं। इसका अर्थ है कि ये मतदाता सत्यापन के दौरान अपने पते पर उपलब्ध नहीं मिले, स्थायी रूप से अन्य स्थान पर जा चुके हैं, किसी अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत हैं या फिर उनकी मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में इन मतदाताओं के नाम नई मतदाता सूची से हटने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अंतिम निर्णय दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लिया जाएगा।

चुनाव आयोग द्वारा कराए गए इस विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। इसी प्रक्रिया के तहत बूथ स्तर के अधिकारियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता मिले जो अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले या लंबे समय से वहां निवास नहीं कर रहे थे। ऐसे सभी मामलों को 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर पलायन करने वाले मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है।

इसके अलावा कई ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें मतदाता का नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र या जिले की मतदाता सूची में पहले से दर्ज है। कुछ मामलों में मतदाता की मृत्यु हो चुकी है, जबकि कुछ लोग सत्यापन के समय उपलब्ध नहीं मिले। इन सभी कारणों से लाखों मतदाता फिलहाल संशय की स्थिति में हैं। विधानसभावार आंकड़ों में गुरुग्राम और बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक 'अनकलेक्टेबल' मतदाता दर्ज किए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में लगातार बढ़ते पलायन, नौकरी और आवास परिवर्तन को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है। बड़े शहरों में किराये के मकानों में रहने वाले लोगों के बार-बार पता बदलने के कारण भी मतदाता सूची के सत्यापन में कठिनाई सामने आई है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में शामिल होने का अर्थ यह नहीं है कि मतदाता का नाम तुरंत सूची से हटा दिया जाएगा। आयोग के अनुसार 31 जुलाई से दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दौरान संबंधित मतदाता आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपनी पात्रता सिद्ध कर सकेंगे। यदि सत्यापन के बाद उनका दावा सही पाया गया तो उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में बरकरार रखा जाएगा। अधिकारियों ने मतदाताओं से अपील की है कि जिन लोगों का नाम 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में आया है, वे समय रहते संबंधित बूथ स्तर अधिकारी, निर्वाचन कार्यालय या

दावे-आपत्तियों के बाद ही तय होगा किन मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में रहेंगे

निर्धारित केंद्रों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करें। समय पर दावा प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में उनका नाम अंतिम मतदाता सूची से हट सकता है।

एसआईआर-2026 की इस प्रक्रिया को आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि बड़ी संख्या में मतदाताओं के 'अनकलेक्टेबल' पाए जाने से राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी चिंता बढ़ गई है। अब सभी की नजर 31 जुलाई से शुरू होने वाली दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया और उसके बाद जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची पर टिकी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना निष्पक्ष चुनाव के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में जिन मतदाताओं का नाम 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में आया है, उन्हें समय रहते आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना दावा प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि पात्र मतदाताओं का मतदान अधिकार सुरक्षित रह सके।

स्विमिंग पूल चेंजिंग रूम में छात्राओं की रिकॉर्डिंग आरोपी स्कूल कर्मचारी पुलिस ने किया गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

हरियाणा के कैथल जिले में एक निजी स्कूल से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। स्विमिंग पूल के चेंजिंग रूम में छात्राओं का कथित तौर पर मोबाइल से वीडियो बनाने के आरोप में स्कूल के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान कलायत निवासी गौरव के रूप में हुई है, जो स्कूल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब कुछ छात्राएं स्कूल में तैराकी प्रशिक्षण के लिए पहुंची थीं। प्रशिक्षण के बाद जब छात्राएं कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम में गईं, तभी उनकी नजर एक कर्मचारी पर पड़ी। आरोप है कि कर्मचारी छिपकर मोबाइल से उनका वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। छात्राओं ने तुरंत सतर्कता दिखाई और मामले की जानकारी स्कूल प्रबंधन के साथ-साथ अपने परिजनों को दी।

परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना के बाद स्कूल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी के मोबाइल सहित अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

स्कूल सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में बढ़ी चिंता

अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने स्कूलों में छात्राओं की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अभिभावकों ने भी स्कूल परिसरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और कर्मचारियों की नियमित निगरानी की मांग की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना संबंधित अधिकारियों को दें। कैथल के इस मामले के बाद अभिभावकों में नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने और कर्मचारियों की सख्त जांच की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ के विक्टोरिया पार्क में गिफ्ट मोबाइल को लेकर पति पत्नी भिड़े

एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठः जिले के सिविल लाइंस स्थित ऐतिहासिक विक्टोरिया पार्क के बाहर पति-पत्नी के बीच हुई हाथापाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शुरुआत में लोगों द्वारा इस वीडियो को प्रेमी-प्रेमिका के बीच के विवाद का बताकर शेयर किया जा रहा था। हालांकि, पुलिस जांच में सच्चाई कुछ और ही निकलकर सामने आई। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के अनुसार, वीडियो का संज्ञान लेते हुए जब पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की, तो पता चला कि आपस में भिड़ने वाले युवक-युवती प्रेमी-प्रेमिका नहीं, बल्कि शादीशुदा पति-पत्नी हैं। युवक पुलिस विभाग में रिक्रूट (प्रशिक्षु) के पद पर तैनात है। घटना का मुख्य कारण एक मोबाइल फोन को लेकर हुआ आपसी विवाद था। दरअसल, महिला ने अपने पति को उपहार (गिफ्ट) में एक मोबाइल फोन दिया था। किसी बात पर विवाद बढ़ने पर पत्नी अपना दिया हुआ मोबाइल फोन वापस मांगने लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विक्टोरिया पार्क के सामने हाथापाई और खींचतान में बदल गई। वहां मौजूद राहगीरों ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट कर दी है।

2001 पिलखुवा हत्याकांडः सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पीड़ित परिवार की सीएम से गुहार

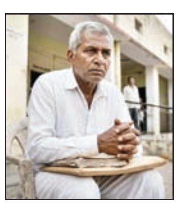

एजेंसी, नई दिल्ली उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में वर्ष 2001 में हुए चर्चित तिहरे हत्याकांड को लेकर पीड़ित परिवार ने एक बार फिर न्याय की गुहार लगाई है। दो दशक से भी अधिक समय तक चले लंबे कानूनी संघर्ष के बाद अब पीड़ित पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के निर्देशों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।यह पूरा मामला 24 जुलाई 2001 का है। पिलखुवा के कृष्णगंज मोहल्ले में कपड़ा व्यापारी परिवार की बहू सीमा गर्ग और उनके दो मासूम बच्चों–भव्य (उम्र 4-5 वर्ष) तथा प्रत्यक्ष (उम्र मात्र 8 माह)–की घर के भीतर ही गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस जघन्य हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद तत्कालीन पुलिस अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच करने के बजाय लापरवाही बरती और साक्ष्यों से छेड़छाड़ की। इस मामले में परिवार के निशाने पर विशेष रूप से तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर पूरन सिंह मेहरा हैं। परिवार के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह जांच में लापरवाही बरतने और दोषी पाए जाने वाले तत्कालीन पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई पर विचार करे।

प्रयागराजः लेखपाल पर रिश्वत का आरोप, अधिवक्ता ने एसडीएम मेज पर रखे नोट

एजेंसी, नई दिल्ली प्रयागराजः जिले की सदर तहसील में शुक्रवार को जनसुनवाई के दौरान एक हैरान कर देने वाला वाकया सामने आया। एसडीएम सदर अंकित वर्मा के कक्ष में एक अधिवक्ता ने भरी सभा में उनकी मेज पर नोटों का बंडल रखकर लेखपाल पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया। इस अचानक हुई घटना से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मामला जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी एक शिकायत की रिपोर्ट लगाने का है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि संबंधित लेखपाल द्वारा रिपोर्ट लगाने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही थी। शुक्रवार को जब एसडीएम सदर अपने कक्ष में अधिकारियों, कर्मचारियों और आम फरियादियों की मौजूदगी में जनसुनवाई कर रहे थे, तभी एक अधिवक्ता अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने 500-500 रुपये के नोटों की गड्डी एसडीएम की टेबल पर पटकते हुए आक्रोश जताया कि 'बिना पैसों के तहसील में काम नहीं होता, लो पैसे और अब मेरी शिकायत पर रिपोर्ट लगाओ।' जनसुनवाई में अचानक हुई इस घटना के बाद कक्ष में सन्नाटा पसर गया। एसडीएम सदर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच के आदेश दे दिए हैं। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच तहसीलदार को सौंपी गई है।

शाहजहानाबाद दीवार संरक्षण को मिली नई मंजूरी

एएसआई तीन महीने में पूरा करेगा ऐतिहासिक दीवार की मरम्मत और संरक्षण कार्य

एजेंसी, नई दिल्ली

मुगलकालीन शाहजहानाबाद शहर की ऐतिहासिक दीवार के दरियागंज स्थित हिस्से का संरक्षण और मरम्मत कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इस महत्वपूर्ण धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए करीब 67 लाख रुपये की परियोजना तैयार की है। विभाग ने मरम्मत कार्य के लिए निविदाएं भी जारी कर दी हैं। योजना के अनुसार अगले तीन महीनों में यह कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ष 1657 में बलुआ पत्थर से निर्मित शाहजहानाबाद को दिल्ली का सातवां ऐतिहासिक शहर माना जाता है। यह शहर मुगल बादशाह शाहजहां के शासनकाल में विकसित हुआ था। इसकी सुरक्षा के लिए बनाई गई विशाल शहरपनाह यानी सिटी वाल कभी पुराने दिल्ली शहर के चारों ओर सुरक्षा घेरा हुआ करती थी।

लगभग 13 मीटर ऊंची और करीब छह किलोमीटर लंबी इस दीवार का निर्माण पत्थर और मलबे से किया गया था। इस दीवार में कभी 13 बड़े प्रवेश द्वार और 14 छोटे द्वार हुआ करते थे। समय के साथ कई हिस्से नष्ट हो गए और कई द्वारों के अवशेष ही अब मौजूद हैं।

एएसआई की परियोजना के तहत दीवार की मरम्मत में पारंपरिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। निर्माण कार्य में चूने के मिश्रण में बेल का गूदा (बेलगिरी) और गुड़ का शीरा मिलाया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार बेलगिरी चूने को जल्दी सूखने से रोकती है और उसकी मजबूती बढ़ाती है, जबकि गुड़ का शीरा प्लास्टिसाइजर और जलरोधक तत्व के रूप में काम करता है।

परियोजना में करीब 43.48 लाख रुपये निर्माण सामग्री खरीदने पर खर्च किए जाएंगे। वहीं लगभग 23 लाख रुपये कुशल श्रमिकों, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य कार्यों पर खर्च होंगे। मरम्मत के दौरान करीब 250 घन मीटर पत्थरों के टुकड़ों का उपयोग किया जाएगा।

दिसंबर 2025 में सामने आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि शाहजहानाबाद की संरक्षित दीवार के कई हिस्से ढह चुके हैं, जिससे वहां अतिक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। वर्षों की उपेक्षा और अनियंत्रित निर्माण के कारण इस ऐतिहासिक धरोहर की स्थिति खराब होती गई है। हालांकि दरियागंज क्षेत्र का हिस्सा अभी भी अपेक्षाकृत बेहतर संरक्षित माना जाता है।

शाहजहानाबाद की यह दीवार लाल किले को केंद्र में रखकर पूरे पुराने शहर को घेरे हुए थी। यह लाल किले से राजघाट, निगमबोध घाट, कश्मीरी गेट, मोरी गेट, कबूली गेट, लाहौरी गेट, फतेहपुरी क्षेत्र, अजमेरी गेट, तुर्कमान गेट, दिल्ली गेट, दरियागंज और यमुना नदी के किनारे से होते हुए वापस लाल किले तक जाती थी।

मनचंदा फार्म अवैध कटान मामले में एनजीटी ने दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

छतरपुर स्थित मनचंदा फार्म में कथित अवैध वृक्ष कटान और वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार और वन विभाग से जवाब मांगा है। एनजीटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार और वन विभाग को नोटिस जारी करते हुए जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान एनजीटी ने संयुक्त समिति की रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया। रिपोर्ट में बताया गया कि छतरपुर स्थित मनचंदा फार्म की कुछ जमीनें राजस्व रिकॉर्ड में वन भूमि के रूप में दर्ज हैं। समिति के अनुसार खसरा संख्या 100, 101, 102, 103 और 105 वन भूमि के रूप में दर्ज हैं, जबकि खसरा संख्या 60 आबादी क्षेत्र में शामिल है।

संयुक्त समिति की जांच में पाया गया कि फार्म में कई पेड़ों को बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के काटा गया और उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। रिपोर्ट के अनुसार नीम, पीपल, सिरिस, बकायन, शहतूत और सुबबूल सहित कुल 28 पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया या क्षतिग्रस्त किया गया।

समिति ने यह भी पाया कि कई पेड़ों की अत्यधिक छंटाई की गई, जो दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है।

गुरुग्राम मेट्रो विस्तारः पालम विहार एक्सटेंशन और सेक्टर-21 स्टेशन के लिए जमीन चिन्हित

एजेंसी, नई दिल्ली

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। इस चरण में मेट्रो विस्तार के तहत आवश्यक तैयारियों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड द्वारा संचालित इस परियोजना के सेकेंड फेज के लिए जमीन अधिग्रहण और स्टेशन निर्माण की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार, ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के सेकेंड फेज के रूट पर 2 स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। इन दो प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के निर्माण और उनके मुख्य द्वारों के लिए कुल 1514 वर्ग मीटर जमीन की आवश्यकता तय की गई है।

राइट्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, पालम विहार एक्सटेंशन स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार के लिए लगभग 541 वर्ग मीटर निजी जमीन की जरूरत है। इसके अलावा, सेक्टर-21 स्टेशन के निर्माण के लिए इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की करीब 973 वर्ग मीटर जमीन चिन्हित की गई है। प्रशासन और संपदा अधिकारियों का कहना है कि जहां हरियाणा शहरो विकास प्राधिकरण की जमीन है, उसे परियोजना के लिए सीधे उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं निजी जमीन के अधिग्रहण के लिए जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति नियमानुसार प्रक्रिया पूरी करेगी। अधिकारियों द्वारा यह भी देखा जा रहा है कि यह जमीन जीएमआरएल को निशुल्क मिलेगी या इसे अधिग्रहण नीति के तहत खरीदा जाएगा।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का यह दूसरा चरण सेक्टर-9 से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक तैयार किया जाना है। इस पूरे सेकेंड फेज के रूट में करीब 14 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें सेक्टर-4, 5, 3, अशोक विहार, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, सेक्टर-22, 23ए और उद्योग विहार जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

चार्जिंग का झंझट होगी खत्मः गाजियाबाद के प्रमुख स्थलों पर जल्द शुरू होंगे 20 ईवी चार्जिंग स्टेशन

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में बनेंगे 20 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन

औद्योगिक और आवासीय मोर्चे पर तेजी से बढ़ते गाजियाबाद शहर में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बना हुआ है। इस चुनौती से निपटने और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गाजियाबाद नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर निगम प्रशासन शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में कुल 20 नए इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर रहा है।

इस योजना का मुख्य ध्येय पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों से होने वाले जहरीले उत्सर्जन को कम करना और नागरिकों को ई-वाहनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करना है। नगर निगम के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम तेजी से जारी है। निर्धारित 20 स्थानों में से 13 प्रमुख स्थलों पर चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। बाकी बचे 7 स्थानों के लिए जमीन का चयन और सर्वेक्षण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

अधिकारियों का दावा है कि अगले दो महीनों के भीतर सभी 20 ईवी चार्जिंग स्टेशनों को पूरी तरह से तैयार कर आम जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा। शहर में चार्जिंग ढांचा मजबूत होने से इलेक्ट्रिक चार-पहिया, तीन-पहिया और दो-पहिया वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। अक्सर देखा जाता है कि चार्जिंग सुविधाओं के अभाव के कारण लोग नए ई-वाहन खरीदने से कतराते हैं। नगर निगम के इस कदम से न केवल ईवी चालकों की चिंता दूर होगी, बल्कि शहर में ई-वाहनों की बिक्री और उपयोग में भी भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इन चार्जिंग स्टेशनों को शहर के मुख्य चौराहों, व्यावसायिक केंद्रों, व्यस्त बाजारों और सार्वजनिक पार्किंग स्थलों के पास बनाया जा रहा है, ताकि लोगों को आसानी से चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध हो सके। भविष्य में वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए यहाँ फ़ास्ट चार्जिंग तकनीक के इंतज़ाम भी किए जा रहे हैं।

फरीदाबाद में साइबर ठगी का बड़ा खुलासा, ढाई साल में 42 हजार से ज्यादा लोग बने शिकार

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद में साइबर अपराध लगातार गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। बीते ढाई वर्षों में शहर के 42,281 लोग साइबर ठगी का शिकार हुए हैं, जिनसे करीब 2.14 अरब रुपये की धोखाधड़ी की गई। निवेश के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अधिकारी, केवाईसी अपडेट और ऑनलाइन लिंक भेजकर ठगी जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2024 में 16,035, वर्ष 2025 में 18,003 और वर्ष 2026 में अब तक 8,243 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन करीब 10 नए लोग साइबर अपराधियों के जाल में फंस रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साइबर अपराधी लोगों को फोन कॉल, सोशल मीडिया, मैसेज और फर्जी वेबसाइटों के माध्यम से निशाना बनाते हैं। कई मामलों में खुद को पुलिस, सीबीआई, बैंक अधिकारी या सरकारी एजेंसी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को डराया जाता है, जबकि निवेश योजनाओं में अधिक लाभ का झांसा देकर बड़ी रकम ठगी जाती है। डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरीकों से भी लोगों को मानसिक दबाव में डालकर बैंक खातों से पैसे ट्रांसफर करवाए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस और साइबर सेल की सक्रियता से कई मामलों में राहत भी मिली है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब 66 करोड़ रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए जा चुके हैं।

इसके लिए साइबर हेल्पलाइन, त्वरित शिकायत प्रणाली और बैंकों के साथ समन्वय का सहारा लिया गया। पुलिस का कहना है कि समय रहते शिकायत मिलने पर ठगी गई राशि को फ्रीज कर वापस दिलाने की संभावना बढ़ जाती है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या

निवेश योजना पर बिना जांच किए भरोसा न करें। बैंक खाते, ओटीपी, पासवर्ड और व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि कोई संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन लेनदेन सामने आए तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है तथा लोगों के सहयोग से ऐसे संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

हस्तिनापुर वन क्षेत्र में अवैध शिकार का भंडाफोड़, तीन आरोपी काबू

एजेंसी, नई दिल्ली

हस्तिनापुर वन क्षेत्र में वन विभाग ने वन्यजीवों के अवैध शिकार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगली सूअर का शिकार करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह गिरोह जंगली सूअर का अवैध शिकार करने के बाद उसके मांस को ऑनलाइन माध्यम से बेचता था। वन विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपितों के पास से शिकार में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण बरामद किए हैं।बरामद सामान में जाल, करंट फैलाने वाले तार, देशी कट्टा, छूरा, तंदूरी भट्टी और कच्ची शराब शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपित जंगल क्षेत्र में वन्यजीवों को पकड़ने के लिए बिजली के तार और अन्य खतरनाक तरीकों का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद शिकार किए गए जानवर के मांस को बेचकर अवैध कमाई की जाती थी। वन विभाग ने बताया कि आरोपितों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क और अन्य साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रयागराज में बनेगा नया वेंडिंग जोन, 15 मीटर से चौड़ी सड़कों पर मिलेंगी 60 तक दुकानें

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में सड़कों किनारे विकसित होंगे वेंडिंग जोन

प्रयागराज शहर में सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने और छोटे व्यापारियों को व्यवस्थित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने एक नई योजना तैयार की है। इसके तहत शहर की 15 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के किनारे वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे। इन वेंडिंग जोन में छोटे दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे सड़क किनारे लगने वाली अव्यवस्थित दुकानों और अतिक्रमण की समस्या को कम किया जा सकेगा।

नगर निगम की योजना के अनुसार, प्रत्येक वेंडिंग जोन में करीब 50 से 60 दुकानें बनाई जाएंगी। इन दुकानों को एक निश्चित डिजाइन और आकार में तैयार किया जाएगा, ताकि पूरे क्षेत्र में एकरूपता दिखाई दे। दुकानों का रंग और स्वरूप भी समान रखा जाएगा, जिससे वेंडिंग जोन देखने में व्यवस्थित और आकर्षक लगे। इसके निर्माण की जिम्मेदारी दिल्ली की एक फर्म को दी जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना और छोटे कारोबारियों को स्थायी स्थान उपलब्ध कराना है। अक्सर सड़क किनारे अस्थायी दुकानें लगाने से जाम की स्थिति बनती है और पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी होती है। वेंडिंग जोन बनने के बाद दुकानदारों को एक सुरक्षित और निर्धारित जगह मिलेगी, वहीं शहर की सड़कों को भी बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया जा सकेगा। नगर निगम की ओर से तैयार कराई जाने वाली प्रत्येक दुकान की अनुमानित कीमत 80 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक रखी जाएगी। दुकानदारों को राहत देने के लिए भुगतान किस्तों में करने की सुविधा भी दी जाएगी। इससे छोटे व्यापारियों पर एक साथ आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे धीरे-धीरे भुगतान कर अपनी दुकान का संचालन कर सकेंगे।

नोएडा से चीनी नागरिक गिरफ्तार, फर्जी पहचान पर 6 साल से चला रहा था हवाला रैकेट

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा से एक चीनी नागरिक की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े हवाला नेटवर्क का खुलासा किया है। आरोपी पिछले छह वर्षों से भारत में अपनी असली पहचान छिपाकर रह रहा था और कथित रूप से हवाला कारोबार संचालित कर रहा था। जांच में सामने आया कि उसने फर्जी दस्तावेजों की मदद से भारतीय पहचान हासिल कर ली थी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने नागालैंड के पते का उपयोग करते हुए फर्जी आधार कार्ड बनवाया, जिससे वह लंबे समय तक संदेह से बचा रहा।

एसटीएफ की जांच के दौरान आरोपी से जुड़े 12 बैंक खातों का पता चला है। इन खातों के माध्यम से बड़ी मात्रा में धन के लेनदेन की आशंका जताई जा रही है। जांच एजेंसियां खातों में हुए सभी वित्तीय लेनदेन की पड़ताल कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हवाला नेटवर्क कितना व्यापक था और किन-किन लोगों या संगठनों का इससे संबंध था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने भारत में रहने के दौरान कई पहचान संबंधी दस्तावेज तैयार कराए और उनका उपयोग विभिन्न गतिविधियों में किया। एसटीएफ अब उसके संपर्कों, आर्थिक लेनदेन, मोबाइल रिकॉर्ड तथा डिजिटल उपकरणों की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। यदि जांच में और सबूत मिलते हैं तो अतिरिक्त गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी का हवाला नेटवर्क केवल नोएडा और उत्तर प्रदेश तक सीमित था या इसके तार देश के अन्य राज्यों और विदेशों तक भी फैले हुए थे। बैंक खातों, मोबाइल डेटा और डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

अधिकारियों का मानना है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में कुछ स्थानीय लोगों या संगठित गिरोह की भी भूमिका हो सकती है। इसी आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह भी जांच रही हैं कि आरोपी ने भारत में रहते हुए किन-किन लोगों से संपर्क बनाए और अवैध धन का उपयोग किन गतिविधियों में किया।

रविवार रजिस्ट्री आदेश के विरोध में नोएडा वकीलों का आंदोलन जारी

15 सप्ताह से रजिस्ट्री कार्यालय बंद, बार एसोसिएशन ने रविवार व्यवस्था का किया विरोध

एजेंसी, नई दिल्ली

रजिस्ट्री कार्यालय को हर रविवार खोलने के शासन के आदेश का नोएडा बार एसोसिएशन लगातार विरोध कर रही है। विरोध के चलते रजिस्ट्री विभाग में कामकाज प्रभावित हो रहा है और पिछले करीब तीन महीने से एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी है। बार एसोसिएशन का कहना है कि रविवार को कार्यालय खोलने का निर्णय अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और शहरवासियों के हित में नहीं है।

नोएडा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण डेढ़ा ने बताया कि शासन की ओर से रजिस्ट्री कार्यालयों को हर रविवार खोलने का आदेश जारी किया गया था। इसी फैसले के विरोध में एसोसिएशन शुरुआत से ही आंदोलन कर रही है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद से अधिवक्ताओं और डीड राइटर्स ने काम बंद कर रखा है।

उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल से नोएडा में रविवार को रजिस्ट्री कार्यालय खोलने की व्यवस्था लागू की गई थी। इसके बाद अब तक 15 शनिवार और 15 रविवार बीत चुके हैं, लेकिन एक भी दिन रजिस्ट्री का काम नहीं हो सका। 25 जुलाई को 16वां शनिवार भी ऐसा ही रहा, जब रजिस्ट्री विभाग में कामकाज बंद रहा।

बार एसोसिएशन के विरोध के कारण राजस्व विभाग को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लगातार जारी हड़ताल को देखते हुए रजिस्ट्री विभाग के अधिकारियों ने कई बार अधिवक्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। प्रवीण डेढ़ा ने कहा कि सरकार का यह फैसला व्यावहारिक नहीं है। उनका कहना है कि रविवार को रजिस्ट्री कराने के लिए कई अन्य जरूरी काम भी जुड़े होते हैं। रजिस्ट्री प्रक्रिया में कई बार नकद लेन-देन की आवश्यकता होती है, जबकि रविवार को बैंक बंद रहते हैं। इसके अलावा कई अन्य सरकारी विभाग भी रविवार को बंद रहते हैं, जिससे

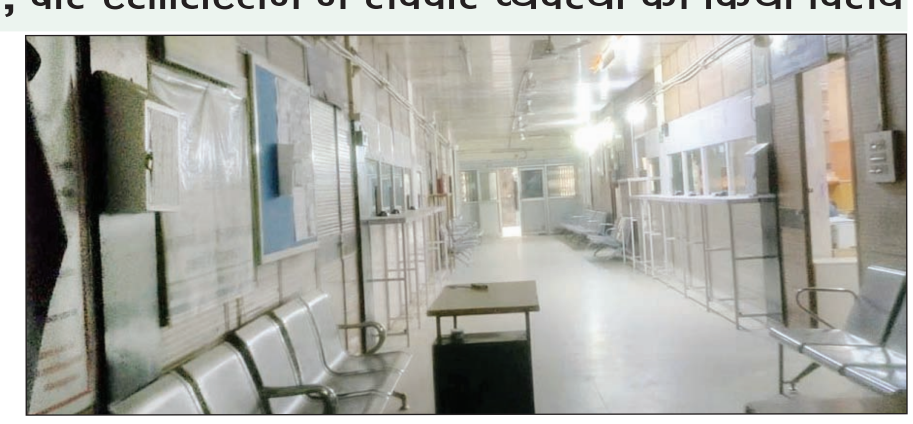
कार्यालय खोलने के फैसले से अधिवक्ता नाराज, राजस्व कार्यों पर पड़ा असर

लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार को रविवार को रजिस्ट्री कार्यालय खोलने के निर्णय को वापस लेना चाहिए। उनका कहना है कि यह व्यवस्था न तो अधिवक्ताओं के हित में है और न ही आम लोगों के लिए सुविधाजनक है।

लोगों की सुविधा के लिए लिया गया था फैसला :वहीं, सरकार की ओर से रविवार को रजिस्ट्री कार्यालय खोलने का निर्णय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। शासन का उद्देश्य था कि जो लोग नौकरी या अन्य कारणों से कार्य दिवसों में रजिस्ट्री नहीं करा पाते हैं, वे रविवार को भी यह काम पूरा कर सकें।

नए रोस्टर के अनुसार सब-रजिस्ट्रार कार्यालय दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक खोलने की व्यवस्था की गई थी। सेक्टर-33 स्थित उप निबंधन कार्यालय में तीन सब-रजिस्ट्रार तैनात हैं। इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी और जेवर में भी रजिस्ट्री कार्यालय संचालित हैं। रजिस्ट्री विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नोएडा में बड़ी संख्या में कामकाजी लोग रहते हैं, इसलिए रविवार को कार्यालय खोलने से उन्हें विशेष छुट्टी लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, अधिवक्ताओं के विरोध के चलते यह योजना अभी तक जमीन पर लागू नहीं हो सकी है।

जम्मू-कश्मीर में मेडिकल शिक्षा को बड़ी मजबूती, तीन वर्षों में बढ़ीं 490 सीटें

जेएंडके में तीन साल में 337 एमबीबीएस और 153 पीजी मेडिकल सीटें बढ़ीं: जेपी नड्डा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों के दौरान उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा में जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 से 2025-26 के बीच केंद्र शासित प्रदेश में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है।

इस अवधि में एमबीबीएस की कुल 337 नई सीटें जोड़ी गई हैं, जिससे इनकी संख्या 1,339 से बढ़कर 1,676 हो गई है। वहीं स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों की 153 नई सीटें बढ़ाई गई हैं, जिसके बाद पीजी सीटों की संख्या 662 से बढ़कर 815 हो गई है। सरकार का कहना है कि यह वृद्धि जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और स्थानीय विद्यार्थियों को बेहतर चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार लगातार चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही है।

जेपी नड्डा बोले, जम्मू-कश्मीर में मेडिकल सीटों का तेजी से हुआ विस्तार

जम्मू-कश्मीर में एमबीबीएस और पीजी सीटों में हुई यह वृद्धि स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है। इससे प्रदेश के युवाओं को बेहतर अवसर मिलने के साथ-साथ आने वाले वर्षों में क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार देशभर में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करने की नीति पर लगातार कर रही है काम: नड्डा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लोकसभा में जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देशभर में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करने की नीति पर लगातार काम कर रही है और जम्मू-कश्मीर भी इसी प्राथमिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, मौजूदा संस्थानों की क्षमता बढ़ाने, आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने तथा शिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार निवेश किया जा रहा है। इसका लाभ सीधे उन विद्यार्थियों को मिलेगा जो चिकित्सा क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। पहले सीमित सीटों के कारण अनेक विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था या उन्हें निजी संस्थानों में महंगी शिक्षा लेनी पड़ती थी। अब सीटों की संख्या बढ़ने से अधिक छात्रों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि मेडिकल सीटों में बढ़ोतरी का प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। अधिक संख्या में प्रशिक्षित डॉक्टर तैयार होने से सरकारी और निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा और जटिल बीमारियों के उपचार के लिए अन्य राज्यों पर निर्भरता भी कम होगी।

देश बलिदानी के परिवार के साथ खड़ा है: शाह

अमित शाह ने शहीद कुरैशी के परिवार को हरसंभव मदद का दिलाया भरोसा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमले के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी के परिवार के प्रति पूरे देश ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद के पुत्र अफसार से फोन पर बात कर उन्हें ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में पूरा देश उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। गृह मंत्री ने कहा कि शहीद आशिक हुसैन कुरैशी का बलिदान कभी भुलाया नहीं जाएगा और राष्ट्र उनके साहस व कर्तव्यनिष्ठा को हमेशा याद रखेगा।

अमित शाह ने बातचीत के दौरान अफसार से हिम्मत बनाए रखने की अपील की और कहा कि केंद्र सरकार शहीद परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने परिवार को विश्वास दिलाया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी रहेगी और किसी भी प्रकार की जरूरत पड़ने पर पूरा सहयोग दिया जाएगा। गृह मंत्री के इन शब्दों ने शहीद परिवार को भावनात्मक संबल देने का काम किया।

अमित शाह ने शहीद कुरैशी के बेटे से की बात

इस बीच जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी शहीद आशिक हुसैन कुरैशी के घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शहीद की पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों से बातचीत की तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनके परिवार के कल्याण के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

उपराज्यपाल ने भी संवेदना जताई

उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शहीद हुए जवानों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता और उनके परिवारों की देखभाल सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अनंतनाग में हुआ यह आतंकी हमला एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चुनौती को सामने लेकर आया है।

आतंकियों की तलाश में व्यापक अभियान चला रही हैं एजेंसियां

इस हमले में हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी ने बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनकी शहादत ने पूरे देश को भावुक कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां हमले के पीछे शामिल आतंकियों की तलाश में व्यापक अभियान चला रही हैं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत कर दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व डीएसपी देविंदर सिंह की अंतरिम जमानत खारिज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत, जम्मू ने पूर्व डीएसपी देविंदर सिंह की 20 दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि अदालत ने मानवीय आधार पर उन्हें अपने दिवंगत पिता के अंतिम संस्कार और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए पांच दिन की कस्टडी पैरोल मंजूर की है। अदालत के आदेश के अनुसार उन्हें कड़ी पुलिस सुरक्षा में श्रीनगर ले जाया जाएगा।

कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने श्रीनगर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ, द्रास के लिए रवाना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए श्रीनगर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय लद्दाख दौरे पर आए हैं, जहां वे 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। अधिकारियों ने अनुसार रक्षा मंत्री को हवाई मार्ग से सीधे द्रास पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

नशा तस्करों पर श्रीनगर पुलिस का बड़ा वार 2.74 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नशा मुक्ति जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी पर अपनी कार्रवाई तेज करते हुए श्रीनगर पुलिस ने शनिवार को मादक औषधि एवं मनोविकृत पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत लगभग 2.74 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त कर ली जिससे मादक पदार्थों के तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। जब्त की गई संपत्ति में एक दो मंजिला आवासीय मकान और उससे लगी हुई 12 मरला जमीन शामिल है जो आरोपी मुबाशिर अहमद हकीम पुत्र अब्दुल हामिद हकीम निवासी अवंता भवन सौरा श्रीनगर की है।

चिनाब नदी का जलस्तर अब घटकर करीब 29 फीट पर पहुंचा, लोगों ने ली राहत की सांस

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू जिले के उपजिला अखनूर के जिया पोत घाट पर चिनाब नदी का जलस्तर अब घटकर करीब 29 फुट पर पहुंच गया है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण नदी किनारे बसे गांवों में दहशत का माहौल था लेकिन जलस्तर में आई गिरावट से लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि एसडीआरएफ के जवान और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हैं। टीम लगातार नदी पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अपील कर रही है कि वे किसी भी स्थिति में चिनाब नदी के किनारे न जाएं तथा प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें।

जम्मू-कश्मीर के सांबा और कठुआ में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू

भारतेंदु संवाददाता, सांबा। जम्मू-कश्मीर के सांबा और कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार देर रात सांबा के विजयपुर इलाके में टैरोर गांव के ऊपर सेना के जवानों ने हवा में एक चीज देखी, जिसके पाकिस्तानी ड्रोन होने का शक था। इसके बाद ड्रोन-रोधी उपाय शुरू किए गए। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि ड्रोन वापस पाकिस्तान चला गया है।

छह दिनों से रुकी अमरनाथ यात्रा शनिवार को जम्मू से फिर शुरू, 18वें जत्थे में 6,269 तीर्थयात्री शामिल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खराब मौसम के कारण छह दिनों तक रुकी रही सालाना अमरनाथ यात्रा शनिवार को जम्मू से फिर शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 6,000 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था भगवती नगर बेस कैंप से कश्मीर घाटी में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 19 जुलाई को जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण एहतियात के तौर पर यात्रा रोक दी गई थी। यह रोक खासकर 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर तक जाने वाले दो रास्तों - अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम रास्ता और गांदरबल जिले में छोटा 14 किलोमीटर लंबा बालटाल रास्ता पर लगाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इस 18वें जत्थे में 6,269 तीर्थयात्री शामिल हैं जिनमें 1,470 महिलाएं, 25 बच्चे और 54 साधु हैं।

सीमा पार नार्को-टेरर नेटवर्क पर ईडी का बड़ा अभियान

एलओसी और पंजाब सीमा के पास नौ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, नार्को-टेरर नेटवर्क पर कसा शिकंजा

◆ पाकिस्तान से ड्रग तस्करी के पैसों से आतंक फंडिंग का शक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में नार्को-टेरर फंडिंग से जुड़े एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। यह अभियान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास स्थित ठिकानों पर चलाया गया। जांच का उद्देश्य

नशा तस्करी के जरिए जुटाई गई अवैध धनराशि के आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने के आरोपों की पड़ताल करना है।

ईडी के अनुसार यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जम्मू सब-जोनल कार्यालय द्वारा की गई। जांच जम्मू-कश्मीर पुलिस और पंजाब पुलिस की ओर से दर्ज मामलों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। एजेंसी को संदेह है कि पाकिस्तान से हेरोइन और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी कर जुटाई गई रकम का उपयोग सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क को वित्तीय सहायता पहुंचाने में किया जा रहा था।

तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं। इनकी जांच के आधार पर धन के स्रोत, लेनदेन की श्रृंखला और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जाएगी।

कटड़ा-श्रीनगर रेल सेवा को मिली रफ्तार, यात्रियों के लिए दो विशेष ट्रेनें शुरू

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने कटड़ा-श्रीनगर रेलखंड पर दो विशेष ट्रेन सेवाएं शुरू की हैं। इस कदम से जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। खासकर वैष्णो देवी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और कश्मीर जाने वाले पर्यटकों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। रेलवे के अनुसार, ये दोनों विशेष ट्रेनें अस्थायी समय-सारिणी के तहत चलाई जाएंगी। परिचालन संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए इनके समय में बदलाव भी किया जा सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक जानकारी से ट्रेन के समय की पुष्टि जरूर कर लें। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, पहली विशेष ट्रेन दोपहर 2:30 बजे संगलदान रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन अपने सफर के दौरान बनिहाल और अनंतनाग रेलवे स्टेशनों पर निर्धारित ठहराव करेगी।

सरवाल पुलिस पोस्ट हमले मामले में सात लोगों पर चार्जशीट दाखिल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सरवाल पुलिस पोस्ट पर हुए हमले, पुलिसकर्मियों से मारपीट, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस हिरासत से आरोपी को छुड़ाने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने वीनू खन्ना समेत सात लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट बख्शी नगर थाना पुलिस की ओर से न्यायालय में पेश की गई है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला 4 मई 2024 का है, जब सरवाल पुलिस पोस्ट में एक शिकायत की जांच चल रही थी। इसी दौरान आरोपितों ने कथित रूप से पुलिस अधिकारियों के साथ बहस की और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि स्थिति बिगड़ने के बाद आरोपितों ने पुलिस पोस्ट के मुख्य

द्वार को क्षतिग्रस्त कर जबरन अंदर प्रवेश किया और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की।

पुलिस ने आरोप लगाया है कि इस दौरान सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा पुलिस हिरासत में मौजूद एक आरोपित को छुड़ाकर ले जाने का भी मामला सामने आया। मामले की जांच पूरी करने के बाद पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। इस केस में प्रदीप खन्ना, वीनू खन्ना, राजेश्वर खन्ना, आदित्य खन्ना, पार्थ खन्ना, प्रणव खन्ना और रजनीश कुमार को आरोपित बनाया गया है।

मनोज सिन्हा ने रीडिंग मैराथन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को यहाँ शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में पाँच किलोमीटर लंबी रीडिंग मैराथन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने युवाओं से नशीली दवाओं से दूर रहने, जीवन भर पढ़ने की आदत डालने और एक हरे-भरे और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। छात्रों, शिक्षकों, शिक्षाविदों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने रीडिंग मैराथन को ज्ञान, शारीरिक फिटनेस और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी का एक अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि यह मैराथन ज्ञान प्राप्त करने की संस्कृति और प्रकृति के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी का संगम है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भर के सैकड़ों छात्रों द्वारा दिखाया गया उत्साह इस क्षेत्र के युवाओं की अपार क्षमता को दर्शाता है।

7 दिन बाद फिर शुरू हुई माता वैष्णो देवी यात्रा, पुराने मार्ग से रवाना हुए श्रद्धालु

मौसम सुधरने के बाद फिर शुरू हुई यात्रा, कटड़ा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। एक सप्ताह तक खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से स्थगित रहने के बाद शनिवार को श्री माता वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू कर दी गई। मौसम में आंशिक सुधार के बाद श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड प्रशासन ने सुबह करीब सात बजे यात्रा बहाल करने का फैसला लिया। यात्रा शुरू होने की खबर मिलते ही कटड़ा पहुंचे श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में भक्त पंजीकरण केंद्रों पर पहुंचने लगे। श्रद्धालु माता रानी के जयकारों के साथ भवन की ओर रवाना हुए।

हालांकि, यात्रा बहाल होने के कुछ ही देर बाद सुबह करीब साढ़े आठ बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने कुछ समय के लिए पंजीकरण प्रक्रिया रोक दी। बारिश रुकने के बाद करीब दस बजे पंजीकरण दोबारा शुरू किया गया और श्रद्धालुओं को सावधानी के साथ यात्रा मार्ग पर भेजा गया।

चिनाब की बाढ़ में बहा लाखों का खजाना, कीमती लकड़ियां पहुंचीं पाकिस्तान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी में आई भीषण बाढ़ ने न केवल जनजीवन को प्रभावित किया है, बल्कि सरकार को आर्थिक नुकसान भी पहुंचाया है। बाढ़ के तेज बहाव में देवदार, चीड़ और अन्य बहुमूल्य लकड़ियां बह गईं, जिनकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। तेज धार के कारण बड़ी मात्रा में लकड़ी चिनाब नदी के

रास्ते बहते हुए पाकिस्तान की ओर चली गई, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। चिनाब नदी ऐतिहासिक रूप से लकड़ी के परिवहन का एक महत्वपूर्ण माध्यम रही है। पहले इसी नदी के जरिए लकड़ियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जाता था।

भारी बारिश के चलते 27 जुलाई तक सभी स्कूल बंद

लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के चलते स्कूल बंद रखने का आदेश जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और खराब मौसम को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों में जारी ग्रीष्मकालीन अवकाश को 27 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है। प्रशासन का कहना है कि इस समय विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौसम की स्थिति सामान्य होने और हालात बेहतर होने के बाद ही स्कूलों को दोबारा खोलने पर निर्णय लिया जाएगा।

लगातार बारिश के कारण जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। कई स्थानों पर सड़कें प्रभावित हुई हैं और यातायात व्यवस्था भी बाधित हुई है। ऐसे हालात में बच्चों को स्कूल भेजना जोखिम भरा हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने सभी स्कूल प्रबंधन को

◆ आदेश नहीं मानने वाले निजी स्कूलों पर होगी सख्त कार्रवाई

छुट्टियां जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

सरकार के आदेश के बावजूद कुछ निजी स्कूलों के संचालन की शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। सुंदरबनी जोन में कुछ निजी विद्यालयों के सरकारी आदेश का पालन नहीं करने की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। अतिरिक्त उपायुक्त सुंदरबनी के निर्देश पर जोनल शिक्षा अधिकारी ने क्षेत्र के विभिन्न निजी विद्यालयों का निरीक्षण किया।

हालांकि निरीक्षण के दौरान कोई भी निजी विद्यालय खुला नहीं मिला, लेकिन प्रशासन ने स्कूल प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में यदि कोई भी स्कूल सरकार और शिक्षा विभाग के आदेशों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जोनल शिक्षा अधिकारी ने सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधन समितियों को निर्देश दिए हैं कि वे सरकारी आदेशों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बच्चों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। प्रशासन लगातार मौसम की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें संवेदनशील इलाकों में सक्रिय हैं।

कंबोडिया जॉब स्कैम: विदेश में नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी, आरोपी पर चार्जशीट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। विदेश में आकर्षक नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने और युवाओं को फर्जी रोजगार के जाल में फंसाने वाले एक मामले में जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू ने कंबोडिया जॉब स्कैम मामले में आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी ने एक कश्मीरी युवक को विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। आरोपी ने पीड़ित को हर महीने करीब 90 हजार रुपये वेतन मिलने का लालच दिया और इसके बदले उससे लाखों रुपये की रकम ऐंठ ली। इसके बाद युवक को कंबोडिया भेज दिया गया, जहां कथित रूप से उसे ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के साथ काम

◆ नौकरी का सपना दिखाकर ठगे लाखों, आरोपी अदालत पहुंचा

करने के लिए मजबूर किया गया।

मामले की जांच के दौरान आर्थिक अपराध शाखा ने कई महत्वपूर्ण तथ्यों को जुटाया। जांच एजेंसी ने पीड़ित के बयान, वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों के आधार पर आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि विदेश में नौकरी के नाम पर चल रहे ऐसे फर्जी नेटवर्क युवाओं को निशाना बनाकर उनसे पैसे ऐंठते हैं और बाद में उन्हें अवैध गतिविधियों में धकेल देते हैं।

क्राइम ब्रांच ने लोगों से अपील की है कि विदेश में नौकरी के ऑफर को स्वीकार करने से पहले संबंधित कंपनी और एजेंट की पूरी जानकारी की जांच करें। बिना सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को पैसे देने से बचें, क्योंकि ऐसे मामलों में कई युवा ठगी का शिकार हो रहे हैं।

आपदा | लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, 32 लोगों की मौत, मचैल यात्रा अगले आदेश तक स्थगित

32 लोगों की मौत, जेएंडके में बारिश और भूस्खलन का कहर जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। खराब मौसम के कारण अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। लगातार हो रही बारिश से नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया था, हालांकि शुक्रवार दोपहर के बाद मौसम में कुछ सुधार देखने को मिला और कई इलाकों में धूप खिली। इसके बावजूद प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि मौसम विभाग ने 28 से 30 जुलाई के बीच जम्मू संभाग के कई जिलों में फिर से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने मचैल यात्रा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बारिश और भूस्खलन का सबसे अधिक असर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखने को मिला। उधमपुर जिले के देवल क्षेत्र में भारी मलबा और चट्टानें सड़क पर आने के कारण यह महत्वपूर्ण राजमार्ग दो दिनों तक बंद रहा। लगातार राहत एवं बचाव कार्य के बाद सड़क से मलबा हटाया गया और शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे राजमार्ग को एकतरफा यातायात के लिए खोल दिया गया। पहले चरण में छोटे वाहनों को श्रीनगर, डोडा, भद्रवाह और किश्तवाड़ की ओर रवाना किया गया, जिससे रास्ते में फंसे हजारों यात्रियों को राहत मिली। शाम तक दोनों दिशाओं में सीमित संख्या में वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई। प्रशासन का कहना है कि यदि मौसम सामान्य रहा तो राजमार्ग को पूरी तरह बहाल करने का प्रयास किया जाएगा।

उधमपुर जिले के बरकुंडा क्षेत्र में भूस्खलन की वजह से तीन मकान इसकी चपेट में आ गए। राहत की बात यह रही कि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि मकानों को काफी नुकसान पहुंचा है और प्रभावित परिवारों को अस्थायी राहत शिविरों में ठहराया गया है। प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा कर रही हैं और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इसके अलावा कई ग्रामीण इलाकों में सड़कें बंद होने से लोगों का संपर्क भी प्रभावित हुआ है, जिन्हें जल्द से जल्द बहाल करने के लिए मशीनें लगाई गई हैं।

लगातार बारिश के कारण झेलम, चिनाब और अन्य प्रमुख नदियों का जलस्तर पहले काफी बढ़ गया था, जिससे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई थी।

28 से 30 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी

लगातार हो रही बारिश से नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया था, हालांकि शुक्रवार दोपहर के बाद मौसम में कुछ सुधार देखने को मिला और कई इलाकों में धूप खिली। इसके बावजूद प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि मौसम विभाग ने 28 से 30 जुलाई के बीच जम्मू संभाग के कई जिलों में फिर से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने मचैल यात्रा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बारिश और भूस्खलन का सबसे अधिक असर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखने को मिला।

न्यूज ब्रीफ

चंगरपलासनी में आज बंद रहेगी बिजली

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सहायक अधिशाषी अभियंता विद्युत उप मंडल-1 ई. सन्नी जगोता ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई को जबली अनुभाग के 11 केवी फीडर कोठीपुरा के अंतर्गत जेपन्वी सपर के साथ लगती 33 केवी लाइन जबली से नम्होल पर बिजली की लाइनों पर आवश्यक कार्य किया जाना है। जिसके चलते साथ लगते कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 26 जुलाई को जबली अनुभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र जवाहर नवोदय विद्यालय चंगरपलासनी तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि शटडाउन मौसम पर निर्भर रहेगा तथा लोगों से सहयोग की अपील की है।

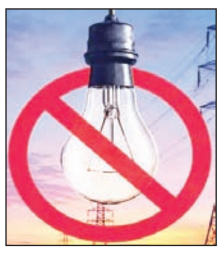

स्वारघाट टनल-1 से मंडी भराड़ी तक यातायात बंद, मरीजों व यात्रियों को झेलनी पड़ी दिक्कत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कीरतपुर-मनाली फोरलेन के तहत स्वारघाट कैंची मोड़ टनल-1 से मंडी भराड़ी चौक तक शुक्रवार को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक यातायात बंद रहा। निर्माण कार्य के चलते वाहनों को पुराने चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग से भेजा गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुराने मार्ग की खराब हालत, गड्ढों, संकरी सड़क और तीखे मोड़ों के कारण सफर कठिन हो गया। यात्रियों को करीब 40 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ी। दोपहर बाद सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने से कई स्थानों पर लंबा जाम लग गया। सबसे अधिक परेशानी एम्स बिलासपुर जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को हुई। इसके अलावा विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग और अन्य यात्री भी समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच सके।

एमएसएमई उद्यमियों ने डिजिटल तकनीक व सरकारी खरीद प्रक्रियाओं की ली जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उद्योग विभाग के रैंप कार्यक्रम के तहत घुमारवीं में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, जेम एवं सीपीपी पोर्टल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देना और सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना रहा। कार्यशाला में जिला भर के 70 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उद्योग केंद्र बिलासपुर के महाप्रबंधक मनोज कुमार और एसोसिएशन अध्यक्ष प्रेम डोगरा ने की। प्रशिक्षक कोविद शर्मा ने उद्योग 4.0, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमेशन, डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया और गुणवत्ता सुधार जैसे विषयों की जानकारी दी। वहीं जेम विशेषज्ञ संजय शर्मा और अविनाश शर्मा ने जेम पोर्टल पंजीकरण, बोली प्रक्रिया और सरकारी खरीद अवसरों की जानकारी दी। महाप्रबंधक मनोज कुमार ने उद्यमियों से जेम पोर्टल पर पंजीकरण करवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे एमएसएमई को बड़ा बाजार मिलेगा और भुगतान प्रक्रिया भी बेहतर होगी। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उद्यमियों ने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर उद्योग केंद्र के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जन समस्याओं का समयबद्ध निपटारा प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : धर्माणी

मंत्री ने घुमारवीं में जनशिकायतें सुनकर अधिकांश मामलों का मौके पर किया निपटारा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि जन समस्याओं का समयबद्ध निपटारा प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार न केवल लोगों की जन समस्याओं को गंभीरता से सुन रही है बल्कि त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी जारी किये जा रहे हैं ताकि आमजन को असुविधाओं का सामना न करना पड़े। राजेश धर्माणी आज लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जन समस्याएं सुन रहे थे।

उन्होंने इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की जन समस्याओं को सुना तथा अधिकांश का मौके पर ही समाधान करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हो सका है, उनके शीघ्र एवं प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है ताकि आम जनता को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल शक्ति, लोक निर्माण तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने तथा अवरुद्ध एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की तुरंत बहाली सुनिश्चित बनाने को भी कहा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था लगातार बनी रहे और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित बनाए रखने के भी निर्देश दिये।

धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की ढील स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विकास परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए ताकि लोगों को समयबद्ध लाभ सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

लेटरल एंट्री बी फार्मेसी, बी टेक और बी आर्क की काउंसलिंग का शेड्यूल जारी

- एमटेक व एम फार्मेसी की काउंसलिंग भी तय, 29 को आवंटित होंगी सीटें

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री), बीटेक (लेटरल एंट्री), बी आर्क, एमटेक, एम फार्मेसी की काउंसलिंग का ऑनलाइन और ऑफलाइन शेड्यूल जारी किया है। बी फार्मेसी व बीटेक (लेटरल एंट्री) की पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग 29 जुलाई होगी। दूसरे चरण की काउंसलिंग तीन अगस्त को प्रस्तावित है।

वहीं, बी आर्क की ऑनलाइन काउंसलिंग के पहले चरण की सीटें भी 29 जुलाई को नाटा के मेरिट पर आवंटित की जाएंगी। इसके अलावा बी आर्क की दूसरे चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग एक अगस्त को और तीसरे चरण की काउंसलिंग चार अगस्त को राजीव गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा में होगी। एमटेक की पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग 29 जुलाई को होगी, जबकि दूसरे चरण की काउंसलिंग ऑनलाइन होगी, जो संबंधित शिक्षण संस्थान में होगी। जहां उपरोक्त विषयों में एमटेक कोर्स चलता है। तीसरे चरण की काउंसलिंग चार अगस्त को संबंधित शिक्षण संस्थान में ही होगी।

एम फार्मेसी की ऑनलाइन काउंसलिंग का पहला चरण 28 जुलाई को प्रस्तावित है। एम फार्मेसी का दूसरा और तीसरा चरण ऑनलाइन होगा, जो 31 जुलाई और चार अगस्त को संबंधित शिक्षण संस्थान में प्रस्तावित रहेगा। तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि बी फार्मेसी, बीटेक (लेटरल एंट्री), बी आर्क, एमटेक और एम फार्मेसी की काउंसलिंग का ऑनलाइन व ऑफलाइन शेड्यूल जारी कर दिया है। जिन अभ्यर्थियों ने उपरोक्त कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन किया है, वे काउंसलिंग शेड्यूल तकनीकी विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थी एक माह में करवाएं ई-केवाईसी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों को सत्यापन (ई-केवाईसी) के लिए अंतिम अवसर प्रदान करते हुए एक माह में यह प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया गया है।

विभागीय प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि जिला कल्याण अधिकारी व तहसील कल्याण अधिकारी के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से विभाग द्वारा जुलाई, 2025 से ई-केवाईसी का कार्य आरम्भ किया गया था। इसके लिए पूर्व में सत्यापन की अंतिम तिथि 28 फरवरी, 2026 निर्धारित की गई थी और विभाग के अथक प्रयासों के फलस्वरूप कुल 7,84,976 लाभार्थियों की आधार आधारित ई-केवाईसी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि यह ध्यान में आया है कि अभी भी कुछ पेंशनर अपना ई-केवाईसी सत्यापन नहीं कर सके हैं जिस कारण वे पेंशन सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे सामाजिक सुरक्षा पेंशनर जिन्होंने अभी तक अपना (ई-केवाईसी) सत्यापन नहीं किया है वे सम्बधित तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय में जा कर एक माह के भीतर इसे सुनिश्चित करवाएं। इस अंतिम अवसर के उपरांत, पेंशन लाभार्थी द्वारा अपनी ई-केवाईसी सत्यापन नहीं करने की स्थिति में यह समझ जाएगा कि पेंशनर अनुपलब्ध है अथवा सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी असहाय पेंशनभोगी का आधार कार्ड किसी कारण से नहीं बना है या उसे अपडेट करने की आवश्यकता है, तो इस बारे में संबंधित जिला कल्याण अधिकारी व तहसील कल्याण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि ई-केवाईसी सत्यापन से संबंधित आवश्यक जानकारी के लिए प्रार्थी अपने नजदीकी जिला कल्याण अधिकारी अथवा तहसील कल्याण अधिकारी से संपर्क करें।

पुलिस ने दो मामलों में 29.850 ग्राम चिट्टे के साथ दो दबोचे

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुन्दरनगर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में 29.850 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में पुलिस थाना सुन्दरनगर में एफआईआर संख्या 153/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी यशपाल निवासी धडवाहन, तहसील बल्ह, जिला मंडी के कब्जे से 20 ग्राम चिट्टा बरामद किया। दूसरे मामले में एफआईआर संख्या 175/2026 के तहत कार्रवाई करते हुए, पुंघ फोरलेन पर नाके के दौरान दिल्ली-मनाली रूट की एचआरटीसी बस की जांच की गई। इस दौरान महिला यात्री पिंकी निवासी सदर, जिला मंडी के हैंडबैग से 9.850 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों मामलों में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज की हो न्यायिक जांच

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की जिला इकाई ने उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजकर दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च कर रहे छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस बल प्रयोग, लाठीचार्ज और अन्य घटनाओं की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा गया कि छात्र परीक्षा अनियमितताओं, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे। ऐसे में यदि प्रदर्शन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष, समयबद्ध और स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। यूनियन ने सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त अथवा कार्यरत न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई, सादे कपड़ों में कार्रवाई करने वाले व्यक्तियों की पहचान, महिला प्रदर्शनकारियों से कथित दुर्व्यवहार की विशेष जांच तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों की समीक्षा कर उचित मामलों में उन्हें वापस लेने की भी मांग की गई है।

रोगी कल्याण समिति के कर्मियों को तीन महीने से नहीं मिला वेतन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता उपमंडल के सरकारी अस्पतालों में रोगी कल्याण समिति के तहत कार्यरत कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित रूप से अपनी सेवाएं देने के बावजूद भुगतान लंबित रहने से कर्मचारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि मानदेय के अभाव में परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों के अनुसार वे अस्पतालों में अपनी जिम्मेदारियों का नियमित रूप से निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन पिछले तीन महीनों से मानदेय जारी नहीं हुआ है। इससे उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हो रही है। कई कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए उधार का सहारा लेना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रखी, लेकिन लंबे समय तक मानदेय जारी नहीं होने से उनकी चिंता बढ़ गई है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जल्द से जल्द बकाया राशि जारी करने की मांग की है ताकि आर्थिक संकट से राहत मिल सके। इस मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी झंडूता डॉ. अतुल भारद्वाज ने बताया कि आरकेएस कर्मचारियों के लंबित मानदेय को जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वीरवार को इस संबंध में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और अगले दो दिनों के भीतर कर्मचारियों के बैंक खातों में तीन माह का लंबित मानदेय भेज दिया जाएगा।

दो साल बाद आए पानी के बिल, बढ़ी राशि देख उपभोक्ताओं के उड़े होश

138 की जगह अब देने होंगे 578 रुपए

- जल शक्ति विभाग ने शुरू की बिलिंग प्रक्रिया
- तीन-तीन माह के अंतराल पर भेजे जाएंगे बिल
- कमर्शियल उपभोक्ताओं को हर माह 7000 से अधिक बिल की तैयारी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जल शक्ति विभाग द्वारा लगभग दो साल के बाद पानी के बिल देने का सिलसिला शुरू किया है। बढ़ी हुई राशि की नोटिफिकेशन के आधार पर अब उपभोक्ताओं को 138 रुपए की बजाए 444 रुपए देने होंगे। इसके अलावा 30 प्रतिशत सीवरेज के चार्जिज भी देने होंगे। जल शक्ति विभाग ने अभी हमीरपुर शहर के वार्ड नंबर एक, 3 और 4 में पानी के बिल दिए हैं जिन्हें लोग जमा करवाने के लिए आ रहे हैं। पिछले दो साल से पानी के बिल और सीवरेज के बिल उपभोक्ताओं को नहीं दिए और इसकी रिकवरी शुरू कर दी है। वर्ष 2024 में जो नोटिफिकेशन हुई थी, तब प्रति कनेक्शन उपभोक्ताओं के बिलों में इजाफा किया गया था, लेकिन इन्हें तब लागू क्यों नहीं किया गया, इस पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। अब इस वर्ष 2024 की नोटिफिकेशन को अमली-जामा पहना दिया गया है। इसके मुताबिक पहली अक्तूबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक 3 महीनों का पहला बिल उपभोक्ताओं को दिया गया है। तीन-तीन महीने के यह बिल कितने कितने गैप के बाद उपभोक्ताओं को भेजे जाएंगे। जल शक्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2024 के बाद यानी जनवरी 2025 से अभी तक की अवधि के बकाया सभी बिलों का भुगतान उपभोक्ताओं को करना पड़ेगा।

कमर्शियल उपभोक्ता को भी लगेगा झटका

शहरी क्षेत्र में कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए जल शक्ति विभाग के बिल किसी झटके से कम नहीं होने वाले हैं। जब उपभोक्ताओं को 7 हजार रुपए से अधिक का बिल उन्हें थमाया जाएगा। जारी की गई अधिसूचना के अनुसार प्रति कनेक्शन बढ़ाई गई राशि 7000 से अधिक का बिल इन्हें थमाया जाएगा। इसमें होटल, ढाबे, चाय वाले तमाम उपभोक्ता शामिल होंगे। यह सभी बिल शिमला से एनआईसी द्वारा तीन तीन महीने के अंतराल में काटे जाएंगे। हमीरपुर नगर निगम के तहत अभी पुराने सभी 11 वार्डों में इन बिलों को भिजवाने का क्रम शुरू हो गया है। वार्ड नंबर 1,3 और 4 में बिल तैयार करके उन्हें भिजवा दिए हैं। उपभोक्ता दौड़े-दौड़े विभाग के कार्यालय पहुंच रहे हैं और बढ़ी हुई राशि के बारे में पूछ रहे हैं। अभी जो इलाके पुरानी नगर परिषद में नगर निगम में मर्ज किए गए हैं, उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है। यानी उन्हें किसी भी तरह के बिल नहीं दिए जाएंगे। जल शक्ति विभाग के स्थानीय एसडीओ राकेश कुमार का कहना है कि हमीरपुर में तकरीबन 5600 उपभोक्ता हैं जिन्हें नोटिफिकेशन में तय दरों के मुताबिक बिल भेजने का काम शुरू हो गया है। अभी वार्ड नंबर 1, 3 और 4 में बिल भेजे जा रहे हैं। बारी-बारी से सभी 11 वार्डों में इन्हें भेजा जाएगा। कमर्शियल उपभोक्ताओं के बिल अभी तैयार नहीं हो रहे। लेकिन इसमें तकरीबन ₹7000 प्रतिमाह बिल उनका भी रहेगा।

बिलासपुर निहाल में नई सब्जी मंडी के निर्माण को बोर्ड ने दी मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर के निहाल में प्रस्तावित नई सब्जी मंडी के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। हिमाचल प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड ने मंडी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 2 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस मंडी के लिए अब टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर की ओर से तैयार प्रस्ताव के अनुसार मंडी में आठ दुकानें बनाई जाएंगी। इसके अलावा किसानों की सुविधा के लिए शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था भी होगी। नई मंडी बनने से किसानों और सब्जी कारोबारियों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। वर्तमान में सब्जी मंडी बस स्टैंड के समीप संचालित हो रही है। इसके आसपास मीट मार्केट होने के कारण लंबे समय से मंडी को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठती रही है। कृषि उपज मंडी समिति के अध्यक्ष सतपाल ने बताया कि बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निर्माण पूरा होने के बाद लोगों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

एम्स बिलासपुर में गंभीर पशु-काटने के मरीजों को मिलेगी बेहतर उपचार सुविधा

- कुत्ते-बंदर के काटने पर अब नहीं होगी देरी
- एम्स बिलासपुर में रेबीज से बचाव की मजबूत व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कुत्ते, बंदर या अन्य संक्रमित एवं संदिग्ध जानवरों के काटने से गंभीर रूप से घायल मरीजों के लिए एम्स बिलासपुर ने उपचार सुविधाओं को और सशक्त बनाया है। अब अस्पताल में गंभीर पशु-काटने के मामलों में उपयोग होने वाली एंटी रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन (RIG) उपलब्ध रहेगी, जिससे मरीजों को समय पर आवश्यक उपचार मिल सकेगा। यह दवा रेबीज संक्रमण की आशंका वाले गंभीर मामलों में जीवनरक्षक मानी जाती है।

रेबीज एक घातक वायरल बीमारी है, जो संक्रमित जानवर की लार के संपर्क से फैलती है। कुत्ते या बंदर के काटने, गहरी खरोंच लगने या खुले घाव पर संक्रमित जानवर की लार लगने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक बार रेबीज के लक्षण विकसित होने के बाद इसका इलाज बेहद कठिन हो जाता है, इसलिए समय पर बचाव उपचार ही सबसे प्रभावी उपाय है। एंटी रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन शरीर को वायरस के खिलाफ तत्काल सुरक्षा प्रदान करता है। चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के अनुसार इसे घाव के आसपास लगाया जाता है, जिससे वायरस को तंत्रिका तंत्र तक पहुंचने से पहले निष्क्रिय करने में मदद मिलती है। इसके साथ मरीज को रेबीज वैक्सीन भी दी जाती है।

एम्स बिलासपुर में इस सुविधा के शुरू होने से बिलासपुर सहित आसपास के जिलों के मरीजों को भी बड़ी राहत मिलेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी जानवर के काटने या गहरी खरोंच को नजरअंदाज न करें। घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से लगभग 15 मिनट तक धोएं और बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान पहुंचकर चिकित्सकीय सलाह एवं आवश्यक उपचार अवश्य लें।

नादौन का मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम बनेगा राष्ट्रीय खेलों का नया केंद्र

- स्टेडियम तैयार होते ही होगा राष्ट्रीय स्तर का भव्य खेल आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला के नादौन विधानसभा क्षेत्र में बनने जा रहे मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम से पूरे हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस उत्कृष्ट खेल स्टेडियम में विभिन्न पद सृजित किए हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ के पूर्व संयुक्त सचिव एवं पूर्व बैडमिंटन के राष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच रजिंदर शर्मा ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का अपनी और खिलाड़ियों की ओर से आभार व्यक्त किया है तथा इन सभी ने मांग की है कि इस उत्कृष्ट खेल सेंटर में सभी इंडोर गेम्स के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दिया जाये और साथ में जिस प्रकार से सरकार ने जुब्बल में स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स खोला है उसी तर्ज पर इस खेल केंद्र को भी शुरू किया जाए।

सरकार द्वारा खेलो हिमाचल की शुरुआत एक अच्छी पहल है। प्रदेश का युवा खेलों से जुड़ कर इस प्रदेश को आगे बढ़ाने और नशा मुक्त करने में अपना योगदान देगा। प्रदेश के विभिन्न पूर्व और वर्तमान राष्ट्रीय खिलाड़ियों चन्द्र, विजय, अनूप, रितिका, सुहानी, दिव्य, अंजलि, करण चैधरी, सुनील राव, दातुल चैहान, पलक, वसुधा आदि ने सरकार और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह का धन्यवाद किया है। राजिंद्र शर्मा ने कहा जैसे ही यह इंडोर स्टेडियम पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा वहां एक बहुत ही बड़ा आयोजन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का करवाया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू उस राष्ट्र स्तर के इवेंट के मुख्य अतिथि होंगे।

नए विद्यार्थियों को शैक्षणिक वातावरण से करवाया परिचित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन एवं इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, नियमों, सुविधाओं तथा विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए किया। उन्होंने अनुशासन, नियमित अध्ययन, नैतिक मूल्यों तथा व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही विद्यार्थियों को कौशल विकास, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, एनएसएस, एनसीसी, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और छात्रवृत्ति योजनाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पुस्तकालय, छात्र सहायता सेवाओं, एंटी-रैगिंग नियमों एवं परिसर की अन्य सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं आचार्य उपस्थित रहे।

पहल उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित, स्टेकहोल्डर्स की समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रदेश का पहला आइलैंड टूरिज्म प्रोजेक्ट अगले माह होगा शुरू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का पहला आइलैंड टूरिज्म प्रोजेक्ट जिला बिलासपुर की गोविंद सागर झील स्थित ज्योरी पत्तन में आगामी एक माह के भीतर पर्यटकों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से बिलासपुर को इको टूरिज्म, वॉटर स्पोर्ट्स, एयरो स्पोर्ट्स और एडवेंचर टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

उपायुक्त आज यहां सोसायटी फॉर टूरिज्म, स्पोर्ट्स, ट्रेड एंड एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि आइलैंड टूरिज्म परियोजना के तहत गोविंद सागर झील के मध्य स्थित प्राकृतिक द्वीपों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर्यटकों के लिए आधुनिक एवं आरामदायक आवास की व्यवस्था होगी, जहां वे प्राकृतिक वातावरण के बीच सुकून भरा समय व्यतीत कर सकेंगे। पर्यटकों को नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें स्थानीय व्यंजनों को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा ताकि वे बिलासपुर की समृद्ध खानपान संस्कृति का अनुभव कर सकें।

उन्होंने कहा कि पर्यटक यहां प्री-वेडिंग शूट, फिशिंग, स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण तथा प्रकृति की गोद में विभिन्न साहसिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। स्थानीय कलाकारों द्वारा लोक संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे पर्यटक हिमाचल की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं से भी रू-ब-रू हो सकेंगे। राहुल कुमार ने कहा कि स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों तथा अन्य पारंपरिक उत्पादों के विक्रय के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इससे स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और उद्यमियों को अपने उत्पाद सीधे पर्यटकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। यह परियोजना स्थानीय रोजगार, स्वरोजगार तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि बिलासपुर में गोविंद सागर झील के प्रमुख द्वीपों ज्योरी पत्तन, धरसानी और भोलू को अंडमान एवं निकोबार की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यह हिमाचल प्रदेश की अपनी तरह की पहली पर्यटन पहल होगी, जो राज्य के पर्यटन क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ेगी। बैठक में मंडी-भराड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। हितधारकों ने वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों को लेकर स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं बारे अवगत करवाया।

उपायुक्त ने एसडीएम झंडूता को वॉटर स्पोर्ट्स के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इस संबंध में बीबीएमबी के अधिकारियों के साथ अलग से बैठक आयोजित कर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

इसके अतिरिक्त बैठक में कोल डैम तथा नकराणा क्षेत्र में वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों के विस्तार की संभावनाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को पर्यटन से जुड़े सभी प्रस्तावों को समयबद्ध आगे बढ़ाने तथा इस संबंध में आवश्यक समन्वय स्थापित करने को भी कहा ताकि बिलासपुर को पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में एडीसी रुपिंदर कौर, एसडीएम सदर राजकुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारक मौजूद रहे।

विश्व कप में इतिहास रचने को तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

कोच फुल्टन बोले-हरमनप्रीत की टीम किसी भी प्रतिद्वंदी को हराने में सक्षम

एशियाई खेलों का स्वर्ण भी बड़ा लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम आगामी विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म कर इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार है। पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन ने कहा कि 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में सफलता की कुंजी निरंतर प्रदर्शन होगी। भारत ने अब तक विश्व कप में केवल तीन पदक जीते हैं और आखिरी बार 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। फुल्टन ने पीटीआई से कहा, 'हमारे लिए प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना सबसे अहम है। विश्व कप के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।' उन्होंने विश्वास जताया कि मौजूदा भारतीय टीम बड़े मंच पर किसी भी विपक्षी को चुनौती देने में सक्षम है। 'ऐसे टूर्नामेंट में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। पेरिस ओलंपिक में हमने दिखाया कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन हमें मजबूत बनाता है। हमारे पास इतिहास बदलने का अच्छा मौका है।'

भारतीय हॉकी की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए फुल्टन ने कहा कि वह विश्व कप में टीम के अपेक्षा से कम सफल रिकॉर्ड से परिचित हैं और इसे बदलना चाहते हैं। 'हम भारतीय हॉकी में अपना नया इतिहास लिखना चाहते हैं।' भारत को विश्व कप के पूल डी में वेल्स, इंग्लैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ रखा गया है। फुल्टन के अनुसार, वेल्स के खिलाफ पहले मैच में मजबूत शुरुआत करना बेहद अहम होगा ताकि टीम पूरे टूर्नामेंट में लय बनाए रख सके।

विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद भारत के लिए विश्व कप के तुरंत बाद होने वाले एशियाई खेल भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। वहां स्वर्ण पदक 2028 ओलंपिक का सीधा टिकट दिलाएगा। फुल्टन ने कहा कि रैंकिंग से अधिक मायने मैदान पर प्रदर्शन का है और जीत के लिए टीम को हर मैच में बुनियादी चीजों पर पूरा ध्यान देना होगा। विश्व कप टीम में युवा डिफेंडर यशदीप सिवाच और स्ट्राइकर आदित्य अर्जुन लागले को भी जगह मिली है। फुल्टन ने दोनों की बहुमुखी क्षमता और पिछले 18 महीनों में टीम के मजबूत तालमेल को भारत की बड़ी ताकत बताया।

युवा एशियाई चैंपियनशिप में सब जूनियर टीम की मजबूत शुरुआत

हॉकी फाइव्स में भारत ने पाकिस्तान को रौंदा

एजेंसी, मस्कट (ओमान)

भारतीय सब-जूनियर बालक हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशिया चैंपियनशिप में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 और मेजबान ओमान को 10-1 से हराकर लगातार दो प्रभावशाली जीत दर्ज कीं। भारतीय सब-जूनियर बालिका टीम को एलीट पूल के मुकाबले में कड़ा संघर्ष करने के बावजूद चीन के हाथों 3-6 से हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। रोमित पाल (आठवें मिनट), करण गौतम (10वें मिनट) और कप्तान केतन कुशवाहा (10वें मिनट) के गोलों की बदौलत भारत ने हाफ टाइम तक 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में प्रह्लाद राजभर (12वें मिनट) ने बढ़त 4-0 कर दी। इसके बाद पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान (12वें और 15वें मिनट) तथा कप्तान अदील (17वें मिनट) के गोलों से वापसी की कोशिश की, लेकिन भारत की ओर से शाहरुख अली (16वें मिनट), राहुल यादव (18वें मिनट) और केतन कुशवाहा (20वें मिनट) ने गोल कर 7-3 से शानदार जीत सुनिश्चित कर दी।

बालिका वर्ग के मुकाबले में भारत और चीन के बीच पहले हाफ तक मुकाबला 3-3 की बराबरी पर था। दूसरे हाफ में चीन ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया। गुओ जियाशिन ने 13वें और 20वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि लू तोंगतोंग ने भी 20वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर चीन को 6-3 से जीत दिला दी। यह प्रतियोगिता अगले वर्ष होने वाले पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी है।

हाइडी क्लम खूबसूरत अंदाज में

जर्मनी। हाइडी क्लम जर्मनी की प्रसिद्ध एथलीट, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती हैं। उन्होंने खेल जगत में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। वह कई लोकप्रिय कार्यक्रमों से जुड़ी रही हैं और अपनी रचनात्मकता व व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

सेमवाल, रविकुमार और सीलान सिंगापुर स्क्वाश से बाहर

एजेंसी, सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-5, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-6, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना के निकोलस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के सेंटर-बैक निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया। अपने चौथे विश्व कप में खेल रहे ओटामेंडी रविवार को फाइनल में स्पेन के खिलाफ 1-0 से अतिरिक्त समय में मिली हार में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे, जो राष्ट्रीय टीम के लिए उनका आखिरी मैच था। 38 वर्षीय आटोमेंडी ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'आज मैं अपने पूरे करियर के सबसे कठिन शब्द लिख रहा हूं। मैं अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं, लेकिन मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। खिताब इतिहास में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन इन रंगों के प्रति प्रेम जीवन भर बना रहता है।'

चाड ले ने राष्ट्रमंडल खेलों में 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में जीता कांस्य

एजेंसी, ग्लास्गो। दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लोस पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लोस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एड्म्स और इंग्लैंड के मिक गाल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को यह रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा, ''भले ही मैंने कांस्य पदक जीता, लेकिन यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'' ले क्लोस ने राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक सात स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक जीते हैं। वह अपनी इस संख्या को बढ़ा सकते हैं, क्योंकि वह 50 और 100 मीटर बटरफ्लाई में भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। ले क्लोस ने 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण किया, जहां उन्होंने 18 वर्ष की उम्र में पांच पदक जीते थे। वह अपने पांचवें राष्ट्रमंडल खेल में भाग ले रहे हैं। ले क्लोस ने अपने शानदार करियर में एक स्वर्ण ओलंपिक पदक सहित चार ओलंपिक पदक और 16 विश्व खिताब जीते हैं।

भारतीय तैराक राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचने में रहे विफल

एजेंसी, ग्लास्गो। भारतीय तैराकों का शनिवार को राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें श्रीहरि नटराज और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। श्रीहरि ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया। तीसरी हीट में उतरे श्रीहरि ने प्रतियोगिता के मध्य तक सातवें स्थान पर पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम चरण में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सके और फाइनल में प्रवेश से वंचित रह गए। चौथी हीट में प्रतिस्पर्धा कर रहे आर्यन शुरुआत से ही पिछड़ गए। मध्य चरण में वह अंतिम स्थान पर थे और अंत तक उसी स्थान पर रहे, जिसके कारण वह भी फाइनल में जगह नहीं बना सके।

विश्व जूनियर स्क्वाश फाइनल में अनाहत, रचा 21 साल बाद इतिहास

एजेंसी, ओंटारियो

भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर 21 साल बाद इतिहास रच दिया। वह 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। दिल्ली की अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

पिछले साल कांस्य पदक जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत अब विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। यदि वह फाइनल जीतती हैं तो यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगी। जीत के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बार्ब के खिलाफ मेरा मुकाबला बेहद करीबी रहा था, इसलिए मुझे पता था कि इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।' उन्होंने कहा, 'कल मैं अपनी लय में नहीं थी, लेकिन आज खुद को साबित करना जरूरी था। चार विश्व जूनियर चैंपियनशिप खेलने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचना मेरे, मेरे माता-पिता और कोच के लिए बेहद खास है। हालांकि, मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है।' खिताबी मुकाबले में अनाहत का सामना मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सलेम से होगा।

आशुतोष शर्मा के चार विकेट, फिर भी हैम्पशायर 160 रन से हारा

एजेंसी, नई दिल्ली। मेट्रो बैंक वनडे कप में भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा ने हैम्पशायर के लिए शानदार गेंदबाजी करते हुए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन उनकी टीम को मिडिलसेक्स के खिलाफ 160 रन से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए मिडिलसेक्स ने आठ विकेट पर 284 रन बनाए। जवाब में हैम्पशायर की पूरी टीम 124 रन पर सिमट गई। आशुतोष बल्ले से खाता भी नहीं खोल सके। हालांकि, गेंदबाजी में उन्होंने नौ ओवर में 54 रन देकर चार विकेट चटकाए। उन्होंने 45 रन बना चुके सलामी बल्लेबाज नेथन फर्नांडिस का विकेट लेकर 103 रन की शुरुआती साझेदारी तोड़ी। इसके बाद जो क्रैकनेल (17), जफर गोहर (0) और जेए नेल्सन (1) को भी पवेलियन भेजा। आखिरी सात ओवरों में हैम्पशायर ने मिडिलसेक्स को सिर्फ 41 रन बनाने दिए और छह विकेट झटके, जिनमें तीन विकेट आशुतोष ने लिए। मैच के बाद आशुतोष ने कहा, 'उम्मीद है कि आईपीएल के अगले सीजन में मुझे ज्यादा गेंदबाजी करने का मौका मिलेगा, क्योंकि यहां लोगों ने मेरी गेंदबाजी देखी है। मैं पिछले साल भी हैम्पशायर आना चाहता था। आखिरकार विदेशी खिलाड़ी का एक स्लॉट खाली होने से मुझे यह मौका मिला।'

राष्ट्रमंडल खेल : सचिन सिवाच ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, ग्लासगो

भारत के स्टार मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए शनिवार को पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में प्रवेश कर लिया। टॉप्स कोर समूह के खिलाड़ी सचिन ने कनाडा के केओमा अल-अहमदीह को 4-1 के विभाजित फैसले (स्प्लिट डिसीजन) से हराया।

मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अंतिम राउंड में कनाडाई मुक्केबाज ने जोरदार वापसी की और तीन जजों से 10 अंक हासिल किए, जबकि सचिन को दो जजों ने 10 अंक दिए। हालांकि, पूरे मुकाबले के आधार पर चार जजों ने 29-28, 30-27, 29-28 और 29-28 के स्कोर से सचिन को विजेता घोषित किया। वहीं, एक जज ने 29-28 के अंतर से कनाडाई मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया। इस जीत के साथ सचिन ने अंतिम-16 में जगह बना ली है, जहां उनका सामना इंग्लैंड के विलियम हेविट से होगा। यह मुकाबला 27 जुलाई को भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले का विजेता क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेगा। विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल के स्वर्ण पदक विजेता सचिन से राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत को पदक की उम्मीदें हैं और उन्होंने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द चुनी जाएगी भारतीय टेस्ट टीम, जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर नजर

एजेंसी, बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। इतिहास भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है, इसलिए उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।'' भारतीय टीम चार अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे। मानव ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अपना प्रभाव छोड़ा था। तीसरे स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हो सकते हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे स्पिन विभाग में विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे।

दिल्ली मेट्रो के 3 स्टेशन यात्रियों के लिए खुले

एजेंसी, नई दिल्ली। सुरक्षा कारणों और प्रदर्शनों के चलते बंद किए गए दिल्ली मेट्रो के प्रमुख स्टेशनों में से राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय के गेट शनिवार को अपराह्न 3.44 बजे यात्रियों के लिए खोल दिए गए। हालांकि मध्य दिल्ली के अन्य स्टेशन अभी भी बंद या सीमित रखे गए हैं। दिल्ली मेट्रो कारपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने एक्स पोस्ट पर बताया कि आज दोपहर 3.44 मिनट पर राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट खुल दिए हैं। इसके साथ ही इन तीनों प्रमुख इंटरचेंज स्टेशनों पर यात्रियों का प्रवेश सामान्य रूप से शुरू हो गया है।

इन स्टेशनों के एंट्री गेट बंद होने के कारण यात्रियों को वैकल्पिक स्टेशनों या दूसरे प्रवेश द्वारों का उपयोग करना पड़ रहा था। अब एंट्री बहाल होने से दैनिक यात्रियों, ऑफिस जाने-जाने वालों और अन्य यात्रियों को काफी राहत मिलेगी तथा भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही आंदोलन कर रहे छात्र आसानी से अपने घर लौट सकेंगे।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति शहाबुद्दीन की एनसीपी ने मांगी गिरफ्तारी

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने शहाबुद्दीन की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल में लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन और मानवाधिकार उल्लंघनों पर चुप्पी साधी।

एनसीपी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन ने कहा कि 2024 के जन आंदोलन के शहीदों को न्याय दिलाने और भविष्य में तानाशाही की वापसी रोकने के लिए शहाबुद्दीन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद उन्हें मिली संवैधानिक सुरक्षा समाप्त हो गई है। इस बीच, कार्यवाहक राष्ट्रपति हाफिज उद्दीन अहमद ने बताया कि शहाबुद्दीन ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने में असमर्थ थे।

शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद संभाला था। उन्होंने कार्यकाल पूरा होने से करीब दो वर्ष पहले पद छोड़ा है।

मप्र में बनेंगे 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट, 3 माह में निपटेंगे परीक्षा मामले : सीएम यादव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में पेपर लीक और परीक्षा से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए चार फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में बनने वाली इन अदालतों में परीक्षा संबंधी मामलों का तीन माह के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार युवाओं और विद्यार्थियों के हितों को लेकर गंभीर है। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और दोषियों पर जल्द कार्रवाई के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में भी केंद्र सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच एजेंसियों को सक्रिय किया था। डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में परीक्षाएं बेहतर और सुरक्षित तरीके से आयोजित हों, इसके लिए आवश्यक प्रोटोकॉल तैयार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए प्रदेश सरकार लगातार निर्णय ले रही है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य रहा है।

गौरतलब है कि पेपर लीक और परीक्षा धांधली के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें गठित करने का आदेश दिया है। इन अदालतों में परीक्षा संबंधी अपराधों की सुनवाई कर दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

इन विशेष अदालतों के अंतर्गत पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 और भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई होगी। उच्च न्यायालय ने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इन अदालतों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की शक्तियां भी प्रदान की हैं।

कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने श्रीनगर पहुंचे रक्षा मंत्री

एजेंसी, श्रीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए श्रीनगर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय लद्दाख दौरे पर आए हैं, जहां वे 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे।

अधिकारियों ने अनुसार रक्षा मंत्री को हवाई मार्ग से सीधे द्रास पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। इसके बाद रक्षा मंत्री सड़क मार्ग से द्रास के लिए रवाना हुए। द्रास में शनिवार से दो दिवसीय कारगिल विजय दिवस समारोह शुरू हो रहा है।

गूगल पर यूरोपीय संघ के जुर्माने से भड़के ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन

यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा गूगल पर करीब एक अरब डॉलर (83.5 हजार करोड़ रुपए) का एंटी-ट्रस्ट जुर्माना लगाए जाने के बाद अमेरिका और ईयू के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कार्रवाई को अमेरिकी कंपनियों के साथ 'अनुचित व्यवहार' बताते हुए ईयू के खिलाफ सेक्शन 301 व्यापार जांच शुरू करने का ऐलान किया है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए, तो यूरोपीय संघ पर नए और भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

◆ व्यापार जांच और टैरिफ की दी चेतावनी

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक यह घोषणा यूरोपीय आयोग द्वारा गूगल पर €890 मिलियन (लगभग 97.84 हजार करोड़ रुपए) का एंटी-ट्रस्ट जुर्माना लगाए जाने के बाद की गई। आयोग का कहना है कि गूगल ने अपने सर्च परिणामों में प्रतिस्पर्धी सेवाओं की तुलना में अपनी सेवाओं को अनुचित बढ़त दी।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि गूगल पर एक अरब डॉलर, एप्पल पर 15 अरब डॉलर, मेटा पर 3 अरब डॉलर, अमेजन पर 2.5 अरब डॉलर समेत कई अमेरिकी कंपनियों पर लगाए गए जुर्माने का अमेरिका अब जवाब देगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच के नतीजों के आधार पर ईयू पर जल्द ही भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

ट्रंप ने दावा किया कि गूगल पर कुल जुर्माना 18 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है। हालांकि, उपलब्ध सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले एक दशक में यूरोपीय आयोग द्वारा गूगल पर लगाए गए कुल जुर्माने की राशि इससे कम रही है और इनमें से कुछ विवादित माना जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में भी गूगल यूरोपीय संघ के ₹4.6 अरब (लगभग 50,571 करोड़ रुपये) के पुराने एंटी-ट्रस्ट जुर्माने के खिलाफ कानूनी लड़ाई हार गया था। यह मामला एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम में गूगल सर्च और क्रोम को पहले से इंस्टॉल करने की शर्तों से जुड़ा था।